प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

जो कर्मफल की इच्छा से मुक्त होकर काम करता है, वह सच्चा योगी है।

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

www.purvanchalsurya.com

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 271 | दैनिक | रांची | गुरूवार 15 मई 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

पंचतत्व में विलीन हुए पाक हमले में शहीद जवान रामबाबू

सीवान (एजेंसी)। पाक हमले में शहीद सीवान के जवान रामबाबू प्रसाद (28) बुधवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके पैतृक गांव सिलपुर के ही श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। घाट पर लोगों की भारी भीड़ थी। लोगों की आंखें नम थीं, लेकिन जोश दिखाई दे रहा था। भारत माता और जवान के नाम के नारे लगते रहे। दोपहर ढाई बजे शहीद की पार्थिव देह पटना से सीवान लाई गई। पार्थिव शरीर जिस गाड़ी से लाया गया उसके आगे और पीछे सैकड़ों लोगों का हुजूम दिखा।

- पार्थिव शरीर से लिपटकर रो पड़े मां और चाचा,भारत माता की जय के लगे नारे

भारत माता की जय और रामबाबू अमर रहे के नारे लगे। जैसे ही जवान की पार्थिव देह घर पहुंची, मां बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी। बेटे को याद कर रोने लगीं। थोड़ी देर बाद शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस दौरान मां और चाचा पार्थिव शरीर से लिपटकर रोने पड़े। रामबाबू प्रसाद 12 मई को पाकिस्तानी ड्रोन अटैक में घायल हो गए थे। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी सोमवार-मंगलवार रात 1 बजे मौत हो गई। वे जम्मू-कश्मीर बॉर्डर पर तैनात थे। रामबाबू प्रसाद गौतम बुद्ध नगर थाना क्षेत्र के वसिलपुर गांव के रहने वाले थे। उनके पिता स्वर्गीय रामविचार सिंह उप मुखिया रहे चुके थे। 14 दिसंबर 2024 को रामबाबू की शादी हुई थी। उनकी पत्नी प्रेग्नेंट है। अप्रैल में रामबाबू सीवान से जम्मू लौटे थे। उनका ट्रांसफर उदयपुर हो गया था, लेकिन पहलगाम अटैक के बाद उन्हें रोक लिया गया था। रामबाबू पाक के हमले नाकाम करने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम में तैनात थे।

सऊदी-अमेरिका के बीच इतिहास की सबसे बड़ी हथियार डील

रियाद (एजेंसी)। अमेरिका और खाड़ी के प्रमुख मुस्लिम देश सऊदी अरब के बीच इतिहास का सबसे बड़ा हथियार सौदा हुआ है। इसके तहत अमेरिका सऊदी अरब को 124 अरब डॉलर के हथियार और युद्धक साजो-सामान डिलिवर करेगा। वॉइट हाउस ने इस बारे में जानकारी दी है। यह हथियार बिक्री सऊदी अरब के साथ 600 अरब डॉलर के ऐतिहासिक सौदे का हिस्सा है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रियाद यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किया गया।

सुन्नी इस्लामिक मुल्क सऊदी अरब के साथ यह हथियार डील शिया ईरान के लिए खतरे की घंटी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ईरान को यह तय करने की जरूरत है कि वह परमाणु हथियार विकसित करके युद्ध करना चाहता है या शांति और व्यापारिक संबंध चुनना चाहता है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने शांति को अस्वीकार कर दिया तो हमारे पास परमाणु हथियार रखने से रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। ट्रंप ने कहा,ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली राजकीय यात्रा पर मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे।

पाक की वायुसेना का 20 फीसदी इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह

इस्लामाबाद/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑपरेशन सिन्दूर में पाकिस्तान में कितनी तबाही मचाई है, उसकी रिपोर्ट अब आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के हमलों में पाकिस्तान के एक दर्जन से ज्यादा सैन्य ठिकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा। भारत के सटीक हमलों में पाकिस्तानी एयरफोर्स के करीब 20 प्रतिशत इन्फ्रास्ट्रक्चर खत्म हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पिन प्वाइंट हमलों की वजह से पाकिस्तान वायुसेना के कई लड़ाकू विमान नष्ट हो गये हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में

कहा गया है कि भारत के हमलों में पाकिस्तान के सरगोधा और भोलारी जैसे प्रमुख गोला-बारूद डिपो और हवाई ठिकानों को निशाना बनाया गया था। ये ऐसे एयरबेस हैं, जहां से पाकिस्तान वायुसेना एफ-16 और जे-17 जैसे लड़ाकू विमानों को ऑपरेट करती है। भारत ने जिस वक्त हमला किया था, उस दौरान कई विमान एयरबेस पर ही मौजूद थे। रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमशोरो जिले में भोलारी एयर बेस पर भी हमला किया था। जिसमें पाकिस्तान एयरफोर्स के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ के साथ साथ चार और वायुसैनिकों की मौत हो गई। इस हमले में पाकिस्तान के 50 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। सूत्रों ने कहा है कि भारतीय हमले में पाकिस्तान एयरफोर्स के कई विमानों को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

बिहार में बीजेपी की सरकार बनवाना चाहते हैं ओवैसी

कटिहार (एजेंसी)। सीमांचल में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से सामाजिक न्याय और जनजागरण कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कटिहार के सर्किट हाउस में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद मोहम्मद अली अशरफ फातमी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने राजनीतिक विचारों को बेबाकी से रखा। इस दौरान अली अशरफ फातमी ने

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर करारा हमला बोला। फातमी ने कहा कि ओवैसी अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उनकी राजनीतिक गतिविधियां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के मकसद से संचालित होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी और भाजपा के बीच एक तरह की नूरा कुश्ती चल रही है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को रणनीतिक लाभ पहुंचाते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक समय उन्होंने खुद ओवैसी का समर्थन किया था, लेकिन बाद में खुद को ठगा हुआ महसूस किया। फातमी का दावा है कि असदुद्दीन ओवैसी की योजना भाजपा को बिहार में सत्तारूढ़ कराने की है और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को सत्ता से बाहर करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के अंदर के कई लोग इस मिलीभगत को स्वीकार भी करते हैं, और यहां तक कहा जा रहा है कि नीतिश कुमार भारत रत्न लेकर राजनीति से संन्यास ले लें। पूर्व मंत्री फातमी ने कहा कि आज बिहार में समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और जनहित की राजनीति को आगे बढ़ाने वाला एकमात्र नेता तेजस्वी यादव हैं। उन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा बताते हुए कहा कि राज्य में जनता के विश्वास का केंद्र अब सिर्फ तेजस्वी हैं।

देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मिल गई मंजूरी

- यूपी के जेवर में बनेगा मेगा सेमीकंडक्टर प्लांट

हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी,बड़ा है तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अब वो दिन दूर नहीं जब भारतीय फोन और लैपटॉप अपने ही देश में सस्ते दामों पर खरीद सकते हैं। दरअसल, मोदी सरकार ने भारत की चिप बनाने की महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा दिया है। इसके मद्देनजर आज बुधवार को मोदी कैबिनेट ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश के जेवर में भारत की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी है। 3,706 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच एक ज्वाइंट वेंचर होगी। बता दें कि जेवर प्लांट में उत्पादित चिप्स का उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पीसी आदि में किया जाएगा। अन्य पांच सेमीकंडक्टर गुजरात और असम में अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि करीब 3706 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित होने वाली इस प्लांट में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह यूनिट एचसीएल और फोक्सकॉन के सहयोग से स्थापित की जाएगी और इसमें डिस्प्ले ड्राइव का निर्माण किया जाएगा। इसकी कैपासिटी मंथली 3.6 करोड़ माइक्रो चिप्स की होगी। सरकार ने कहा, पहले से ही पांच सेमीकंडक्टर यूनिट निर्माण के एडवांस स्टेज में हैं। अब 6वीं यूनिट के साथ भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने की अपनी यात्रा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग अब पूरे देश में आकार ले रहा है। देश भर के कई राज्यों में विश्व स्तरीय डिजाइन सुविधाएं आ गई हैं।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में हथियारों का जखीरा बरामद

- इसमें एके-47 और हैंड ग्रेनेड शामिल,सेना ने 3 आतंकियों को यहीं किया था ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल है। केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी।

इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टी भी शामिल था। 13 मई की दोपहर 12 बजकर 53 मिनट पर भारतीय सेना के असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी ने सोशल मीडिया एक्स पर ऑपरेशन केलर की जानकारी दी।

पोस्ट में लिखा- 'भारतीय सेना की राष्ट्रीय

राइफल्स विंग को खुफिया सोर्सेज से शोपियां के शोकल केलर इलाके में आतंकियों के होने की जानकारी मिली । इसके बाद भारतीय सेना ने 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय' यानी आतंकियों को ढूंढ़कर मारने का ऑपरेशन लॉन्च किया।' यह ऑपरेशन भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और खुफिया एजेंसियों के संयुक्त प्रयास से किया गया था।

विद्या भारती के विद्यालय के छात्रों की माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परीक्षा में शानदार सफलता पर बधाई

- मेधावी छात्रों का अभिनंदन समारोह 9 जून को बोकारो में
- गुणवत्तापूर्ण व संस्कार युक्त शिक्षा देना लक्ष्य – रामअवतार नरसरिया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती से संबद्ध विद्या विकास समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के भैया बहनों ने सीबीएसई द्वारा आयोजित सत्र 2024-25 का माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है। इस संबंध में विद्या विकास समिति द्वारा बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में विद्या विकास

समिति, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष राम शअवतार नरसरिया एवं प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली की प्रादेशिक इकाई द्वारा प्रदेश में भारतीय चिंतन, भारतीय संस्कृति व जीवनादर्श पर आधारित शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के नाम से शहरों, ग्रामों एवं जनजातीय क्षेत्रें में छोटे-बड़े 213 औपचारिक विद्यालय तथा नगरीय उपेक्षित बस्तियों में 209 सरस्वती संस्कार केन्द्र तथा जनजातीय क्षेत्र में 344 सरस्वती शिक्षा केन्द्र संचालित हो रहे हैं। प्रांत द्वारा कुदलुम, नगड़ी, राँची में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय भी संचालित है। पूरे प्रांत में सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 26 विद्यालय हैं। कक्षा दशम की परीक्षा में कुल 3042 भैया-बहन (छात्र) सम्मिलित हुए जिसमें प्रथम स्थान पर 1738 जिसमें सर्वाधिक अंक 97.2 प्रतिशत रहा। कक्षा द्वादश के विज्ञान संकाय में कुल 928 भैया-बहन (छात्र) सम्मिलित हुए जिसमें प्रथम स्थान पर 731 जिसमें सर्वाधिक अंक 96.8 प्रतिशत रहा। कक्षा द्वादश के वाणिज्य संकाय में कुल 465 भैया-बहन (छात्र) सम्मिलित हुए जिसमें प्रथम स्थान पर 326 जिसमें सर्वाधिक अंक 97.8 प्रतिशत रहा। कक्षा द्वादश के कला संकाय में कुल 68 भैया-बहन (छात्र) सम्मिलित हुए जिसमें प्रथम स्थान पर 51 जिसमें सर्वाधिक अंक 96.2 प्रतिशत रहा। ज्ञात हो कि कई जिलों में अपने विद्यालयों के भैया-बहनों ने सर्वश्रेष्ठ प्रथम 10 में अपना स्थान बनाया है। विद्या भारती, झारखंड द्वारा संचालित सीबीएसई एवं जैक बोर्ड के कक्षा दशवीं एवं बारहवीं के सभी संकायों में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों के लिए मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाता है। इस वर्ष यह समारोह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर 9डी, बोकारो में जून 2025 के प्रथम सप्ताह में आयोजित होगी। विद्या भारती, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार नारसरिया, प्रदेश मंत्री डॉ. ब्रजेश कुमार, प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा एवं समिति के सभी अधिकारियों ने भैया-बहनों की उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह से मिले आयुष्मान भारत योजना के तहत डायलिसिस से पीड़ित मरीज

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,हजारीबाग। मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह से आयुष्मान भारत योजना के तहत डायलिसिस से पीड़ित मरीजों ने मुलाकात की। मरीजों ने निजी अस्पतालों में डायलिसिस की सुविधा न मिलने की गंभीर समस्या को उनके समक्ष रखा। मरीजों का कहना था कि केंद्र सरकार की बहुप्रचारित योजना के बावजूद उन्हें उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है।जिससे उनकी स्थिति और भी बदतर हो रही है। इस विषय पर उन्होंने गहरी चिंता जताई और कहा कि यह न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की विफलता है,बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ भी है।मुन्ना ने इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि वह जल्द ही संबंधित विभागीय मंत्री से मुलाकात करेंगे और मरीजों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनसेवा और जनस्वास्थ्य कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कांग्रेस हमेशा गरीब,पीड़ित और वंचित वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी।मुख्य रूप से तपेश्वर राय,फिरोज अंसारी,करू यादव, मोहम्मद शहाबुद्दीन,सुरेंद्र दांगी, कौशल्या देवी,महावीर प्रसाद,गौतम कुशवाहा,विक्की कुमार धान उपस्थित थे।

देसी कट्टा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बरही। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बरही पुलिस ने बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर मलकोको गांव के पहारपुर टोला में विश्वनाथ रविदास पिता स्वर्गीय बाबूलाल रविदास,उम्र 51 वर्ष, ग्राम मलकोको थाना बरही जिला हजारीबाग निवासी के पास से तलाशी के क्रम में एक देसी कट्टा एवं चार जिंदा गोली पाया। जिसे स्वतंत्र गवाहों के समक्ष विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जप्त किया गया। इस संबंध में आयुध अधिनियम के अंतर्गत थाना में कांड दर्ज कर अभियुक्त विश्वनाथ रविदास को माननीय न्यायालय हजारीबाग में उपस्थापन हेतु भेजा गया। वहीं पुलिस द्वारा अग्रसर कार्रवाई की जा रही है।

विदेशी बिना वीजा के भारत में घुसपैठ कर रहे हैं सरकार इसपर कारवाई करे- बजरंग बागड़ा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने होटल ग्रीन एकर्स, एयरपोर्ट रोड रांची में प्रेस वार्ता में कहा कि देश के अंदर विदेशी बिना वीजा के घुसपैठ कर रहे हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार इनको चिन्हित कर कार्रवाई करें तथा उनको इस देश से वापस भेजें। विदेशी को देश में आने के लिए वीजा कानून बना हुआ है। उसका पालन सख्ती से हो यह देश के लिए खतरा है।

श्री बागड़ा ने झारखंड में लैंड जिहाद पर चिंता जताते हुए कहा कि जिहादी क़ानून का गलत प्रयोग कर जमीन पर कब्जा कर रहें हैं। सरकार इसपर ध्यान दें। श्री बागड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित किया गया है, न कि समाप्त साथ ही उन्होने भारत सरकार द्वारा किए गए कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् इस कार्रवाई में भारत सरकार का स्वागत करती है और उनके इस कार्रवाई में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए हुए है और किसी भी आतंकवादी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजफायर का स्वागत किया जा सकता है, लेकिन यह शर्त होनी चाहिए कि अगर भविष्य में कोई आतंकवादी घटना होती है, तो उसे एक्ट ऑफ वार माना जाएगा। श्री बागड़ा ने सेना के शौर्य और पराक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेना की कार्रवाई और सरकार की इच्छा शक्ति के कारण ही आतंक के ठिकानों को नष्ट किया जा सका है,ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना कड़ा रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जो भी भारत पर बुरी नजर रखेगा या आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रचेगा, उसका भी ऐसा ही हश्र होगा। प्रेस वार्ता में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री के साथ, विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपात , प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र एवं प्रांत प्रचार प्रचार प्रमुख प्रकाश रंजन उपस्थित थे।

हिन्दू धर्म रक्षा मंच का हुआ विस्तार

झारखंड राज्य प्रदेश संयोजक बने संतोष तिवारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,साहिबगंज। हिन्दू समाज को जागरूक, संगठित व समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने तथा भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से हिंदू धर्म रक्षा मंच का विस्तार किया गया है। मंच के महासचिव बजरंगी महतो ने केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष के निर्देशानुसार झारखंड के प्रदेश संयोजक के रूप में साहिबगंज जिला के कोटालपोखर निवासी संतोष तिवारी को यह जिम्मेवारी सौंपी है।

महासचिव बजरंगी महतो ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सदस्य और बौद्धिक क्षमता के धनी संतोष तिवारी को लंबे समय से समाज सेवा का विशेष अनुभव है। महाचसिव ने संतोष तिवारी के प्रदेश संयोजक बनाए जाने पर खुशी जताते हुए कहा की इससे पूरे झारखंड राज्य में हिंदू धर्म रक्षा मंच को गहरी मजबूती मिलेगी, जिससे मंच आगे बढ़ेगा। वहीं, मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने कहा कि संतोष तिवारी का शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति जुड़ाव रहा है। अब हिंदू धर्म रक्षा मंच के कार्यकर्ताओं को भी संघ की अनुशासनात्मक गतिविधियों को सीखने का मौका मिलेगा। बजरंगी महतो ने बताया कि 20 मई तक नई जिला कमिटी की भी घोषणा की जाएगी। कमिटी में जिला के नौ प्रखंडों को ध्यान में रखते हुए लगभग 50 सदस्यों की सूची जारी की जाएगी।

उपायुक्त ने सहकारिता विभाग के विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा की

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को सहकारिता विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में लैंप्सो की संख्या, गत माह तक निबंधित समितियों की संख्या, गोदाम निर्माण हेतु जमीन उपलब्धता से संबंधित, अंकेक्षण, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सौर ऊर्जा / विद्युत ऊर्जा चालित कोल्ड रूम निर्माण, धान बीज उठाव, उर्वरक उठाव की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा सहकारिता विभाग अंतर्गत पैक्स गोदाम भवन निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि जिन यूनिट्स का निर्माण कार्य अपूर्ण है उन्हें जल्द पूरा करायें तथा जिनका निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है उसे योजनाबद्ध रूप से संचालित करें। बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, गिरिडीह जिला समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बरही जवाहर घाट में बोलेरो हादसा : डैम में गिरने से 2 की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

रफ्तार और चकमे ने ली जिंदगियां, हादसे के बाद बोलेरो डैम में समाई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहर घाट में जवाहर पुल के पास एक दर्दनाक में सड़क हादसा हुआ। एक बोलेरो गाड़ी संख्या 24 बीएच 7398 अनियंत्रित होकर जवाहर घाट पर बने पुल की रेलिंग तोड़ती हुई तिलैया डैम में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों के मौत हो गई। जबकि दो लोग किसी तरह जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे। दुर्घटना में गौशाला रोड बजरंग नगर झुमरीतिलैया निवासी राहुल सोनकर पिता राजेन्द्र सोनकर, जो कि पेशे से फल विक्रेता थे। इसके अलावा उनके परिजनों ने बताया कि मृतक के साथ उनके साथी स्टेशन रोड हनुमान मंदिर अड़ी बंगला निवासी आशीष कुमार पिता दिलीप रवानी की भी मौके पर ही मौत हो गई। जिनका शव बरामद नही हो पाया है। वहीं बोलेरो में सवार संदीप कुमार पिता स्व. विनोद यादव

और सौरव शर्मा पिता सुधीर शर्मा मडुआटांड़ निवासी किसी प्रकार गाड़ी से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। सौरव शर्मा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि संदीप कुमार का प्राथमिक इलाज कोडरमा सदर अस्पताल में चल रहा है।

हादसे की वजह बनी रफ्तार और शराब के नशे में था चालक – मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों और घायल सौरव शर्मा के मित्र संदीप कुमार ने बताया कि उनके गाड़ी की स्पीड काफी तेज थी। इसके अलावा चालक ने शराब पी रखा था। संदीप ने बताया कि वह कोडरमा से बरही घिडारी समारोह में शामिल होकर लौट रहे बोलेरो सवार जब जवाहर घाट के पास पहुंचे तो चालक ने तेज रफ्तार में होने के कारण बोलेरो अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे डैम में गिर गई।

घटना स्थल पर मची अफरा-तफरी, पुलिस ने निकाला शव – हादसे की सूचना पाकर बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार विमल, एसडीपीओ प्रशांत कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक शिवम गुप्ता समेत बरही थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की सहायता से बोलेरो को डैम से बाहर निकाला गया। वहीं डैम से राहुल सोनकर का शव बरामद कर लिया गया। आशीष का शव की खोजबीन की जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आशीष का शव डैम में ही है, जिसकी तलाश जारी है।

व्यवसायी संघ अध्यक्ष ने एनएचएआई पर लापरवाही का लगाया आरोप –व्यवसायी संघ के अध्यक्ष कपिल केशरी ने इस हादसे पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जवाहर घाट का मेजरमेंट गलत ढंग से किया गया है और एनएचएआई की लापरवाही से यह जगह दुर्घटनाओं का केंद्र बनती जा रही है। अगर जल्द ही सुधार नहीं किया गया तो ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। इधर सदर अस्पताल कोडरमा के चिकित्सक डॉ. विकास गौरव ने बताया कि घायल सौरव शर्मा की हालत गंभीर है, इसलिए उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायल सौरव को उसके एक मित्र द्वारा सुबह अस्पताल लाया गया था। बताते चलें कि सौरभ सोनकर का अंत्यपरीक्षण बरही अनुमंडलीय अस्पताल में करने के पश्चात शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

गोताखोरों की टीम ने निकाला शव, सरकार से सहयोग की अपील – एसडीपीओ अजित कुमार विमल, सीओ अमित किस्कू, इंस्पेक्टर आभास कुमार व मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर के पहल पर चौपारण चैया निवासी मो. अफाक आलम व नाजिम हुसैन के नेतृत्व में गोताखोरों की टीम ने 16 की संख्या में शव को खोजने जवाहर घाट में उतरकर खोजने में सफल रहे। शव को गोताखोरों की टीम ने महज 10 मिनट में खोज लिया। गोताखोरों की टीम में मो. अफाक आलम सचिव, अध्यक्ष नाजिम हुसैन, लड्डू बाबू, लाल बाबू, बबन बाबू, नौसर रमा, बढ़ान बाबू, सदाम हुसैन, जावेद, मो शाहनवाह आलम सभी चायकला पंचायत के रहने वाले शामिल रहे। गोताखोरों ने सरकार से अपील किया कि उन्हें सहयोग राशि देने पर वह हर घटना दुर्घटना पर मौजूद रहेंगे। मौके पर सीओ अमित किस्कू, मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, चन्दन कुमार मौजूद रहे

छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। प्रखंड के चोपदार बलिया पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोसाई बलिया में बुधवार को छात्र-छात्राओं के बीच कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत वर्ग अष्टम में अध्ययनरत कुल 32 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग भी दिया गया। साइकिल वितरण में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि चंदन कुमार पुरी, प्रखंड साधन सेवी (बीआरपी) धनंजय दास एवं विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच किया।

साइकिल वितरण के पश्चात मुखिया प्रतिनिधि श्री पुरी ने कहा झारखंड सरकार विद्यार्थियों के बेहतर शिक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है आम जनों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए भी कई योजनाएं चलाई जा रही है। सभी अतिथियों ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोपाल कुमार दांगी, शिक्षक सलीमुल्लाह, मोतीलाल गिरी, जितेंद्र प्रसाद दांगी , मजाज अल्वी ,परमेश गिरी ,रेणु कुमारी, अरुणा कुमारी, मीडिया प्रभारी नंदकिशोर मेहता, वार्ड सदस्य सुरेश रजक एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अन्य उपस्थित थे।

योगदा सत्संग महाविद्यालय में 'नरीश-नेचर-नाउ' अभियान का शुभारंभ

बेजुबान जानवरों और पशु-पक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बरतें : मधु सिन्हा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। योगदा सत्संग महाविद्यालय, रांची में टीम पहचान द्वारा नरीश-नेचर-नाउनामक एक जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया।

जिसका उद्देश्य बेजुबान जानवरों विशेष रूप से लावारिस कुत्तों और पक्षियों की देखभाल के प्रति समाज को संवेदनशील बनाना था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन की राष्ट्रीय सचिव मधु सिन्हा ने किया। उनके साथ एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा, प्रदेश सचिव विजय कुमार दत्त पिंटू एवं प्रेरणादायक ट्रैवल यूट्यूबर द बनजारा ब्वाय भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रेरक वीडियो प्रस्तुति के साथ हुई जिसमें बताया गया कि किस प्रकार भीषण गर्मी में ये बेजुबान जानवर दर्द और पीड़ा सहते हैं। वीडियो ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया और उन्हें प्रेरित किया कि वे इन निरीह प्राणियों की सहायता के लिए कुछ सकारात्मक कदम उठाएं।

इस अभियान के अंतर्गत छात्रों ने लोगों को यह बताया कि कैसे सर्दियों में पुराने कपड़े, कार्डबोर्ड शेल्टर, बर्तन में पानी और खाना रखकर हम इन जानवरों की मदद कर सकते हैं।

इस मौके पर टीम पहचान के प्रिंट और डिजिटल मीडिया प्रमुख आदित्य ने कहा कि यह अभियान एक सोच है जो समाज में बेजुबान प्राणियों के लिए करुणा और संवेदना पैदा करना चाहता है।श्रीमती सिन्हा ने कहा कि बेजुबान जानवरों की रक्षा और देखभाल हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अगर हम इंसान होने का दावा करते हैं, तो हमें उन प्राणियों के लिए भी खड़ा होना होगा, जो अपनी पीड़ा शब्दों में नहीं कह सकते।

प्रदेश अध्यक्ष देवानंद सिन्हा ने कहा कि बेजुबान जानवरों और पशु-पक्षियों के प्रति भी दया और करुणा से हम उन्हें एक सुरक्षित जीवन दे सकते हैं। यह अभियान एक प्रेरणादायक कदम है।

इस अवसर पर प्रेरणादायक ट्रैवल यूट्यूबर द बंजारा ब्वाय ने कार्यक्रम में भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। साथ ही पेपर फार्म संस्था की टीम ने भी अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए कि कैसे हम अधिक संगठित प्रयासों से इन मूक जीवों के लिए एक बेहतर जीवन सुनिश्चित कर सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अभिषेक घोष एवं आदित्य द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की समाप्ति पर महाविद्यालय के सचिव शासी निकाय अश्विनी सक्सेना, प्राचार्या प्रगति बक्शी, सीवीएस के डायरेक्टर कर्नल हिमांशु शेखर, एवं महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे। आयोजन के लिए टीम ÷पहचान÷ को बधाई देते हुए कहा गया कि, आज का कार्यक्रम केवल एक सामाजिक संदेश नहीं, बल्कि एक जनचेतना अभियान था, जो लंबे समय तक लोगों के दिलों में रहेगा।÷

इस आयोजन को सफल बनाने में टीम पहचान के शिक्षक समन्वयक बिपुल दुबे और पूरी टीम पहचान के सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी द्वारा मोरांगी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

- **बुनियादी उपचार जरूरतमंदों को निशुल्क उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य उद्देश्य है – डॉ प्रवीण श्रीनिवास**

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी द्वारा सदर प्रखण्ड स्थित मोरांगी में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइसेंस एंड होस्पिटल,संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल एवं श्रीनिवास डायग्नोस्टिक के संयुक्त तत्वावधान में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सामान्य स्वास्थ्य,दांत,नेत्र,सुगर, क्लोस्ट्रोल एवं रक्त का जांच जरूरतमंदों को मुफ्त प्रदान की गई। कई जरूरतमंद मरीजों ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि बुनियादी उपचार जरूरतमंदों को निशुल्क उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य उद्देश्य है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉ ऋषिकांत उपाध्याय, सिस्टर अज़रा निगार, प्रयोगशाला विभाग से राकेश कुमार, राजकुमार, नेत्र विभाग प्रियंका कुमारी, संगम कुमार, छात्रा गुलनाज एवं प्रीति कुमारी ने अपना सरहानीय योगदान दिया।

सैमसंग के गैलेक्सी एस25 एज की प्री-बुकिंग शुरू

रांची। इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। एस25 एज एस सीरीज में एक आइकॉनिक गैलेक्सी एआई-इनेबल्ड कैमरा दिया गया है। यह स्मार्टफोन महज 163 ग्राम वजन वाला फ्रेम स्टाइल और कार्यक्षमता दोनों में अव्वल है। यह स्लिम स्मार्टफोन्स को नए स्तर पर ले जाता है और गैलेक्सी एस सीरीज़ की एकजैसी डिज़ाइन को बनाए रखता है। 200एमपी का वाइड लेंस गैलेक्सी स्-सीरीज़ के शानदार कैमरा अनुभव को बरकरार रखता है और नाइटोग्राफी को नए स्तर पर ले जाता है। यह स्मार्टफोन 12एमपी के अल्ट्रा-वाइड सेंसर ऑटोफोकस के साथ आता है, जो मैक्रो फोटोग्राफी को और रचनात्मक बनाता है जिससे और अधिक रचनात्मक लचीलापन मिलता है। गैलेक्सी एस25 एज में गैलेक्सी एस25 के लिए ऑप्टिमाइज़्ड प्रोविजुअल इंजन का उपयोग किया गया है। गैलेक्सी एआई से पावर्ड एडिटिंग फीचर्स, जैसे ऑडियो इरेज़र और ड्रॉइंग असिस्ट, गैलेक्सी एस25 सीरीज़ से लिए गए हैं, जिन्हें बेहद स्लिम डिजाइन में आधुनिक क्रिएटिव और एडिटिंग टूल्स के साथ पेयर किया गया है।

भ्रष्टाचार पर उपायुक्त सख्त, दो जन वितरण प्रणाली दुकानों की अनुज्ञप्ति रद्द

- **अनुमण्डल पदाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान कम राशन देने की हुई पुष्टि**
- **कम राशन देना या राशन की कालाबाजारी करने वाले बक्शे नहीं जाएँगे- उपायुक्त**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गढ़वा। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने जन वितरण प्रणाली में अनियमितता का मामला संज्ञान में आने पर कड़ी कार्रवाई करते हुए मेराल प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम-मेराल के जन वितरण प्रणाली दुकानदार संजय प्रसाद गुप्ता, अनुज्ञप्ति संख्याः-18/1996 तथा भंडरिया प्रखण्ड के ग्राम बघवार के जन वितरण प्रणाली दुकानदार बोधन सिंह, अनुज्ञप्ति संख्याः-10/2004 को अनुज्ञप्ति शर्तों एवं झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण), आदेश के सुसंगत प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में तत्काल प्रभाव से निरस्त/रद्द कर दिया है। उपायुक्त श्री जमुआर ने बताया कि अनुमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा के द्वारा मेराल प्रखण्ड अन्तर्गत चरका पत्थर पूर्वी के राशन डीलर संजय प्रसाद गुप्ता की राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया गया जहाँ राशन वितरण का कार्य जारी था। मौके पर लाभुकों ने डीलर द्वारा कम मात्रा में राशन देने की शिकायत की। मौके पर ही एक लाभुक कुश कुमार द्वारा लिये गये राशन को तौला गया जिसमें 5 सदस्यों का राशन था इस हिसाब से 5 किग्रा0 प्रति के हिसाब से 35 किलो होना चाहिए था किन्तु वजन करवाने पर बोरी सहित 33 किलो पाया गया।

जब अन्य लाभुकों से पूछा गया तो उन्होनें भी एक स्वर में बताया कि सभी को निर्धारित मात्रा से कम राशन दिया जाता है। स्वयं डीलर श्री गुप्ता ने भी तर्क देते हुए स्वीकार किया कि वे कम मात्रा में राशन देते हैं। इसी प्रकार अनुमण्डल पदाधिकारी रंका द्वारा भंडरिया प्रखण्ड के ग्राम बघवार में बोधन सिंह के जन वितरण प्रणाली की दुकान का निरीक्षण किया गया तो दूकान बंद पाया गया। दूकानदार को दूरभाष के माध्यम से दूकान खुला रखने की सूचना पूर्व में ही दी गई थी फिर भी उन्होंने दूकान को बंद रखा और मोबाईल को बंद कर लिया गया था। दूकान पर सूचना पट, लाभुको की विवरणी, विज्ञप्ति सं0 वगैरह प्रर्दशित नही था। एसडीओ ने स्थानीय लाभुकों के साथ डीलर बोधन सिंह के घर गए परन्तु वे घर पर नहीं मिलें, जिसकी वजह से जन वितरण दुकान पर मौजूद राशन का भण्डारण, नाप तौल मशीन इत्यादि का जाँच नहीं किया जा सका। लाभुकों से राशन संबंधी पूछ-ताछ के क्रम में राशन कम देने, समय पर नहीं देने, पर्ची निकाल कर बाद में राशन देने सहित कई आरोप लगाए गए। लाभुकों द्वारा एक स्वर में बताया गया कि उक्त डीलर के द्वारा मनमानी किया जा रहा है जिससे लाभुकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सहायक गोदाम प्रबंधक द्वारा बताया गया कि माह फरवरी 2025 का राशन इनको दिया जा चुका है फिर भी लाभुकों के बीच वितरण नहीं किया गया है। काफी देर तक रहने के बाद भी डीलर बोधन सिंह का नहीं पहुँचना तथा मोबाईल बंद कर लेना लाभुकों के आरोप को पुख्ता करता है। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि राशन डीलर को प्रत्येक माह गोदाम से समय पर राशन मिल रहा है उसे लाभुकों के बीच सही मात्रा में वितरण करना सुनिश्चित करें, अनियमितता की पुष्टि होने पर संबंधित डीलर पर कठोर कार्रवाई करते हुए उनका अनुज्ञप्ति भी रद्द कर दिया जाएगा।

कॉफ़ी विद एसडीएम : सैनिकों के परिजनों के साथ गढ़वा एसडीएम ने किया संवाद

- संवाद में कई पूर्व सैनिकों की भी रही सहभागिता
- सैनिकों के परिवारों के साथ खड़ा है पूरा समाज और प्रशासन ~ एसडीएम
- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैनिकों के अदम्य शौर्य और साहस को सलाम किया गया

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार की ओर से चलाए जा रहे नियमित साप्ताहिक कार्यक्रम ÷कॉफी विद एसडीएम÷ में आज अनुमंडल क्षेत्र के ऐसे सैनिकों के परिजनों को आमंत्रित किया गया था जो वर्तमान में देश की रक्षा सेवा में बॉर्डर पर या दुर्गम क्षेत्रों में तैनात हैं। आज के इस कार्यक्रम में अनुमंडल क्षेत्र के कुछ ऐसे भूतपूर्व सैनिक भी मौजूद रहे जिन्होंने 1971 के युद्ध या कारगिल के युद्ध में भाग लिया था। इस कॉफी संवाद कार्यक्रम के दौरान सहभागियों ने न केवल अपनी निजी समस्याएं रखीं बल्कि गढवा शहर और जिला की बेहतरी के लिए कई सुझाव भी दिये।

सैनिकों के परिजनों ने रखे विचार:शहर के सहेजना निवासी सूबेदार संतोष पांडेय उरी सेक्टर में तैनात हैं, उनके पिता कैप्टन रामराज पांडे ने आज के कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए महत्वपूर्ण विचार रखे। श्री पांडे ने बताया कि उन्होंने बिहार रेजीमेंट में अपनी सेवाएं दी थीं, उनका बेटा संतोष और भतीजा सूबेदार हरेंद्र पांडे दोनों अभी सीमा पर सेवाएं दे रहे हैं। हरेंद्र पांडे अभी कश्मीर घाटी में कार्यरत हैं, उनका एक भतीजा मनीष पांडेय भी सीमा सुरक्षा बल पूर्वी क्षेत्र के अंतर्गत बांग्लादेश बॉर्डर पर सेवाएं दे रहा है। वे खुद भी कैप्टन के पद से 2001 में सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्होंने 1971 के युद्ध में भाग लिया था। संजय कुमार ने देश की रक्षा में उनके पूरे परिवार के योगदान की सराहना करते हुए उनका अभिवादन किया।

दुबे मरहटिया निवासी श्रीकांत तिवारी वर्तमान में हिसार में हवलदार पद पर सेना में कार्यरत हैं, कार्यक्रम में उनके पिता सूबेदार रामकृष्ण तिवारी ने सहभागिता निभाई। इसी प्रकार पंजाब में भारतीय सेना की 76वीं बटालियन अंतर्गत सीमा पर कार्यरत अनिरुद्ध तिवारी के भाई श्री वशिष्ठ तिवारी में कार्यक्रम में भाग लिया, वे नाहर चौक गढ़वा में निवास करते हैं। कार्यक्रम में पहुंचे सीमा सुरक्षा बल के रिटायर्ड उप निरीक्षक श्यामा चौबे के भतीजे विकास चौबे अंबाला में एयरफोर्स में अपनी सेवाएं दे रहे है, वही पतरिया निवासी रमेश तिवारी के पुत्र संदीप तिवारी असम में एसएसबी में कार्यरत हैं। हूर गांव के निवासी श्री रघुनाथ तिवारी के पुत्र अंकित तिवारी झांसी उत्तर प्रदेश में सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं फरठिया के युधिष्ठिर चौबे के पुत्र पंकज चौबे पंजाब में भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। करकोमा के अतुल तिवारी चंडीगढ़ में एयरफोर्स में तैनात हैं उनके पिता श्री कमलेश तिवारी ने आज के कॉफी संवाद में भाग लिया। अचला निवासी मनोज धर दुबे के पुत्र नीलेश धर दुबे पुणे में कार्यरत हैं, वहीं पंकज दुबे जो कि मध्य प्रदेश में आर्मी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं उनके पिता हरेकृष्ण दुबे ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। उपरोक्त सैनिकों के परिजनों ने एसडीएम संजय कुमार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें बहुत खुशी हो रही है जो प्रशासन ने सैनिकों के परिजनों को इतना महत्व दिया।

सैनिकों के साथ-साथ उनके परिजनों को सलाम ~एसडीएम-संजय कुमार ने उपस्थित सभी अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी जान को दांव पर लगाकर देश की अस्मिता की रक्षा करने वाले सैनिकों का योगदान किसी भी अन्य सेवा से बढ़कर है। उनके परिजन अपने कलेजे के टुकड़ों को दुर्गम स्थानों और विषम परिस्थितियों में जोखिम भरा कार्य करने के लिए खुशी-खुशी इसलिए भेजते हैं कि वे देश के काम आ सकें, ऐसे परिजनों के बीच बैठकर वे खुद को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन तो क्या आज पूरा देश और समाज उनके साथ खड़ा है।

हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय जांबाज सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता पूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए सभी ने सामूहिक रूप से उन्हें सलाम किया। भारत माता की जय एवं वंदे मातरम का सामूहिक उद्घोष किया गया।

भूतपूर्व सैनिकों की भी रही सहभागिता-इस कॉफी संवाद में वर्तमान में तैनात सैनिकों के परिजनों के अलावा कई भूतपूर्व सैनिक भी मौजूद रहे। इनमें से डुमरिया निवासी अजय कुमार तिवारी, अचला नवाडीह निवासी कैप्टन अशोक तिवारी, बोगांसी निवासी सूबेदार रामजी तिवारी, झूरा निवासी सूबेदार जुगल किशोर तिवारी, जाटा के निवासी सुदामा प्रजापति, देवगाना निवासी अभिमन्यु चौबे, गाढ़ा कसना कांडी निवासी गोपाल दुबे आदि ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने न केवल अपनी व्यक्तिगत समस्यायें रखीं बल्कि सैनिक कल्याण की दिशा में भी एसडीएम को कई सुझाव दिए।

इन सभी पूर्व सैनिकों ने कहा कि सैनिक देश सेवा के लिए बने होते हैं, वे राष्ट सेवा से कभी रिटायर्ड नहीं होते हैं, एसडीएम संजय कुमार से उन्होंने अनुरोध किया कि यदि वे चाहें तो सभी पूर्व सैनिक समाज में अपनी कोई भी भूमिका निशुल्क देने के लिए तैयार हैं। *दो शहीद सैनिकों के परिजन भी रहे मौजूद*

एसडीएम के इस अनौपचारिक संवाद कार्यक्रम में अटौला के शहीद आशीष तिवारी के पिता अरविंद तिवारी एवं खोरीडीह के शहीद रामप्रीत ठाकुर की पत्नी श्रीमती संकलिया देवी एवं पुत्र बृजमोहन ठाकुर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। श्रीमती संकलिया देवी ने बताया कि उनके पति की शहादत के बाद भी उन्होंने अपने दोनों बेटों को सेना में भेजा।

रखीं निजी समस्याएं, दिए सुझाव- जुगल किशोर तिवारी, अभिमन्यु चौबे, उषा कुमारी, बृजमोहन ठाकुर, सुदामा प्रजापति आदि ने अपनी निजी समस्याएं रखीं।

उनकी समस्याएं गढ़वा, मेराल, मझिआंव तथा डंडई अंचल एवं एवं एलआरडीसी ऑफिस से संबंधित थीं, संबंधित अधिकारियों को सैनिकों के परिजनों से जुड़ी समस्याओं को यथाशीघ्र निस्तारित करने का निर्देश दिया गया।

पूर्व सैनिक अजय तिवारी, रामराज पांडे य एवं अशोक तिवारी ने सुझाव दिया कि शहर में पूर्व सैनिकों का कोई कार्यालय या क्लब होना चाहिए, इस दिशा में एसडीएम के स्तर से पहले हो। बृजमोहन ठाकुर ने सुझाव दिया कि सेना के शहीदों के नाम से स्मारक बनाया जाए।

सिविल डिफेंस को सक्रिय किया जाए- ज्यादातर पूर्व सैनिकों एवं सैनिकों के परिजनों ने सुझाव दिया कि अन्य राज्यों और जिलों की तरह गढवा में भी सिविल डिफेंस को संचालनात्मक स्थिति में सक्रिय किए जाने की जरूरत है ताकि राष्ट्रीय महत्व के मामलों में नागरिक सुरक्षा से जुड़े लोग अपना स्वैच्छिक योगदान दे सकें।

डीजे एवं अवैध शराब पर कार्रवाई को लेकर एसडीएम की सराहना-बैठक में मौजूद सभी लोगों ने एसडीएम संजय कुमार के द्वारा विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर गंभीरता से किये जा रहे कार्यों की सराहना की, विशेषकर अवैध शराब, अवैध पटाखे और डीजे पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए सभी ने एक स्वर में तालियां बजाकर प्रशंसा की।

एसडीएम ने सभी के पैर छूकर किया अभिवादन-अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि रक्षा करने वाले का स्थान भगवान की तरह होता है, चूंकि सैनिक अपनी परवाह न करते हुए देश की रक्षार्थ काम करते हैं इसलिए उन्होंने सैनिकों के पिता एवं पूर्व सैनिकों के परिजनों के पैर छूकर सभी का अभिवादन किया।

व्यावसायिक प्रतिष्ठान द्वारा किया गया सम्मान-स्थानीय प्रतिष्ठान बाबा कमलेश के प्रोपराइटर कमलेश अग्रवाल ने कार्यक्रम में मौजूद सैनिकों के परिजनों एवं रिटायर्ड फौजियों को अपने स्तर से सम्मान के रूप में उपहार देकर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला प्रोन्नति समिति की बैठक

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय प्रोन्नति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान स्थापना उपसमाहर्ता रीना कुजूर के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित समिति के अन्य सदस्यों को जिला प्रोन्नति समिति के समक्ष आए 7 मामलों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान उनके द्वारा प्रधान लिपिक से कार्यालय अधीक्षक की प्रोन्नति से संबंधित 1 मामला, उच्च वर्गीय लिपिक से प्रधान लिपिक की प्रोन्नति से संबंधित 3 मामले एवं निम्न वर्गीय लिपिक से उच्च वर्गीय लिपिक की प्रोन्नति से संबंधित 3 मामले की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी मामलों पर समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए कर्मियों की प्रोन्नति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, स्थापना उपसमाहर्ता, कार्यालय अधीक्षक सहित अन्य उपस्थित थे।

बालूमाथ के विद्यालयों में मेरा भारत नशा मुक्त भारत के तहत बच्चों को दी गई जानकारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, लातेहार (बालूमाथ)। प्रखंड अंतर्गत संचालित राजकीय कृत 10 + 2 उच्च विद्यालय एवं किड्स विद्यालय में मेरा भारत नशा मुक्त भारत के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों को नशा से मुक्त रहने,नशीली पदार्थ का सेवन करने में होने वाली नुकसान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान बीके किरण बहन बालूमाथ,पूर्णिमा बहन कोडरमा, मंगल भाई गुमला, उत्तम भाई खूंटी, शिव भाई छत्तीसगढ़ एवं सचिता बहन गुमला ने मौजूद विद्यार्थियों को बताया कि स्वस्थ जीवन सुखी जीवन होता है नशा करने से इंसान को स्वास्थ्य में कई तरह का नुकसान और बीमारियां फैलती है। हम सभी को नशा नहीं करते हुए नशा करने वालों को जागरूक्ष करते हुए नशा मुक्त कराना है। आगे उन लोगों ने बताया कि हर घंटे में एक व्यक्ति नशीले पदार्थ के प्रयोग करने से आत्महत्या कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पूरे विश्व में 30 लाख लोगों की मृत्यु शराब पीने के कारण हो जाती है। भारतवर्ष में हर 8 सेकंड में एक व्यक्ति एक दिन में 4750 और 1 वर्ष में 13.5 लाख लोगों की तंबाकू के नशे के कारण मृत्यु हो जाती है। 99 प्रतीशत मुंह का कैंसर तंबाकू के सेवन करने से होता है। एक बीड़ी या एक सिगरेट का सेवन आपकी आयु को 11 मिनट तक काम कर देता है और 90 प्रतीशत फेफड़े का कैंसर इसके कारण होता है। इसमौके पर उच्च विद्यालय के प्राचार्य रूबी बानो सहित कई शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन रामगढ़ की बैठक गीता स्वामी टैक्स एकेडमी झंडा चौक के सभागार में आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रामगढ़। कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन रामगढ़ की एक आवश्यक बैठक रामगढ़ महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या डॉ शारदा प्रसाद की अध्यक्षता में गीता स्वामी टैक्स एकेडमी झंडा चौक के सभागार में आयोजित की गई। अध्यक्ष डॉ शारदा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर प्रणीत कुमार, सचिव ने विगत बैठक में लिए गए। निर्णय को पढ़कर सुनाया तथा उसकी संपुष्टि की गई। नए सदस्यों प्रो. उत्तम कुमार, श्री धनंजय कुमार पुटुस का स्वागत किया एवं सभी का परिचय दिया गया। बैठक में रामगढ़ महाविद्यालय में नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) से संबंधित विचार-विमर्श किया गया। रामगढ़ महाविद्यालय में नैक एक्रीडिटेशन का यह तीसरा चक्र है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अधिक से अधिक नए सदस्यों को एसोसिएशन में जोड़ा जाए। सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन की एक पत्रिका प्रकाशित की जाए। सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये तथा महाविद्यालय के लिए सकारात्मक सहयोग करने के लिए कृत संकल्पित हुए। बैठक में सुरेश पी अग्रवाल, प्रो. तारा शंकर अग्रवाल, सुंदरलाल, प्रोफेसर भारत भूषण श्रीवास्तव, प्रो. उत्तम कुमार, मनोज कुमार झा, धनंजय पुटुस, उमा सेन गुप्ता, अंजू शर्मा इत्यादि सदस्यों की सहभागिता रही। अंत में संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पी अग्रवाल के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

आकाश इंस्टीट्यूट ने धनबाद के बैंक मोड़ में नए केंद्र का किया शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) जो की नीट एवं जेईई जैसे परीक्षाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी सेवा संस्थान ने धनबाद के बैंक मोड़ में आज अपने नए केंद्र का शुभारंभ किया। आकाश इंस्टीट्यूट के नाम से प्रचलित इस केंद्र का उद्घाटन आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड के झारखंड-बिहार के सहायक निदेशक डॉ.नवीन गुप्ता ने फीता काटकर किया। संस्था में क्लास रूम सेंटर मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देते हुए नीट एवं जेईई कोचिंग के साथ-साथ यह केंद्र ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए फाऊंडेशन लेवल कोर्स भी प्रदान करेगा। जिससे छात्रों की अकादमी नींव और अधिक मजबूत की जा सकेगी ।इस नए केंद्र का उद्घाटन के अवसर पर डॉ नवीन गुप्ता ने कहा कि बहुत कम समय में धनबाद में हमारी यह संस्थान काफी आगे बढ़ी है। उन्होंने बताया कि नीट एवं जेईई उत्कृष्ट प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास से लैस करने के लिए केंद्र में अनुभवी फैकल्टी, व्यापक अध्ययन सामग्री और ऐसी शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगी कि छात्रों की पूरी क्षमता का उजागर करने में मदद प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि एईएसएल भारत में 400 केंद्रों का नेटवर्क है जिसमें 4 लाख छात्र नामांकित हैं और यह कंपनी 35 वर्षों से एक मजबूत बाजार स्थित और ब्रांड वैल्यू स्थापित की है। इसके कार्यक्रम लचीले होते हैं और इसकी शिक्षण विधियां नवीनतम तकनीकी पर आधारित होती है ताकि छात्र अपनी परीक्षाओं के लिए अच्छी तरह से तैयार हो सकें। मौके पर संस्थान के तमाम फैकेल्टी और अन्य कर्मी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थें।

उपायुक्त ने जल जीवन मिशन व जलापूर्ति तथा स्वच्छता योजना समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की

पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करें जल जीवन मिशन से संबंधित कार्य - उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त, नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन एवं जलापूर्ति तथा स्वच्छता योजना समेत विभिन्न योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलापूर्ति योजना के क्रियान्वयन, पेयजल समस्या के निराकरण और जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पेयजल समस्या का त्वरित निराकरण करने का निर्देश दिया। इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत सभी गांवों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य संस्थानों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर पेयजल की संचालित योजनाओं में आ रही समस्याओं की जांच कर उचित सामाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पानी की किल्लत न हो, लोगों को सुगम रूप से जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए कार्य करें। साथ ही क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाए जाने वाले खराब चापाकलों/नलकूपों की जल्द से जल्द मरम्मती सुनिश्चित कराएं। बैठक में पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्य, पेयजल स्रोतों की स्थिति, पानी टंकी की स्थिति, मरम्मत कार्य आदि से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। प्रखंडवार ओडीएफ प्लस सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रखंडवार विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही ज्यादा से ज्यादा ओडीएफ प्लस सरंचनाओं यथा सामुदायिक सोकपिट, कम्पोस्ट पीट, स्वच्छता प्रबंधन करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को बेहतर प्रबंधन के साथ पेयजलापूर्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिया। वहीं बैठक में उपायुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को लेकर किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की। बैठक में अपर समाहर, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, उप नगर आयुक्त, नगर निगम, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, गिरिडीह जिला, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बड़की सरैया/धनवार, सभी सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन, नकली शराब व स्प्रीट जब्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, लातेहार। पुलिस ने अवैध शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री का उदभेदन किया है। यह कामयाबी पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली इनपुट पर मनिका थाना पुलिस ने हासिल किया है। मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 13 मई की रात पुलिस ने मनिका थाना क्षेत्र के चामा सेवन गांव में छापेमारी की गई। छापामारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नकली शराब, स्प्रीट और शराब निर्माण में प्रयुक्त किये जाने वाले सामग्री बरामद किया। बरामद सामग्री में विदेशी शराब रॉयल स्टेग की क्वार्टर की 341 और हाफ की 531 बोतल के अलावा लगभग 200 लीटर स्प्रीट, 2000 खाली बोतल और विभिन्न ब्रांड के स्टीकर जब्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में बरवैया के रहने वाले राहुल प्रसाद, पिता बिरेन्द्र प्रसाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से पांच मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। इस छापामारी में थाना प्रभारी शशि कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार, आरक्षी रामाश्रय पासवान, विशेष कुमार सिंह, सहायक आरक्षी पप्पू यादव और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जांच शिविर का हुआ आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यकम के अन्तर्गत आज दिनांक 14.05.2025 को सिविल सर्जन, रामगढ़ डॉ महालक्ष्मी प्रसाद एवं जिला नोडल पदाधिकारी राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम डॉ0 तुलिका रानी, के द्वारा संयुक्त नेतृत्व में महात्मा गांधी हाई स्कूल भुरकुंडा पतरातु में एक दिवसीय जांच शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में विद्यालय के पानी के सैंपल में भी फ्लोराईड की जाँच की गयी।कुल मिलाकर 99 बच्चे की जाँच Dr. Pallvi Kaushal, District Consultant एवं CHO के द्वारा की गई। कुल 19 बच्चों में जॉच उपरान्त लक्षण पाए जाने पर उनके पेशाब का सैंपल लेकर L.T श्री जीतेन्द्र कुमार के द्वारा जॉच उपरान्त 9 बच्चों में इस बिमारी कि पुष्टि हुई।

शिविर में जॉच के साथ-साथ Fluorosis बीमारी से संबंधित जानकारी भी बच्चों व स्कुल के स्टाफ को दी गई। Dr. Pallvi Kaushal के द्वारा बताया गया कि Fluorosis बीमारी पीने के पानी में अधिक मात्रा में पाये जाने वाले Fluoride तत्व के कारण होती हैं व साथ ही साथ सेंधा नमक, काला नमक, लाल चाय के सेवन से भी Fluorosis की बीमारी की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि सभी को अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जीयां, खटटे फल जैसें - संतरा, निबू, आवला एवं दूध से बने पदार्थ खाने की सलाह दी, जिससे की शरीर में स्र्द्यह्वश्रह्द्बस्र्द्ग इक्टठा नही होता हैं। उनके द्वारा यह भी बताया कि सदर अस्पताल, रामगढ़ में निःशुल्क कोई भी अपने पीने के पानी एवं पैशाव में Fluorosis बीमारी की जाँच करवा सकता हैं।

इस शिविर को सफल बनाने हेतु उस क्षेत्र की सी0एच0ओ0, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

आम बागवानी को लेकर गड्ढा खोदो अभियान शुरू

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,लातेहार। मनिका प्रखण्ड क्षेत्र के पोखरी गांव में बुधवार को ललिता देवी के जमीन में बिरसा हरित आम बागवानी योजना की शुरुआत की गई। इसके तहत आम का पौधा लगाने के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकरी संदीप कुमार व बीपीओ संतोष कुमार की उपस्थिति में खेत में गड्ढा खुदाई का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकरी संदीप कुमार ने किसानों को बताया कि बिरसा हरित आम बागवानी योजना किसानों के लिए लाभकारी है। प्रखण्ड के सभी पंचायतों में इस योजना की शुरुआत की जा रही है। इसके तहत न्यूनतम 50 डिसमिल में मनरेगा योजना के तहत 112 आम के पौधे लगाए जाएंगे। 3 वर्षों तक उसकी देखरेख मनरेगा के तहत ही की जाएगी। बताया कि सभी पंचायतों में इसकी शुरुआत की जानी है। उन्होंने कहा कि इच्छुक किसान जिनके पास सिंचाई सुविधा हो योजना का लाभ उठा सकते हैं। बीपीओ संतोष कुमार ने कहा कि आम बागवानी योजना से ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है। किसान फलदार वृक्ष को आजीविका का साधन मान रहे हैं। कहा कि प्रत्येक पंचायत में बागवानी लगाना है जिसमें एक व्यक्ति के नाम पर 1 एकड़ तक भूमि में यह योजना को क्रियान्वित करना है। मौके पर रोजगार सेवक मुकेंद्र राम समेत कई लोग उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में डुमरी में पेय जल संकट गहराया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

डुमरी। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी में डुमरी प्रखण्ड अंतर्गत इसरी, डुमरी,खुरजियो,चेगरो आदि विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। हालांकि बीच बीच में बारिश हो जाने से जलस्त्रोतों का स्त्रोत काफी नीचे नहीं गया है अन्यथा क्षेत्र के लोग ना सिर्फ पेयजल आपूर्ति के लिए परेशान होते बल्कि उन्हें स्नान करने,जानवरों को पिलाने व कपड़ा धोने का भी पानी नसीब नहीं हो पाता।

एक ओर बढ़ती गर्मी से जल स्त्रोत का सूखना शुरू हो गया है तो दूसरी ओर क्षेत्र के एकमात्र नदी जमुनिया का वैध व अवैध तरीके से खनन उत्खनन किये जाने से उसके अस्तित्व पर ख़तरा पैदा हो गया है। एक ओर आसपास के ईट भट्ठा संचालकों द्वारा नदी के किनारे मिट्टी का कटाव कर उसे ले जाया जा रहा है। तो दूसरी ओर बालू व्यापार करने वाले लोगों द्वारा नदी को खरोंच खरोंच कर बालू को ट्रैक्टरों से ढोकर ले जाया जा रहा है। क्षेत्र में हो रहे ऐसे जायज नाजायज काम पर रोक लगाने हेतु न ही किसी अधिकारी ने कदम उठाया है और ना ही क्षेत्र के किसी जनप्रतिनिधि ने इसके लिए कोई प्रयास की है। करिहारी पहाड़ी के समीप स्थित डुमरी जामतारा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना बीते लगभग दो वर्षों से बंद पड़ा है। क्षेत्र के लोगों ने सरकार से यह मांग की है कि वह त्वरित कार्रवाई कर पेयजल समस्या से जूझ रहे आम जनता को राहत दिलाए व लोगों की प्यास बुझाए।

ज्ञात हो कि क्षेत्र की जमुनिया नदी के अस्तित्व पर ही संकट का बादल मंडरा रहा है।एक समय था जब जमुनिया नदी में वर्ष भर जल कल-कल कर बहती रहती थी और ग्रामीण सुबह इसके तट पर सुबह शाम सैर करते थे तथा पूरे इलाके को पर्याप्त जल नसीब होता थालेकिन आज इसकी हालत ऐसी हो गई है कि यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि यह नदी है या फिर सूखा मैदान। क्षेत्र के अधिकांशतः हैंड पंप और कुओं में जलस्त्रोत काफी नीचे चला गया है

इस बाबत चेगरो के लालेश्वर महतो, खुरजियो के बिरेंद्र यादव, जामतारा के महेन्द्र मंडल, डुमरी के महेन्द्र बिंद, इसरी के देवेश कुमार देव, अतकी के दीपक श्रीवास्तव, लक्ष्मणटुण्डा के गंगाधर महतो आदि ने सरकार व पेय जल स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से जमुनिया नदी का अस्तित्व बचाने व पेयजल संकट गहराने के पूर्व खराब चापानलों के मरम्मत कराने एवं पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

हिरणपुर पुलिस को मिली कामयाबी, अवैध कोयला से लदी 7 बाइक को किया जब्त

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। बुधवार सुबह - सुबह हिरणपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। गुप्त सूचना के आधार पर उन्होंने अवैध चोरी किए गए कोयले से लदी 7 बाइक जब्त किया। सुबह करीब 6ः00 बजे हिरणपुर थाना क्षेत्र के ऊपरबाधा गाँव में हिरणपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान 4 बाइक को जब्त किया एवं कुछ देर बाद 8ः00 बजे महारो गांव में छापामारी कर 3 बाइक कोयला लदे बाइक पकड़ा गया, जिन पर अवैध रूप से चोरी किया गया कोयला लदा हुआ था। हालांकि कोयला चोर पुलिस को देखते ही बाइक छोड़कर भाग गए। इस पूरी कार्रवाई में हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार, एएसआई गौरी शंकर, गोबिंद कुमार, किशोर टुडू, दिलिप कुमार, यासिन अंसारी, तफिजुदीन अंसारी शामिल थे।हिरणपुर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि अवैध कोयला चोरी पर पूर्णतः रोक लगाई जाएगी और आगे भी इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी।

किसानों के बीच चलित सोलर पम्प का किया गया वितरण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना किसान समृद्धि अंतर्गत जिला के सभी प्रखंडों से 14 किसानों के बीच 2 एचपी चलित सोलर पंपसेट का वितरण सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव के द्वारा संयुक्त जिला कृषि भवन परिसर में किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सिंचाई हेतु डीजल एवं पेट्रोल इंजन पर किसानों की निर्भरता को कम करना तथा खेती की लागत में कमी लाना है। इस चलित सोलर पंपसेट इकाई का किसान अपने घरेलु उपकरणों, जैसे- आटा, चक्की, थ्रेसर आदि को चलाने में कर सकते हैं। किसान व्यक्तिगत या समूह के माध्यम से 10 प्रतिशत अंशदान देकर किसान समृद्धि योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पाकुड़ जिला को उक्त योजना अंतर्गत 161 चलित सोलर पम्पसेट के वितरण का लक्ष्य प्राप्त है। वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रभारी उप परियोजना निदेशक सह तकनीकी सहायक सपन सोनल तिर्की, बीटीएम शमीम अंसारी, एटीएम मो जुमैद, एटीएम पाकुड़ नीलम श्रीवास्तव एवं एटीएम लिट्टीपाड़ा रामेश्वर मुर्मू आदि उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने किया विभिन्न खाद्य दुकानों की जांच

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। बुधवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेंब्रम ने शहर के हरिणडांगा बाजार, धुलियान रोड, एवं कलिकापुर स्थित विभिन्न रेस्टोरेंट, मिठाई एवं रिटेल दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य पदार्थ बनाने में इस्तेमाल किया जा रहे पानी के नियमित जांच करवाने का निर्देश दिया तथा फुड ग्रेड पैकेजिंग सामग्री का प्रमाण पत्र, कीट नियंत्रण प्रमाण पत्र, व्यक्तिगत स्वच्छता, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं रिकॉर्ड मेंटेन करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में जांच हेतु सात खाद्य नमुना संग्रह किया गया। अमित कुमार दास के प्रतिष्ठान में फूड लाइसेंस डिस्प्ले नहीं किया हुआ पाया गया जिसे तुरंत डिस्प्ले करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि पैकेज खाद्य सामग्री खरीदते समय एफएसएसएआई नंबर, मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट अवश्य जांच लें।

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पेय व ओआरएस का घोल जरूरी –न्यायाधीश

डालसा के टीम ने लोगों के बीच ओआरएस घोल का किया वितरण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, धनबाद। बढ़ती गर्मी एवं तपिश के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बुधवार को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक और नया काम किया प्राधिकार के चेयरमैन सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर डालसा की टीम ने शहर के रणधीर वर्मा चौक, सिटी सेन्टर पर लोगों के बीच ओआरएस घोल का वितरण किया। इस मौके पर अवर न्यायाधीश सह डालसा सचिव मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि झालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश के आलोक में ओआरएस घोल वितरण का कार्यक्रम शुरू किया गया है, यह कार्यक्रम अभी जब तक गर्मी है तब तक जारी रहेगा। इस मौके पर न्यायाधीश मयंक ने कहा कि गर्मी में सबसे अधिक डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि तरल पेय व ओआरएस का घोल लेते रहे। आपात स्थिति में बचाव के लिए भी ओरआरएस के पैकेट घर पर रखें। चिकित्सक डॉ.राजीव सिंह ने कहा कि ओरल डिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) की मदद से दस्त के दौरान शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को पूरा करता है। अधिक पसीना आने की स्थिति में भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा संतुलित रखने के लिए ओआरएस का घोल दिया जाता है। गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों से सावधानी से बचा जा सकता है। बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। पानी की कमी होने से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक नीरज गोयल, पारा लीगल वॉलिंटियर हेमराज चौहान, राजेश सिंह, चंदन कुमार, डिपेंटी गुप्ता, गीता सिंह, अनामिका सिंह, रमेश कुमार, चंदन कुमार, सोनू सिंह,विशाल कुमार, नवीन कुमार, रमेश कुमार, बापी कुमार मंडल, श्याम झा, गीता सिंह, डालसा सहायक अरूण कुमार, सौरव सरकार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सिंचाई कूप निर्माण में बरती गयी है घोर अनियमितता, फैला है भ्रष्टाचार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, साहेबगंज। बरहरवा प्रखंड के पथरिया पंचायत इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है।चर्चा किसी कल्याणकारी योजनाओं में भलाई या अच्छाई की नहीं अपितु भ्रष्टाचार से सम्बन्धित है।बताते चलें की पथरिया पंचायत में भवेस साह की जमीन पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिरसा सिंचाई कूप निर्माण कराया गया है।लेकिन इस सिंचाई कूप में ढंग से कार्य न होने के कारण कूप धंसने लगे हैं एवं दरार पड़ रहे है। जगह जगह पर फटने लगा है। कुछ टूट कर गिर भी गया ऐसा प्रतीत होता है जैसे योजना के नाम पर खानापूर्ति की गई हो। योजनाओं को जैसे तैसे पूरा कर सरकारी राशि की निकासी कर बंदर बांट किया गया है।संबंधित कर्मियों को जनता के हितों का ध्यान नहीं अपितु सिर्फ उन्हें अपनी जेबें गर्म करनी है।भ्रष्टाचार के इस खुले खेल में ना तो संबंधित अधिकारियों

का ध्यान है और ना ही जनप्रतिनिधियों का। जिसका फायदा मुखिया,पंचायत सचिव तथा रोजगार सेवक,विचौलिया जैसे कर्मी उठाते हैं,तथा जनता को ठगने का काम करते है।यही क्रम चलता रहा तो बरहरवा प्रखंड का नाम विकास में नहीं अपितु भ्रष्टाचार में सबसे उपर आएगा।योजनाओं की स्वीकृति से लेकर क्रियान्वन तथा उसके पूरे होने तक इसकी मॉनीटरिंग की जवाब देही संबंधित अधिकारी की होती है।लेकिन यदि इस योजना में गड़बड़ी हुई तो कहीं ना कहीं इसके लिए संबंधित अधिकारी भी उतना ही दोषी है।मनरेगा कार्यो में ऐसा भ्रष्टाचार कहीं ना कहीं जांच का विषय है।यदि इस पर उचित तरीके से जांच की जाए तो भ्रष्टाचार की कई परतों का खुलासा हो सकता है।साथ ही साथ जनता के हक तथा अधिकारों से वंचित करने वाले ऐसे कर्मी तथा बिचौलियों को एक सबक मिल सकता है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर भद्दी टिपण्णी को लेकर मंत्री विजय शाह पर दर्ज किया जाय देशद्रोह का मामला- दानियल किस्कू

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। कर्नल सोफिया कुरैशी मामला को लेकर झामुमो के वरिष्ट कार्यकर्ता दानिएल किस्कू ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी, बेहद शर्मनाक है, बीजेपी मंत्री विजय शाह को मंत्री मंडल से बर्खास्त करते हुए तत्काल देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। भारतीय सेना पर गर्व और ऑपरेशन सिंदूर की नायिका कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी ने राजनीति में भूचाल ला दिया है। दानिएल किस्कू ने कहा कि भारतीय सेना को और हौसला देने की आवश्यकता थी।देश की शान हैं कर्नल सोफिया कुरैशी। उन पर इतनी भद्दी टिप्पणी बेहद शर्मनाक है। ऐसे बयानों पर भी जीरो टॉलरेंस की जरूरत है। अब सेना का सम्मान न छीनोङ्ककर्नल किसी धर्म की नहीं, भारत देश की होती हैं। उन्होंने कहा कि भाषा की मर्यादा, शब्दों की गरिमा और सभ्यता की सारी सीमाएं लांघते हुए बेशर्म मंत्री विजय शाह ने घिनौना और शर्मनाक बयान दिया है।देश की शान, हमारी वीर बहादुर अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान पूरे भारत की नारी शक्ति का अपमान है। यदि भाजपा में थोड़ा सा भी देश प्रेम शेष हो और उसे नारी सम्मान की परवाह है तो ना सिर्फ विजय शाह से तुरंत इस्तीफा लेना चाहिए, बल्कि उस पर तत्काल देशद्रोह और नारी शक्ति के अपमान के लिए मामला दर्ज होना चाहिए।

बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की कर दी हत्या

गया, एजेंसी। गया में मंगलवार को 2 बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घर में लाठी-डंडे से तीनों ने बुरी तरह से पीटा। पिटाई से पहले घर में काफी बहस हुई थी। बात इतनी बढ़ गई कि तीनों ने मिलकर शख्स को मार डाला। पुलिस की पूछताछ आरोपी बेटे ने बताया कि घरेलू विवाद में अपने पिता की हत्या की है। हालांकि सूत्रों के अनुसार पता चला है कि मृतक राज कुमार दास (55) का किसी महिला से अवैध संबंध था। राज कुमार घर महिला के साथ था। बेटे और पत्नी ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। कहासुनी के बाद राज कुमार की हत्या कर दी। 14 मई को राजकुमार के छोटे बेटे अजीत दास की शादी तय है। इसी वजह से सोमवार की रात पूरा परिवार गांव आया था, पर घर में घुसते ही पिता का अवैध संबंध का खुलासा हो गया। घटना अतरी थाना इलाके के मफा टांड़ गांव की है।

17 साल से अकेला रह रहा था राजकुमार : बताया जा रहा कि राजकुमार 17 पहले दिल्ली में रहता था। उसके बाद से वो गांव में अकेले ही रहता था। पिछले 5 महीने से राजकुमार का अवैध संबंध चल रहा था। राजकुमार की पत्नी नीरा देवी (52), तीन बेटे सुबोध दास (35), सुधीर दास (32) और अजित दास दिल्ली में ही रहते थे। सुबोध बड़ा बेटा था और दूसरे नंबर पर सुधार दास था। दोनों की शादी हो चुकी है। वारदात के वक्त दोनों बेटों की पत्नियां भी थी। जो वारदात के बाद से फरार हैं। इसके अलावा छोटा बेटा अजीत फरार बताया जा रहा।

पुलिस के आने से पहले आरोपी फरार हो गए : हत्या मंगलवार की सुबह में हुई है। घर में काफी शोर हो रहा था। आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इस बात की भनक आरोपियों को लग चुकी थी। पुलिस आती उससे पहले ही सभी फरार हो गए। राज कुमार की लाश घर में पड़ी हुई थी। मौके पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार मौके पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया भेजा दिया गया। घटना के 2 घंटे के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अतरी थाना में केस दर्ज कराया गया है।

एसपी आनंद कुमार ने एसडीपीओ नीमचक बथानी के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई। टीम में खिजरसराय के अंचल निरीक्षक, अतरी थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। एफएसएल और टेक्निकल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एसडीपीओ प्रकाश कुमार ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण किया। तुरंत टीम को गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की और तीन आरोपियों को पकड़ लिया। मुख्य आरोपी सुबोध दास ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि मृतक उसके पिता थे। घरेलू विवाद को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर मां और भाई के साथ मिलकर पिता को पीट दिया। पिटाई इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

आरा में हथियार के साथ चार लड़के पकड़ाए

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में अवैध हथियार के साथ वीडियो रील बनाना 4 लड़कों को महंगा पड़ गया। आरा टाउन थाना क्षेत्र की पुलिस ने कार्रवाई कर देसी पिस्तौल व चार मोबाइल के साथ चार नाबालिग लड़कों को धर दबोचा। अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के बयान पर पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पकड़े गए चार लड़कों की उम्र 16 से 17 साल के आसपास है। टाउन थाना के कसाब टोला निवासी एक किशोर का दोनों हाथ में दो-दो पिस्टल लिए एक वीडियो रील इंटरनेट पर वायरल हुआ था।

पुलिस ने छापेमारी कर नाबालिग को पकड़ा : वीडियो थानाध्यक्ष देवराज राय को भी मिला था। इस दौरान पुलिस ने जेल रोड धर्मशाला के पास छापेमारी कर रील बनाने वाले किशोर को धर दबोचा। पूछताछ करने पर भलुहीपुर, कसाब टोला, नाजीरगंज और रौजा मोहल्ला के चार अन्य लड़कों की टीम होने की बात सामने आई है। यह भी बताया कि हथियार दिखाकर नकदी व मोबाइल छीनने का काम करते है। प्रसारित वीडियो में दिख रहे दोनों पिस्टल के बारे में पूछे जाने पर भलुहीपुर के एक लड़के का है। एक देसी कट्टा रौजा मोहल्ला के लड़के के पास है। जिसे रखने के लिए कसाब टोला के लड़के को दिया है। टीम ने कसाब टोला में छापेमारी कर कम उम्र के दोनों लड़कों को धर दबोचा। देसी कट्टा के संबंध में पूछे जाने पर नाजीरगंज के लड़के के पास होने की बात बताई। टीम ने अहिरपुरवा में छापेमारी कर देसी कट्टा के साथ उसे धर दबोचा गया। जबकि, भलुहीपुर निवासी लड़का घर से फरार हो गया। वीडियो में दिख रहा दोनों पिस्टल नहीं मिला। इसे लेकर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत पांच के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा कर उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार ने बुधवार को टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा किया। बैठक में वर्ष 2025 तक टीबी को खत्म करने के लक्ष्य को प्राप्त करने पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी गांव में इसके लक्षण तथा बचने के उपाय का प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला में टीबी को वर्ष 2025 में ही जड़मूल से खत्म करने के लिए अथक प्रयास करने की आवश्यकता है जिसके लिए सरकार व जिला प्रशासन द्वारा पीड़ित को हरसंभव मदद की जा रही है। उपायुक्त ने सभी टीबी मरीजों का महीना वार उपचार का डाटा का मांग किया। उनके द्वारा निर्देश दिया गया कि जो भी ऑन ट्रीटमेंट मरीज हैं उनका एरिया चिन्हित कर सूची बनाया जाए। पिछ्ले वर्ष के टीवी मरीजों का पॉजिटिविटी रिपोर्ट तैयार किया जाए। पिछ्ले 5 वर्षों में टीवी मरीज किस-किस क्षेत्र से आए हैं उनका एरिया को चिन्हित किया जाए। टीवी मरीजों का किस-किस महीने का डीबीटी भुगतान हुआ है महीना वार सूची बनाया जाए। साथ ही सभी टीबी मरीजों का शत प्रतिशत डीबीटी के माध्यम से भुगतान करना सुनिश्चित किया जाय। जनभागीदारी के तहत सौ दिवसीय टीवी मुक्त भारत अभियान को बेहतर तरीके से शुभारंभ किया जाए ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

रोजगार मेला के आयोजन को लेकर उपायुक्त ने किया बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में श्रम अधीक्षक कार्यालय एवं नियोजन कार्यालय के पुरे टीम के साथ संयुक्त रूप से बैठक आयोजित की गई जिसमें नियोजन पदाधिकारी को दिनांक- 25.05.2025 को कृषि उत्पादन बाजार समिति प्रांगण में रोजगार मेले का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक कार्यालय को निर्देश दिया गया कि सभी योजनाओं एवं अधिनियमों की विस्तृत विवरणी के साथ पीपीटी तैयार कर शुक्रवार को दिखाया जाय।

वृद्धा आश्रम में उपायुक्त ने मनाया मदर्स डे

● सामाजिक संस्था एवं एनजीओ से किया आश्रम में सहयोग प्रदान करने का अनुरोध

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को टुंडी स्थित लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम में मदर्स डे मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम की बुजुर्ग महिलाओं के साथ केक काटा और उन्हें खिलाकर मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। आश्रम की बुजुर्ग महिलाओं ने भी उपायुक्त को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आश्रम में महिलाओं को प्रसन्नचित्त देखकर बहुत खुशी हो रही है। उनकी हर समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासन और संस्था रुचि लेती है। प्रशासन को जो भी समस्या की जानकारी मिली है उसका समाधान किया जा रहा है।

उपायुक्त ने कहा कि इन माता पिता का ख्याल रखना सक्षम एवं सबल लोगों का दायित्व है। उन्होंने जिले की सभी सामाजिक संस्था एवं गैर सरकारी सगठनों से आगे बढ़कर आश्रम में सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने कहा कि छोटा योगदान ऐसे कितने माता-पीता की जिंदगी संवारने में काम आएगा।

उपायुक्त ने आश्रम संचालकों को बुजुर्गों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कराने और उनका ख्याल रखने का भी अनुरोध किया। वहीं आश्रम पहुंचने पर उपायुक्त का पुष्प गुच्छ भेंट कर तथा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। मौके पर टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय, अंचल अधिकारी जितेंद्र प्रसाद, आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी, कोषाध्यक्ष प्रशांत वर्मा, डॉ.डी.शरण, सह सचिव सुरेन्द्र यादव, कार्यकारी अध्यक्ष बी.सुधीर, रवि शेखर सिंह, ओमकार मिश्रा, दीपक सोनी के अलावा बड़ी संख्या में आश्रम के बुजुर्ग मौजूद थे।

अस्पताल आने वाले लोगों को दें बुनियादी सुविधाएं- उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, धनबाद। धनबाद उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में जिला चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने सिविल सर्जन को सदर अस्पताल में कर्मियों की कमी दूर करने के साथ-साथ अस्पताल आने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एएनएम, लैब टेक्नीशियन, नर्स, फार्मासिस्ट समेत कुल 18 प्रकार के पदों के लिए संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की गाइडलाइन का पालन करते हुए चयन प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सदर अस्पताल में एक फिजियोथेरेपिस्ट की भी नियुक्ति करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रसव के बाद महिलाओं को फिजियोथेरेपिस्ट की जरूरत पड़ती है। फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध रहने से उन्हें बहुत लाभ पहुंचेगा। बैठक में एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, सिविल सर्जन डॉ.चंद्रभानु प्रतापन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

Office of the Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Khunti (District Planning Office)

Letter No.: 263 **Date: 14.05.2025**

NOTICE INVITING OF REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)

Sub :- Invitation of Request for Proposal for "Establishment of STEM (Science, Technology, Engineering and Mathematics) Lab and its services in Six (6) Govt. Schools of Khunti District Jharkhand under Innovative Jharkhand Scheme".

District Planning Office, Khunti invites technical and financial consulting firms of repute for **"Establishment of STEM (Science, Technology, Engineering and Mathematics) Lab and its services in Six (6) Govt. Schools of Khunti District Jharkhand under Innovative Jharkhand Scheme"** in Khunti District.

S.No.	Particular	Details
1.	Date of Publication of Tender	**15.05.2025**
2.	Last date of Submission of Bid	**31.05.2025**
3.	Date & Time of Opening of Bids	The technical & financial bid will be opened on **02.06.2025, 03:30 PM** for evaluation.
4.	Name and address of office invitingtender	Office of The District Planning Officer, National Highway 75, DC Office, Martin Bunglow Area, Khunti, Jharkhand 835210
5.	Bid submission Place	District Planning Office, Ground Floor, Vikash Bhawan, Khunti

Note :- For further details please visit https://www.khunti.nic.in.

Sd/-
Deputy Commissioner, Khunti.

PR.NO.352395 District(25-26):D

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर में 19 मई तक मिलेगी गर्मी से राहत, बन रहा वर्षा का माहौल

गोरखपुर, एजेंसी। भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिले में वर्षा की वायुमंडलीय परिस्थितियां बनने लगी हैं। इन परिस्थितियों के आधार पर मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय 19 मई को आंधी और गरज-चमक के बीच वर्षा का पूर्वानुमान जता रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप तीन से चार दिन के लिए तापमान में गिरावट की उम्मीद बता रहे हैं। मौसम विज्ञानी के अनुसार मौसम में बदलाव का प्रभाव 17 से 18 मई के बीच दिखने लगेगा। 19 से 20 मई के बीच वर्षा के रूप में यह सामने आने लगेगा। 21-22 को हल्की से मध्यम वर्षा रिकार्ड होगी। इस वर्षा से अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान भी तीन से चार डिग्री गिरेगा। ऐसा पूर्वोत्तर भारत में बने निम्नवायुदाब क्षेत्र के चलते होगा। उधर बीते पांच दिन से शुरू हुई प्रचंड गर्मी मंगलवार को भी जारी रही। लगातार चौथे दिन शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकार्ड हुआ। आर्द्रता बढ़ने के चलते लोगों को रिकार्ड तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस की अधिक की गर्मी का अहसास हुआ।

रिटायर्ड असिस्टेंट रजिस्ट्रार से 49 लाख की ठगी

वाराणसी, एजेंसी। पटना हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुभाष चंद्र को डिजिटल अरेस्ट करके साइबर ठगों ने 49.4 लाख रुपये ठग लिए। इस मामले में साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है।
पुलिस को दी गई तहरीर में सुभाष चंद्र ने बताया कि महमूरगंज के कृष्णा अपार्टमेंट में रहते हैं।

छह मई को उनके मोबाइल पर काल आई। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई का कर्मचारी बताते हुए मोबाइल सिम डिएक्टिव होने की जानकारी दी। उसने खुद को साइबर क्राइम अधिकारी राकेश कुमार बताया। इसी दौरान सीबीआई ऑफिसर राजीव रंजन कुमार बनकर एक व्यक्ति ने बात की। सुबह सवा नौ बजे से दोपहर दो बजे तक बात करता रहा। सुभाष को बताया कि नरेश गोयल मनी लांड्रिंग केस में उसका नाम आ रहा है। उनके नाम से एक सिम मुंबई से खरीदा गया है जिसका दुरुपयोग मनी लांड्रिंग के लिए किया जा रहा है। नरेश गोयल ने उसे कमीशन दिया है।
इस दौरान साइबर ठग सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश बीआर गवई बनकर गिरफ्तार करने का डर दिखाया। पटना के बैंक खाते में रखे रुपयों को वाराणसी के बैंक खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा।

लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस की खाली एसी बोगी में शार्ट-सर्किट से लगी आग

वाराणसी, एजेंसी। कैंट स्टेशन स्थित प्लेटफार्म नंबर 11 पर मंगलवार की शाम शार्ट सर्किट से लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस के एसी चेयर कार (सी - 1) में आग लग गई। थोड़ी ही देर में बोगी के अंदर धुआं भर गया। सायरन बजने से अलर्ट रेलकर्मियों ने समय रहते वाटर हाइड्रेंट और फायर एक्सटिंग्यूसर की मदद से आग बुझा दिया। ट्रेन अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान की। गाड़ी संख्या -24203 वाराणसी - लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस का खाली रैक प्लेटफार्म नंबर -11 पर खड़ा था। ट्रेन प्रस्थान करने से घंटों पूर्व शाम चार बजे एसी चेयर कार (सी - 1) में पावर देकर चार्जिंग की प्रक्रिया चल रही थी।

सीएम योगी बोले : सेंध लगाई तो नहीं मिलेगा जनाजे में रोने वाला

यूपी में दो हजार फीट लंबी तिरंगा यात्रा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले के जनाजे में भी कोई रोने वाला नहीं होगा। पिछले कई दशक से पाकिस्तान सिर्फ आतंकवाद का बीज बोने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आएगा कि पाकिस्तान को ही आतंकवाद निगल चुका होगा, आज पाकिस्तान पूरी तरह से खोखला हो चुका है। दुनिया ने देखा, पाकिस्तान के मंत्री व सैन्य अधिकारी कैसे आतंकवादियों के जनाजे में शामिल हो रहे हैं?

मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर बुधवार को आयोजित भारत शौर्य तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 22 अप्रैल 2025 को हुई पहलगाम घटना के सारे प्रमाण देने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सौ से अधिक आतंकवादियों को भारत की तीनों सेनाओं ने अपने पराक्रम का लोहा मनवाते हुए आतंकी शिविरों को नेस्तनाबूद करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा भारत के शौर्य व पराक्रम का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व मंत्रियों ने झंडा दिखाकर

1090 के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र संकट के समय हमारा धैर्य और एकता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि पंजाब के आदमपुर एयर बेस पर जाकर सैनिकों का हौसला बढ़ाने का काम जो किया है, वह तीनों सेनाओं का मनोबल बढ़ाने वाला है। भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भारत के अमन चैन को छेड़ने का काम किया था, भारतीय सेनाओं ने उसे मिट्टी में मिलाने का काम किया है। तीनों सेनाओं ने एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और अब आपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों के शिविरों को बर्बाद करने का काम किया है।

इससे पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारी सेनाओं ने शौर्य व पराक्रम के जरिए जो ऑपरेशन सिंदूर करके दिखाया है, उसी के सम्मान में यह भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकल रही है।

चौधरी ने कहा कि अभी तक आतंकवादी घटना की निंदा होती थी, अब हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेनाओं ने उसका जवाब ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया है। यह भारत की 140 करोड़ की जनता को पीएम का संदेश भी है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा को भाजपा गांव व शहर में 23 मई तक निकालेगी।

कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, राज्यसभा सदस्य, बृजलाल, संजय सेठ, विधायक पंकज सिंह, ओपी श्रीवास्तव, नीरज बोरा, जय देवी, योगेश शुक्ला व भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल,सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठन, भूतपूर्व सैनिक भी शामिल रहे। वहीं, सेंचुरिएन डिफेंस अकादमी के छात्रों ने दो हजार फीट लंबा राष्ट्र ध्वज के जरिए यात्रा निकाली।

बिजली चोरी: मोहन सराय और विराट नगर कॉलोनी को बनाया हॉट स्पॉट

चेकिंग अभियान में कई क्षेत्रों में कार्रवाई

वाराणसी , एजेंसी। बिजली चोरी रोकने और लाइन लॉस कम करने के लिए से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा वाराणसी में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को प्रमुख हॉट स्पॉट क्षेत्र रोहनिया स्थित मोहन सराय और सारनाथ के पांडेयपुर स्थित विराट नगर कॉलोनी में बड़े पैमाने पर जांच अभियान चलाया गया। अधीक्षण अभियंता बृजेश कुमार और अधिशासी अभियंता अरुण कुमार यादव के नेतृत्व में गहन कॉम्बिंग की गई।

मोहनसराय क्षेत्र में 543 उपभोक्ताओं के परिसरों की जांच की गई। इस दौरान 4 उपभोक्ताओं के यहां मीटर बाईपास कर सीधे बिजली चोरी पकड़ी गई। इन कनेक्शनों पर कुल 13 किलोवाट का अनधिकृत भार चल रहा था। विभाग द्वारा इन उपभोक्ताओं पर कुल 1.56 लाख रुपये का शमन शुल्क और 12.60 लाख रुपये का राजस्व निर्धारण किया गया है। इन सभी पर प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त, 16 उपभोक्ताओं के यहां मीटर में अनियमितता पाई गई, जो गलत विधा में बिजली का प्रयोग कर रहे थे। अभियान के दौरान 35 उपभोक्ताओं का कुल 52 किलोवाट भार बढ़ाया गया और 23 खराब मीटरों को बदला गया। बकाया बिलों पर कार्रवाई करते हुए 24 उपभोक्ताओं की लाइनें काटी गईं, जिन पर कुल 3.06 लाख रुपये बकाया थे। वहीं, 42 उपभोक्ताओं से मौके पर ही 2.85 लाख रुपये की बकाया धनराशि जमा कराई गई।

वहीं चेकिंग अभियान चलने से लोगों के बीच हड़कंप मचा रहा। कई लोगों ने जल्दी-जल्दी अपने चोरी के तार भी हटाए। हालांकि कई स्थानों पर बिजली निगम के अधिकारियों ने तार हटाने से पहले ही बिजली चोरी पकड़ ली।

यूपी में इस योजना का लाभ लेकर कमाएं मुनाफा

योगी सरकार का प्लान- सभी जिलों में होंगी 1000 फूड प्रोसेसिंग यूनिट

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की खेती अब सिर्फ पेट भरने तक सीमित नहीं रह गई है। यह अब आमदनी, रोजगार और निर्यात का मजबूत जरिया बन रही है। प्रदेश में हर जिले में 1000 प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) इकाइयां बनाने की योजना शुरू हो गई है।

वहीं, बाराबंकी के त्रिवेदीगंज में इंडो-डच सेंटर फॉर एक्सीलेंस खोला जाएगा, जहां फूलों और सब्जियों की उन्नत खेती पर शोध और प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह सेंटर नीदरलैंड के सहयोग से बनाया जाएगा। इसका मकसद फलों-सब्जियों के उत्पादन को वैज्ञानिक और निर्यात-योग्य बनाना है।

इसके साथ ही सरकार ने जेवर एयरपोर्ट के पास एक आधुनिक एक्सपोर्ट हब की योजना भी तैयार की है, ताकि यूपी के उत्पाद यूरोप और अमेरिका जैसे हाई स्टैंडर्ड बाजारों तक पहुंच सकें।

लखनऊ के नादरगंज औद्योगिक क्षेत्र में गामा रेडिएशन प्लांट तैयार हो चुका है। इससे फलों और सब्जियों को संक्रमण मुक्त किया जाएगा और उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाई जा सकेगी। प्रदेश में अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक, श्रम-प्रधान

और मुनाफे वाली खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इससे प्रच्छन्न बेरोजगारी में कमी आई है और किसानों की आमदनी भी बढ़ी है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी के मुताबिक, फलों और सब्जियों की खेती परंपरागत फसलों की तुलना में दो से ढाई गुना ज्यादा मुनाफा देती है। साथ ही यह श्रम-प्रधान होने के कारण बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा करती है।

प्रदेश में अब तक 17,000 से अधिक प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना के तहत यूनिट लगाने वालों को 35 प्रतिशत तक अनुदान और 30 लाख रुपये तक का कर्ज मिल रहा है।

यदि इकाई किसी महिला के नाम पर है और वह सोलर प्लांट लगाना चाहती है, तो सरकार 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है। इन इकाइयों में नर्सरी, पौधरोपण, तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, लोडिंग, अनलोडिंग और विपणन जैसे कई कामों में रोजगार मिलेगा।

कोविड के बाद से लोगों में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है, जिससे फल-सब्जियों की मांग तेजी से बढ़ी है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में प्रति व्यक्ति इनकी उपलब्धता सालाना 7 से 12 किलोग्राम तक बढ़ी है।

बर्ड फ्लू से हुई थी बाघिन शक्ति की मौत, सात दिन के लिए बंद किया गोरखपुर चिड़ियाघर

गोरखपुर, एजेंसी। बर्ड फ्लू मिलने के बाद सात दिन के लिए चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया है। मुख्य वन संरक्षक के निर्देश पर निदेशक विकास यादव ने जारी किया पत्र। अब 21 मई को आमजन के लिए खोला जाएगा।

सात मई को बाघिन शक्ति की मौत हुई थी। चिड़ियाघर प्रशासन ने बिसरा जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल भेजा था। संस्थान से भेजी गयी रिपोर्ट में बताया गया कि बाघिन की मौत बर्ड फ़्लू से हुई है। इसके बाद से ही चिड़ियाघर प्रशासन अलर्ट है। आशंका है कि अन्य वन्यजीव भी इसकी चपेट में आए होंगे। हालांकि यहां से बीमार पटौदी को दो दिन पहले कानपुर चिड़िया घर भेजा गया है। चिड़ियाघर में भेड़िया भैरवी और बाघिन शक्ति की मौत एक ही जैसे हुई थी। दोनों ने 24 घंटे पानी कम पिया और अंत में उनका शरीर काम करना बंद कर दिया। चिड़ियाघर प्रशासन को आशंका थी कि कहीं दोनों में एक जैसा संक्रमण तो नहीं था।

इसके लिए इनका बिसरा आइवीआरआइ बरेली और राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा गया था। सोमवार को वहां से बाघिन शक्ति की रिपोर्ट चिड़ियाघर पहुंची तो उसमें बर्ड फ्लू निकला। अब भेड़िया के रिपोर्ट का इंतजार है।

वहीं दो दिन पहले गोरखपुर चिड़ियाघर से बीमार पटौदी को कानपुर भेजा गया है। वह भी बीमार था, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अगर उसे भी बर्ड फ्लू हुआ होगा तो कानपुर चिड़ियाघर के अन्य वन्यजीव भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते है।

इसे देखते हुए मुख्य वन संरक्षक और वन्यजीव ने प्रदेश भर के चिड़ियाघर और सफारी पार्क को 14 मई से 20 मई तक के लिए बंद कर दिया है। इस दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिलेगा। चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने बताया कि निर्देश के क्रम में गोरखपुर चिड़ियाघर को भी सात दिन के लिए बंद किया गया है। पुनः 21 मई को खुलेगा।

पुलिस व बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, लुटेरे के पैर में लगी गोली; एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक बदमाश को गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

ये है मामला

मंडुआडीह थाना क्षेत्र के जलालीपट्टी इलाके में थाना प्रभारी भरत उपाध्याय के नेतृत्व में चेकिंग चल रही थी। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो बदमाश चेकिंग देखकर बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल बदमाशों का पीछा किया गया। यह देख बदमाशों ने पुलिस बल पर फायरिंग झोंक दी।

जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदे उठाकर भागने में सफल रहा। घायल बदमाश की शिनाख्त शातिर चोर/लुटेरे सनी धरकार के रूप में हुई। वह रमद्दतपुर, लालपुर का निवासी है।

पकड़े गए बदमाश पर वाराणसी कमिश्नरेट के लालपुर, शिवपुर, कैंट, सिगरा, सारनाथ आदि थानों पर चोरी/लूट के 18 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ में घायल बदमाश सनी पिछले दिनों मंडुआडीह के नाथुपुर में हुई चोरी की घटना में भी वांछित था। मुठभेड़ की सूचना पर मौके पर डीसीपी वरूणा प्रमोद कुमार और एसीपी रोहनियां संजीव शर्मा पहुंचे।

सफलता की अगली सीढ़ी चढ़ेंगे होनहार

कोई डॉक्टर तो कोई आईएएस अफसर बनकर करना चाहता है देश सेवा

साहिबाबाद, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावियों ने अपनी क्षमता के अनुसार सपने भी संजो रखे हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो कोई आईएएस अधिकारी बनकर देश सेवा करना चाहता है। वह अब अपने सपनों को उड़ान देने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं भी दे रहे हैं। सेंट टेरेसा स्कूल की छात्रा रुपसा पान ने इंटरमीडिएट में विज्ञान वर्ग में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वसुंधरा सेक्टर गार्डिया ग्लैमर में रहने वालीं रुपसा के पिता पुरनेंदु शेखर पान इंजीनियर हैं। माता रूना ग्रहणी हैं। वह सामान्य दिनों में रोजाना चार से छह घंटे ही पढ़ाई करती थीं।

वहीं, परीक्षा के समय में छह से आठ घंटे रोजाना पढ़ाई करती थीं। उनका कहना है कि पढ़ाई के लिए कभी घंटे नहीं देखने चाहिए। जो भी स्कूल में रोजाना पढ़ाया जाए उसे तैयार करते रहें।

उसी से अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। अच्छे नंबर आने में शिक्षकों का अहम योगदान रहा। सोशल मीडिया का दिनभर में एक-दो घंटे पढ़ाई करती थी। रुपसा का सपना इलेक्ट्रिकल इंजीनियर करना चाहते हैं। वह आइआइटी मुंबई से पढ़ना चाहती हैं। वसुंधरा के सेठ आनंदराम जयपुरिया की इंटरमीडिएट की छात्रा निशिका भंडारी ने 12वीं में मानविकी वर्ग में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इंदिरापुरम की शिप्रा सनसिटी में रहने वाली निशिका के पिता आनंद सिंह भंडारी गुरुग्राम में कंपनी चलाते है। माता सुरुचि गोयल गृहिणी हैं। निशिका का कहना है कि क्लास में रोजाना जो भी पढ़ाया जाता था उसे प्राथमिकता पर पढ़ती थीं। आज जो पढ़ा उसे कल पर नहीं छोड़ती थीं।

साथ ही जो पहले से पढ़ा हुआ है उसका अभ्यास भी करती थीं। उनकी म्यूजिक में रूचि है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया का सही उपयोग करके पढ़ाई भी

की जा सकती है। वह उनका कहना है कि कई विषय की पढ़ाई स्कूल के साथ ही यूट्यूब से पढ़कर भी की है। साथ ही जो विषय वीक थे उन पर प्राथमिकता से ध्यान देती थी। निशिका का सपना आईएएस अधिकारी बनना हैं।

वसुंधरा सेक्टर-छह के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के हाईस्कूल के छात्र सोहम राय ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इंदिरापुरम की एक्सप्रेस गार्डन अपार्टमेंट रहने वाले सोहम के पिता अर्नब राय गुरुग्राम की एक कंपनी में इंजीनियर हैं।

माता दीपनविता ए राय शिक्षिका हैं। सोहम ने बताया कि वह रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते थे। अभी तक उन्होंने इंटरनेट मीडिया का उपयोग भी नहीं किया है। उनका सपना डॉक्टर बनना है। उनका कहना है कि सेल्फ स्टडी सबसे ज्यादा जरूरी है। उनका कहना है कि जो भी शिक्षक पढ़ाएं उसका अभ्यास जरूर करें। वह आगे रिसर्चर और सर्जन बनना चाहते हैं।

बहू नहीं, दूल्हे का शव लेकर लौटे बाराती, रसगुल्ला खिलाते ही होने लगी खून की उल्टी- कानपुर, एजेंसी। हनुमंत विहार के संजय गांधी नगर से गई बारात बहू नहीं, बल्कि दूल्हे का शव लेकर लौटी तो इलाके में कोहराम मच गया। बेटे के स्वागत में दरवाजे पर खड़ी मां भी गश खाकर गिर पड़ी। देखते ही देखते शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। रिश्तेदारों के साथ ही आस पड़ोस के लोगों की आंखों से आंसू निकल पड़े। वहीं, सूचना पर हनुमंत विहार पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के भेजा। पोस्टमार्टम में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

संजय गांधी नगर निवासी 24 वर्षीय मोनू वर्मा प्लांबर था। परिवार में मां मुन्नी देवी, एक भाई और तीन बहनें हैं। मोनू सबसे छोटा था। बड़ी बहन रानी के मुताबिक रविवार को बारात फतेहपुर के छोटी छिवली गांव गई थी। रात में जयमाल के बाद अगले दिन सुबह सोमवार को कलेवा की रस्म चल रही थी।

लड़की पक्ष की ओर से महिला रिश्तेदार कलेवा कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला रिश्तेदार के रसगुल्ला खिलाने पर उसे खून की उल्टी और वह गश खाकर गिर गया। हो-हल्ला मचने पर भाई को लेकर इलाके के प्राइवेट नर्सिंगहोम पहुंचे

संपादकीय

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर सभी ने सेना का समर्थन किया

जब भी कोई संकट की घड़ी आती है, तो पूरा देश एकजुट हो जाता है। पहलगाम हमले के बाद एक ओर नागरिकों का आक्रोश सामने आया, तो दूसरी ओर वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार और सेना के साथ खड़े दिखे। वहीं सभी राजनीतिक दल भी अपने मतभेद भुला कर आगे आए। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और सैन्य कार्रवाई के लिए बढ़ते दबाव के बीच सहमति की सकारात्मक तस्वीर दिखी। इससे स्पष्ट है कि देश के सभी दल राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर एक हैं। 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गुरुवार को सभी दलों ने न केवल सरकार का समर्थन किया, बल्कि सशस्त्र बलों के प्रति भी एकजुटता दिखाई। इससे पूरी दुनिया को संदेश गया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और इस मसले पर अब सख्ती से पेश आएगा। इस लिहाज से देखें तो सर्वदलीय बैठक से एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति भी बनी है। इसमें सभी दलों ने सुरक्षा संबंधी अपनी चिंता जरूर जताई, लेकिन किसी भी बहस से दूर रहे। यह भारतीय राजनीति की परिपक्वता का परिचायक है।सर्वदलीय बैठक इस मायने में भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें सरकार ने 'आपरेशन सिंदूर' से संबंधित कई जानकारियां साझा कीं। रक्षा मंत्री ने सुरक्षा चिंताओं को तरजीह देते हुए आश्वस्त किया कि पाकिस्तान के किसी भी सैन्य हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सरकार बड़ा कदम उठाने से पहले जिस तरह पूरे देश को, खासकर विपक्ष को साथ लेकर चल रही है, उससे साबित होता है कि वह पड़ोसी देश द्वारा फैलाए गए आतंकवाद को समूल नष्ट करना चाहती है और कड़ी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अब आर-पार के लिए तैयार है और आतंकवाद के खिलाफ उसकी शून्य सहिष्णुता की नीति है। वहीं दो कदम आगे बढ़कर विपक्ष ने भी यह साफ कर दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस पर कोई राजनीति नहीं होगी। सर्वदलीय बैठक में सभी दलों की देश के लिए एकजुटता से तय है कि पाकिस्तान के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि अगर वह किसी अन्य छिपी मंशा के मुताबिक लाभ उठाना चाहता है तो वहां भी उसे नाकामी हासिल होगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है।

आईएमएफ का पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज देना सांप को दूध पिलाने जैसा

(चेतनादित्य आलोक)

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब 'स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल' में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है। समय-समय पर इसके प्रमाण मिलते भी रहे हैं। फिलहाल, इसका ताजा उदाहरण पहलगाम के बैसरण घाटी की वह दिल दहला देने वाली घटना है, जिसमें आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की उनके परिवार वालों विशेषकर स्त्रियों और बच्चों के समक्ष उनका धर्म पूछ-पूछकर अत्यंत बेरहमी से हत्या कर दी थी। वैसे, 2021 में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हो चुका है कि पाकिस्तान एक प्रकार से सेना आधारित व्यापार करने वाला देश है, जो दान तथा ऋण में मिले रुपयों का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने में करता रहा है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब 'स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल' में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं। वहीं, पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुख्य आसिम मुनीर का भाषण सुनने के बाद तो यह भी बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी सेना एक पेशेवर सेना नहीं, बल्कि जिहादियों जैसी भाषा बोलने और व्यवहार करने वाला एक धार्मिक संगठन मात्र है, जिसकी कमाई का मुख्य आधार व्यापार है। ऐसे में आईएमएफ से मिलने वाली आर्थिक मदद के कारण भारत के विरुद्ध इस क्षेत्र में सैन्य एवं आतंकी आक्रामकता और क्रूरता का जोखिम पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। देखा जाए तो भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए यह निवेदन किया था कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत सुधारने के नाम पर उसके द्वारा मांगा जाने वाला कर्ज आईएमएफ की ओर से मंजूर नहीं किया जाना चाहिए। भारत ने विरोध स्वरूप 09 मई को आईएमएफ के एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) लेंडिंग प्रोग्राम पर मतदान भी नहीं किया, जिसमें पाकिस्तान के लिए 01 अरब डॉलर के ईएफएफ लेंडिंग और 1.3 अरब डॉलर के नए लोन पर आईएमएफ द्वारा विचार किया जाना था। भारत की ओर से इस दौरान पाकिस्तान में आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर अपनी चिंता प्रकट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट शब्दों में कहा भी था कि पाकिस्तान लोन फाइनेंसिंग का इस्तेमाल सीमा पार (मुख्यतः भारत में) आतंकवाद के लिए कर सकता है। इसके बावजूद आईएमएफ ने 09 मई को 02 साल की अवधि के लिए पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर का नया ऋण प्रदान कर ही दिया।

पाकिस्तान को ऋण देना मानवता विरोधी कदम – बता दें कि पिछले 35 सालों में पाकिस्तान 28 बार आईएमएफ से ऋण प्राप्त कर चुका है। हाल के ही रिकार्ड देखा जाए तो 2019 से पिछले 05 सालों में ही उसने आईएमएफ से 04 बार ऋण लिए हैं। जाहिर है कि ऋण में मिलने वाले रुपयों का इस्तेमाल यदि पाकिस्तान के द्वारा अब तक सही ढंग से किया गया होता तो शायद उसको आईएमएफ के दरवाजे पर बार-बार हाथ फैलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती, लेकिन सच तो यही है कि पाकिस्तान आईएमएफ से बार-बार कर्ज लेता है, लेकिन वह उनका उपयोग वास्तविक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि भारत के विरूद्ध अपनी जिहादी मानसिकता को प्रदर्शित और प्रारूपित करने के लिए ही करता रहता है। आश्चर्य कि अब यह बात दुनिया में किसी से छुपी हुई भी नहीं है। इस प्रकार, देखा जाए तो जिन परिस्थितियों में सबकुछ जानते-बूझते हुए भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भारत की चिंताओं और आशंकाओं को दरकिनार कर आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को 11 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक का ऋण देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया, वह एक प्रकार से सांप को दूध पिलाने जैसा प्रतीत होता है, जो केवल भारत विरोधी ही नहीं, बल्कि अंततः मानवता विरोधी ही साबित होने वाला है।

पाकिस्तान को ऋण दिलाने में अमेरिकी पहल कारगर – बता दें कि आईएमएफ से ऋण प्राप्त करने के लिए किसी भी देश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देशों के कुल वोटों का 85 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी होता है। साथ ही, यह जानना भी जरूरी है कि आईएमएफ में सबसे ज्यादा प्रभाव अमेरिकी वोट का होता है, जिसके पास सर्वाधिक 17 प्रतिशत वोटों का भार है। इसकी तुलना में भारत के पास वोटों का भार मात्र 03 प्रतिशत ही है। यही कारण है कि हमारे विरोध के बावजूद पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण मिल गया। देखा जाए तो इस मामले में अमेरिकी पहल का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि हाल के वर्षों में पाकिस्तान लगातार चीन की गोद में बैठकर खेलता रहा है, जिससे अमेरिका बेहद नाराज है। वह चाहता है कि पाकिस्तान चीन से बिदककर उसके पाले में आ जाए। इसीलिए शायद उसने पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण दिलाने में मदद की है, लेकिन उसे यह भी अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान तो शुरू से ही कभी चीन तो कभी अमेरिका की गोद में बैठकर खेलता रहा है।

धन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए करेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान और अमेरिका की ओर से उसे अपना ही पिट्ठू बनाए रखने के लिए अनेक प्रकार की रियायतें, जिनमें बेशुमार धनादि शामिल हैं, भी दी जाती रही हैं। वैसे, अमेरिका के द्वारा फटकारे जाने पर वह कहता तो जरूर है कि वह आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा तथा विदेशों से मिले धन का उपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने में नहीं करेगा, लेकिन क्या हम नहीं जानते कि कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। जाहिर है कि पाकिस्तान कभी नहीं सुधरने वाला। इसीलिए यह आशंका बनी हुई है कि हमेशा की तरह फिर वह आईएमएफ से मिले धन का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकवादी गतिविधियों यानी 'प्रॉक्सी वॉर' को बढ़ावा देने में करेगा।

एक बड़ा कारण यह भी –आईएमएफ से ऋण मिलने का एक बड़ा कारण यह भी है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और चीन समेत कई देशों को अपनी धरती पर सैनिक और व्यापारिक गतिविधियां संचालित करने की छूट दे रखी है। इन देशों में अरब के देश और तुर्किए जैसा कट्टर इस्लामिक सोच वाला देश भी शामिल हैं। बता दें कि अब तक अनेक बार ये तमाम देश पाकिस्तान को अलग से भी ऋण देते रहे हैं। देखा जाए तो अकेले चीन ने ही पाकिस्तान में पाकिस्तान-चीन इकोनोमिक कॉरिडोर बनाने के नाम पर अब तक 65 अरब डॉलर से भी अधिक का ऋण दे चुका है। हालांकि 03 दशकों में भी उक्त इकोनोमिक कॉरिडोर बनकर तैयार नहीं हो सका है।

जी-07 देशों की निरर्थक अपील – सच कहा जाए तो इन परिस्थितियों में 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी-07) देशों की भारत एवं पाकिस्तान से सैन्य तनाव कम करने की अपील झूठी और निरर्थक प्रतीत होती है, क्योंकि एक तरफ तो दुनिया के 195 में से 190 देशों वाली संस्था अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पाकिस्तान को 01 अरब रुपए का ऋण देकर उसको आतंक की फैक्ट्री चलाते रहने के लिए खाद-पानी देने का कार्य कर रही है, वहीं, दूसरी ओर जी-07 देश भारत एवं पाकिस्तान से सैन्य तनाव कम करने की अपील कर शांति स्थापना की खानापूर्ति कर रहे हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

(ललित गर्ग)

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्टपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है ।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

(ललित गर्ग)

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते।

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है।

मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी। यह उद्बोधन भारत की भावी सुरक्षित एवं सशक्त दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व की महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है।

मोदी ने अपने इस संबोधन से अनेक निशाने साधे हैं। उनके अनुसार 2047 तक विकसित मुल्क बनाने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा। पाक एवं क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है। पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है। इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से विश्व राजनीति एवं आर्थिक विकास में नई आशा का संचार हुआ है। मोदी के पाक के खिलाफ एक्शन को स्थगित करने की खुशखबरी के साथ दुनिया में दो बड़ी सकारात्मक खबरे भी आशा की किरण बनी। एक आशा की किरण है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, दूसरी किरण तीन साल से ज्यादा समय से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन में सुलह के लिये दोनों देशों के बीच पहली बार सीधी बातचीत होना। यूक्रेन युद्ध, टैरिफ वॉर और भारत-पाक तनाव ने दुनिया को गंभीर संकट में डाल दिया था। तीनों मोर्चों पर आई सकारात्मक खबरों का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों में आया उछाल है। इनके चलते भारत में नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति भी पुनः रफ्तार पकडेगी। ताजा घटनाक्रम से भारत एक आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एक्यूपंचर चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ाएं कदम

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

चीन से उत्पन्न हुआ एक्यूपंचर चिकित्सा विज्ञान का इस्तेमाल आज पूरे विश्व में किया जाता है। एक्यूपंचर को नीडलिंग थेरेपी भी कहा जाता है। इस चिकित्सा थेरेपी के दौरान विशिष्ट बिंदुओं पर बहुत बारीक सुइयों का इस्तेमाल करके दर्द या बीमारी का इलाज किया जाता है। एक्यूपंक्चर इस सिद्धांत पर आधारित है कि ऊर्जा, जिसे ची भी कहा जाता है, शरीर में और आसपास के मार्ग से बहती है। लेकिन व्यक्ति को बीमारी तब होती है, जब यह ऊर्जा या ची ब्लॉक हो जाती है। एक्यूपंक्चर प्रक्रिया ची को अनब्लॉक या प्रभावित करने और वापस संतुलन में लाने में मदद करने का एक तरीका है। इन दिनों पूरे विश्व में जब लोग वैकल्पिक चिकित्सा का रूख कर रहे हैं तो ऐसे में एक्यूपंचर को बेहद प्रभावी माना जा रहा है। अगर आप चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सुखद भविष्य देख सकते हैं

स्किल्स

एक्यूपंचर में अपना भविष्य देख रहे छात्रों में वैकल्पिक चिकित्सा और हॉलिस्टिक हीलिंग प्रॉपर्टीज में गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपमें बेहतरीन इंटरपर्सनल, कम्युनिकेशनल व लिसनिंग स्किल्स होने चाहिए। साथ ही आपमें संवेदनशीलता और पेंशेट की समस्या को समझने की गहरी समझ होनी चाहिए। धैर्य, सेल्फ अवेयरनेस और इमोशनल स्टेबिलिटी भी एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट के लिए जरूरी है।

योग्यता

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद आप दो वर्ष का मास्टर कोर्स भी कर सकते हैं। एक्यूपंक्चर पाठ्यक्रम में छात्रों को एक्यूपंक्चर के विभिन्न पहलुओं जैसे शरीर के एक्यूपंक्चर बिंदुओं, एक्यूपंक्चर के फंडामेंटल, एक्यूपंक्चर मेरिडियन्स, फाइव एलिमेंट थ्योरी, एंसिलियरी एक्यूपंक्चर, क्लासिकल एक्यूपंक्चर, एप्लाइड एक्यूपंक्चर, इतिहास और पारंपरिक चीनी दवा (टीसीएल) के बारे में सिखाते हैं।

संभावनाएं

एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट क्लीनिक, जिम, हेल्थ सेंटर्स, रिहैबिलेशन सेंटर्स, रिकवरी केयर यूनिट्स और मनोरोग वार्ड में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप इस क्षेत्र में रिसर्च कर सकते हैं और एक्यूपंचर कोर्स संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी व इंस्टीट्यूट में बतौर शिक्षक काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप स्वतंत्र निजी चिकित्सक के रूप में भी काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार बेहद आम है।

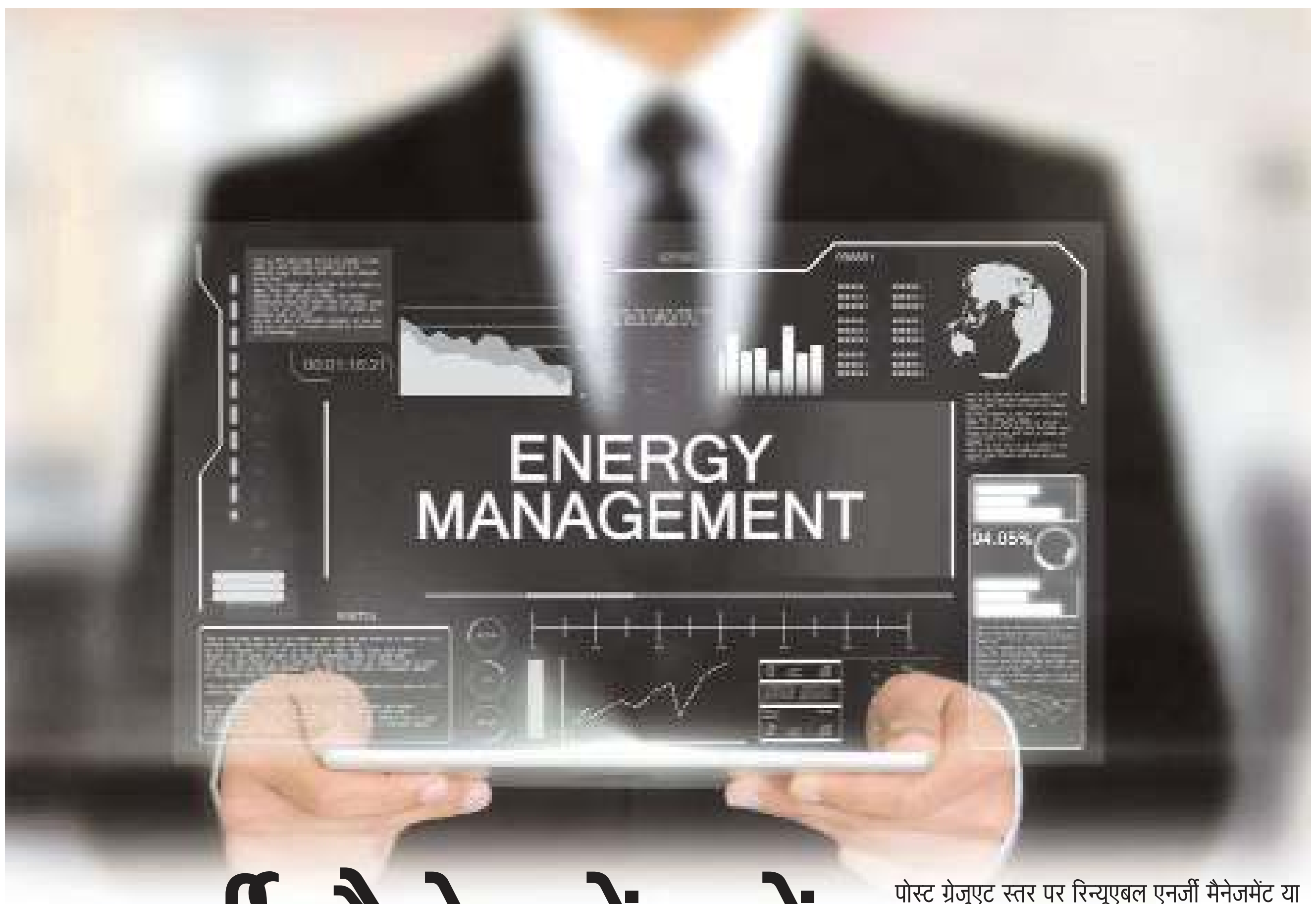

एनर्जी मैनेजमेंट में आगे बढ़ने का अवसर

ऊर्जा संकट आज पूरे विश्व की समस्या है। परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता के दुष्परिणाम बेमौसम बारिश, बाढ़, प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसे में बीते कुछ वर्षों में क्लीन एनर्जी का महत्व काफी बढ़ा है। भारत भी ऊर्जा की अपनी भारी-भरकम जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों यानी वैकल्पिक ऊर्जा, जैसे सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, बायो एनर्जी या हाइड्रो एनर्जी पर ज्यादा फोकस कर रहा है। विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के कुशल इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है, जिसमें एनर्जी एफिशिएंट बिल्डिंग डिजाइन, रिस्क असेसमेंट, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, मैनेजरियल स्किल्स जैसी कोशिशें शामिल हैं। यही कारण है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एनर्जी मैनेजमेंट के ट्रेंड प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश में अभी तक सौर तथा पवन ऊर्जा क्षेत्र में करीब 70 हजार लोगों को फुल-टाइम जॉब मिल चुकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2025 तक उत्पादन क्षमता लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में करीब 1,83,500 फुल-टाइम नौकरियों के अवसर और पैदा होंगे।

क्या है एनर्जी मैनेजमेंट?

एनर्जी मैनेजमेंट का महत्व आजकल सभी प्रतिष्ठानों में है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन, फाइनेंस, मार्केटिंग तथा स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट जैसे मैनेजेरियल वर्क एरिया शामिल हैं। ऐसे ट्रेंड प्रोफेशनल आम तौर पर एनर्जी कॉरपोरेशंस के मैनेजमेंट में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

तरक्की की संभावनाएं

क्लीन एनर्जी इंडस्ट्री भले ही अभी शुरूआती दौर में है लेकिन यहां युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर करियर की संभावनाएं मौजूद हैं। बीते 4 वर्षों में सौर ऊर्जा का बाजार सौ गुना से भी ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ा है। सोलर पावर उत्पादन क्षमता, जो अभी 20 गीगावॉट्स है, उसे वर्ष 2025 तक बढ़ाकर 100 गीगावॉट्स तक करने का लक्ष्य है। सोलर सेक्टर में निवेश भी बीते तीन वर्षों के करीब 8 बिलियन डॉलर के मुकाबले वर्ष 2023 में 10.9 बिलियन डॉलर तक हुआ। पवन ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन चुका है। इस ऊर्जा ऊत्पादन को भी अगले 6 वर्षों में 60 गीगावॉट्स तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ये दोनों नए सेक्टर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल हैं। ऐसे में आगे के वर्षों में देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ एनर्जी मैनेजमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विसिंग, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व सोशल एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

देश के कई विश्वविद्यालय अलग-अलग नामों से पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट या एनर्जी स्टडीज से जुड़े कोर्स ऑफर कर रहे हैं। इस तरह के कोर्स में बीटेक, बीई या एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। कई बिजनेस संस्थानों में एनर्जी मैनेजमेंट या पावर मैनेजमेंट जैसे एमबीए कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है।

सैलरी कितनी?

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में डिप्लोमाधारी युवाओं को शुरूआत में ही 10 से 15 हजार रूपए की सैलरी आसानी से मिल जाती है। वहीं, हाई क्वॉलिफाइड टेक प्रोफेशनल्स को शुरू में 5 से 6 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज मिल सकता है।

जॉब के अवसर

रिन्यूएबल एनर्जी एंड मैनेजमेंट सेक्टर से संबंधित सभी सरकारी व निजी उद्योगों में करियर के तमाम विकल्प मौजूद हैं। एनर्जी मैनेजमेंट के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के बाद युवा पावर डिस्ट्रिब्यूशन, ऑइल मार्केटिंग, पावर जनरेशन, ऑइल एक्सप्लोरिंग, पावर ट्रांसमिशन, एनर्जी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग/ फाइनेंसिंग, एनर्जी सेक्टर, कंसल्टिंग सर्विसेज, सरकारी एजेंसियों यानी सोलर एनर्जी सेंटर, विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर, हाइड्रो एनर्जी सेंटर, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के अलावा एनजीओ में करियर बना सकते हैं। रिसर्च में रुचि रखने वाले युवा इनोवेशन से जुड़ सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए बायोफ्यूल तथा बायो पॉलिमर्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इंजीनियर्स इस सेक्टर में मशीन व उपकरणों के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

गेट परीक्षा पास करने के बाद इन क्षेत्रों में है बेहतर करियर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने से पहले हमें यह प्रश्न पूछना चाहिए कि यह परीक्षा भविष्य में हमें किन-किन रूपों में मदद करेगी। अगर आप गेट की परीक्षा में भी भाग लेने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले जान लीजिए कि इस परीक्षा को पास करने के बाद आप किन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग एक राष्ट्रीय स्तर पर कंडक्ट कराया जाने वाला एग्जाम है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्रेजुएट छात्रों के लिए आयोजित की जाती है।

एमटेक

गेट परीक्षा में क्वालीफाई होने के बाद आप सीधे देश के सात आईआईटी या प्राइवेट संस्थानों में M. Tech के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सबसे कॉमन प्रवेश द्वार है जिसकी तलाश हर इंजीनियर करता है। एक अच्छे गेट स्कोर (GATE Score) के साथ, आप देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में एम.टेक, स्टाइपेंड और विभिन्न एकेडमिक लाभों के लिए योग्य होंगे।

पीएसयू में नौकरी

आज, कई पीएसयू अच्छे गेट स्कोर वाले उम्मीदवारों को नियुक्त करते हैं। बीएचईएल, आईओसीएल, ओएनजीसी, एनटीपीसी आदि जैसे 200 से अधिक पीएसयू, इंजीनियरिंग उम्मीदवारों की भर्ती के लिए गेट स्कोर को बेहतर क्राइटेरिया मानते हैं। जब आप गेट की परीक्षा को क्रैक करते हैं तो आपको सीधे सरकारी क्षेत्र की नौकरियां मिल सकती हैं।

पीएचडी एडमिशन

इन दिनों एम.टेक योग्यता पीएचडी कार्यक्रमों के लिए चयनित होने के लिए अनिवार्य नहीं है, यदि आपके पास बीटेक डिग्री और अच्छा गेट स्कोर है तो आप सीधे पीएचडी कार्यक्रमों क लिए चुने जा सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एलिजिबल होने के लिए आपके पास एक बेहतर गेट स्कोर होना चाहिए और फिर रुचि वाले क्षेत्र में इंटरव्यू प्रोसेस के बाद पीएचडी में एडमिशन लिया जा सकता है।

मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट स्टडीज के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैन्युफैक्चरिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में क्वालीफाई होने के लिए उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी ग्रेजुएशन स्तर पर 60% और उससे अधिक के साथ वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

थोड़े अभ्यास से आप भी बन सकते हैं सफल वक्ता

पब्लिक स्पीकिंग एक कला है, जिसमें कुशल लोग जीवन में भी काफी तरक्की कर जाते हैं। नौकरी की दुनिया हो या बिजनेस या फिर अन्य कोई भी फील्ड, तरक्की करने के लिए मंच पर बोलने की कला आनी चाहिए। आप देखते होंगे कि आज के दौर में सफल राजनेता हों या कॉरपोरेट हैड, वे बहुत अच्छे वक्ता भी होते हैं।

डर को करें दूर

अक्सर देखा जाता है कि इंट्रोवर्ट लोगों को जब ऑफिस में या किसी प्रोग्राम में लोगों की भीड़ के सामने बोलना पड़ता है, तो वे कांपने लगते हैं और उनकी जुबान लड़खड़ाने लगती है। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। सबसे पहले आपको इस मामले में मन में आने वाले किसी भी तरह के डर को दूर करना होगा और इस बात पर ध्यान देना होगा कि प्रभावी तरीके से भाषण कैसे दिया जाए। यह जरूरी नहीं कि आप किसी प्रभावी वक्ता की तरह भाषण दे सकते हों लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रभावी तरीके से कहने की कला आनी चाहिए। जो लोग मंच पर बहुत प्रभावी तरीके से भाषण दे लेते हैं, वे कोई सुपरह्यूमन नहीं होते। वे तो बस, मेहनती लोग होते हैं और यह जानते हैं कि अपनी बात पर जोर कैसे दिया जाए। इसलिए सारी आशंकाओं को दूर करते हुए सबसे पहले यह भरोसा पैदा करें कि आप यह कर सकते हैं।

तैयारी है महत्वपूर्ण

अपने भाषण की तैयारी इस तरह करें कि वह तार्किक प्रवाह वाला हो। उसे कहानियों, उदाहरणों आदि से ज्यादा से ज्यादा जीवंत बनाएं। तैयारी के लिए आप महान और अच्छे वक्ताओं के वीडियो देखें। स्पीच तैयार करने के बाद घर में ही जोर-जोर से बोलते हुए अभ्यास करें। ऐसा तब तक करें, जब तक कि आप इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि अब आप इसे प्रवाहमय तरीके से और आराम से लोगों के सामने बोल सकते हैं।

अपने लुक पर करें गौर

यह ध्यान रहे कि भाषण देने के लिए आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सबसे पहला योगदान आपके बाहरी लुक का होता है। जब आप अच्छे दिखेंगे, तो अंदर से भी अच्छा महसूस करेंगे। आपके कपड़े फॉर्मल हों या कैजुअल, वे आरामदायक होने चाहिए।

देखें सकारात्मक पक्ष

इस बात पर विचार करें कि एक पब्लिक स्पीकर के रूप में आपके मजबूत और कमजोर पक्ष क्या हैं। आप जैसे हैं, उसी में बेहतर करने की कोशिश करें, अपने को वह न बनाएं जो आप नहीं हैं। जो आप बेहतर कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें। आपके अंदर अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर हो सकता है, आप कहानियां सुनाने में माहिर हो सकते हैं या आप जटिल विचारों को टुकड़ों-टुकड़ों में बेहतर तरीके से पेश कर सकते हैं। खूबी कोई भी हो, उसका आपको फायदा उठाना चाहिए।

श्रोताओं का रखें ध्यान

इस बात पर अच्छी तरह से विचार करें कि आपके श्रोता क्या सुनना चाहते हैं। आप उनको क्या संदेश देना चाहते हैं? उनकी कौन-सी समस्या सुलझा सकते हैं? उनकी कौन-सी जरूरत पूरी कर सकते हैं? इन बातों को ध्यान में रखते हुए वह सब कुछ अपने भाषण में रखने की कोशिश करें। आपके श्रोता आपका भाषण क्यों सुनें? इसकी कोई वजह तो होनी चाहिए। शुरुआत में ही अपने भाषण को उनसे जोड़ने का प्रयत्न करें।

मुस्कराना न भूलें

मुस्कुराहट के साथ भाषण की शुरूआत करने से व्यक्ति खुश और सहज महसूस करता है। इसलिए भाषण से पहले एक बड़ी-सी स्माइल दें। कई लोग इसके जवाब में मुस्कुराएंगे, जिससे आप सहज होकर आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे।

जानकारी है जरूरी

आप यदि कुछ जानते नहीं हैं, तो उसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए टॉपिक के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ें और अलग-अलग स्रोतों से जानकारी हासिल करें। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा और आप अपनी बात को बुद्धिमत्ता से रख पाएंगे।

पढ़ाई में मन कैसे लगाएं

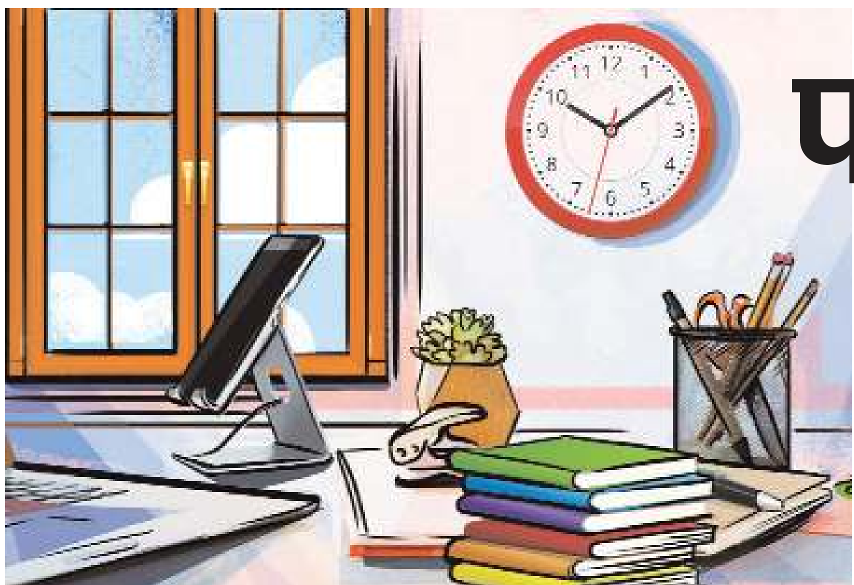

बहुत से छात्र ऐसे होते है जिनका मन पढ़ाई मे नहीं लगता है और वे जब भी पढ़ने बैठते है तो उनका मन कहीं और ही जाने लगता है और उनके मन मे कई प्रकार के विचार आने लगते है। इस कारण वे अच्छे से पढ़ाई नहीं कर पाते है और उनको परीक्षा मे कम अंक ही प्राप्त हो पाते है अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ने के बाद आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। क्योंकि हम आपको पढ़ाई मे मन लगाने और आपकी रुचि कैसे बढ़ेगी पढ़ाई के प्रति इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स व उपाय बता रहे है।

पढ़ाई मे अच्छे से ध्यान लगाएं

कुछ छात्र ऐसे होते है जो क्लास मे पढ़ाई के समय ध्यान नहीं देते है और बाद मे उन्हे कोई सवाल पूछा जाता है तो वे कहते है की समझ मे नहीं आया या फिर याद नहीं है तो आपको ऐसा बिलकुल भी नहीं करना है जब टीचर आपको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तो उनके द्वारा कहीं गई बातों को ध्यान से सुने और पढ़ाई मे मन लगाने का प्रयास करें ऐसे निरंतर करने से आपका मन पढ़ाई मे लग जाएगा और आपको पढ़ने की लत लग जाएगी।

नकारात्मक सोच को दूर करें

आपको हमेशा खुद पर पूरा विश्वास करना है की आप कुछ भी कर सकते है सभी विषयो की पढ़ाई करके उन्हे याद भी रख सकते है दोस्तो जो हम सोचते है हम वे सब काम कर सकते है और आप कुछ भी कर सकते है यह वादा आपको अपने आप से करना है और सच्ची मेहनत के साथ पढ़ाई मे मन लगाना है और अपने अंदर के नकारात्मक सोच व विचारो को दूर करके टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई निरंतर करते रहना है।

एकाग्रता बनाए रखे

दुनिया मे जो भी व्यक्ति सफल होते है वे अपनी एकाग्रता के कारण ही होते है इसलिए आप जब भी पढ़ाई करने जाए तो पूरी एकाग्रता के साथ अपने विषय पर ध्यान दे और उस टोपिक को पूरा क्लियर करने का प्रयास करें। पढ़ाई करते समय आपके मन मे और कोइर भी विचार नहीं आना चाहिए आपका पूरा फॉक्स पढ़ाई पर होना चाहिए।

अनुभव का उपयोग करें

अनुभव पढ़ाई मे भी बहुत काम आता है इसलिए आप हमेशा पापने द्वारा व दूसरों के द्वारा की गई गलतियों से सीखते रहे और उन्हे दुवारा ना होने दे। आपकी पुस्तक मे आने वाले चित्रो से आप बहतू कुछ सीख सकते है और आसानी से याद भी कर सकते है। आप अपनी क्लास या फिर किसी भी अच्छे छात्र से प्रेरणा भी ले सकते है और सही तरीके से पढ़ाई कर सकते है और जीवन मे आगे बढ़ सकते है।

पढ़ने का सही तरीका अपनाएं

दोस्तो आपको बता दे की पढ़ाई करने के बहुत से तरीके है लेकिन सबसे सही तरीका जो आपके अंदर आलस को दूर करता है आपका ध्यान पढ़ाई मे अधिक से अधिक लगता है वो है कुर्सी और टेबल पर ही पढ़ाई करनी चाहिए इस तरीको को अपनाते समय आपको थोड़े दिनो तक अलग सा लग सकते है लेकिन जब आप रेगुलर इस प्रकार पढ़ाई करेंगे तो आपकी रुचि अपने आप पढ़ाई के प्रति बढ़ती चली जाएगी और आप पढ़ाई मे होशियार बनते चले जाएंगे।

ऐसे बनाएं पढ़ाई की समय सारणी

आपको हमेशा और रेगुलर अच्छी पढ़ाई के लिए समय सारणी बनानी बहुत जरूरी है और इसका सभी तरीके से पालन करने से आप कभी भी पढ़ाई मे पीछे नहीं रहेंगे तो आइये जानते है पढ़ाई की समय सारणी कैसे बनाए। सभी भी आप अपनी पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करें तो आपको सभी विषयो के लिए रोजाना टाइम निकालकर पढ़ाई करना है और आपको पढ़ाई करते समय हर 45 से 01 घंटे के अंदर 5-10 मिनट का ब्रेक भी लेना सही होता है। आप पढ़ाई का वो समय निर्धारिक करें जिस समय आपको कोई और काम के लिए बाध्यता ना हो आप दिन या फिर रात कभी भी पढ़ाई कर सकते है। आपको जैसे भी अच्छा लगे लेकिन आपको अपनी पढ़ाई निरंतर व सभी विषयो की पढ़ाई समय सारणी के अनुसार ही करनी चाहिए।

पढ़ाई के बीच मे रेस्ट करने का समय निर्धारित करें

दोस्तो ऐसा नहीं है की आप कुछ दिनो के लिए पूरे दिन पढ़ाई करके ही सब कुछ सीख सकते है हा कुछ छात्र ऐसा भी करते है की वे परीक्षा के समय पूरे दिन पढ़ाई करते है और परीक्षा को पास कर लेते है लेकिन ऐसा करने से जीवन मे हमेशा सब कुछ कवर नहीं हो पाता है आपको अपनी पढ़ाई के बीच रेस्ट का भी ध्यान रखना है और निरंतर पढ़ाई करते रहना चाहिए। समय पूरा होने पर आपको फिर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिए।

अपने लेवल को चेक करते रहे

आपको अपनी पढ़ाई को सही तरीके से करते रहना है और समय-समय पर अपनी पढ़ाई के स्तर को चेक भी करते रहना है। ताकि आपको अपनी कमी का पता लग सके और आप उसे दूर कर सके। ऐसा करने से आपको पढ़ाई मे अधिक सगलता मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया, एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक को 'अवांछित व्यक्ति'

ईस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने नयी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को जासूसी में संलिप्त होने के आरोप में निष्कासित करते हुए 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा।पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य पर विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए उन्हें ''अवांछित व्यक्ति'' घोषित कर दिया।विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में यह भी कहा गया कि संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया, ''पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है।''बयान में कहा गया भारतीय उच्चायुक्त को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया तथा इस निर्णय से अवगत कराया गया। इससे पहले, भारत ने नयी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को जासूसी में संलिप्त होने के आरोप में निष्कासित करते हुए 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा।

संरा में मानवीय मामलों के प्रमुख ने गाजा को सहायता देने से रोक को लेकर इजराइल की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। फ्लेचर ने कहा, ''मैं आपसे एक पल के लिए यह सोचने को कहता हूं कि हम भविष्य की पीढ़ियों को क्या बताएंगे कि हमने 21वीं सदी के उस अत्याचार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जिसे हम गाजा में होते हर रोज देखते हैं।'' संयुक्त राष्ट्र में मानवीय मामलों के शीर्ष अधिकारी ने इजराइल की आलोचना करते हुए उस पर ''जानबूझकर और बेशर्मी से'' फलस्तीनियों पर अकाल जैसी अमानवीय स्थितियां थोपने का मंगलवार को आरोप लगाया। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों से कहा कि इजराइल ने 10 सप्ताह से अधिक समय पहले गाजा में सभी मानवीय प्रकार की सहायता को बाधित कर दिया जिसके कारण उनका काम ''बहुत मुश्किल'' हो गया है। फ्लेचर ने कहा, ''मैं आपसे एक पल के लिए यह सोचने को कहता हूं कि हम भविष्य की पीढ़ियों को क्या बताएंगे कि हमने 21वीं सदी के उस अत्याचार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जिसे हम गाजा में होते हर रोज देखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह सवाल हमसे हमेशा किया जाएगा।'' संयुक्त राष्ट्र में इजराइली मिशन ने फ्लेचर की टिप्पणियों के जवाब में कहा, ''इजराइल ऐसे किसी मानवीय तंत्र को स्वीकार नहीं करेगा जो उस हमास आतंकवादी संगठन को बढ़ावा देता हो जिसने हमारे लोगों की हत्या की।'' गाजा के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के निदेशक एंटोनी रेनार्ड ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि गाजा की एक चौथाई आबादी पर अकाल का खतरा है।

चीन करेगा सारे प्रोजेक्ट कैंसिल? शहबाज का सिर चकराया, मोदी-ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ क्या खेल कर दिया

बीजिंग, एजेंसी। जो लोग पाकिस्तान की मदद करते आ रहे थे वे अब उसे धमका रहे हैं। इससे शहबाज शरीफ से लेकर असिम मुनीर तक की हालत टाइट हो गई है। एक तरफ पाकिस्तान से तरह तरह की खबरे सामने आ रह है। रेडिएशन की वजह से मौतों की अपुष्ट रिपोर्ट आ रही है।

बिना मारे पाकिस्तान अब बुरी मौत मर रहा है। जो उसके दोस्त चीन और अमेरिका थे। उन्होंने भी पाकिस्तान के साथ चाल खेलनी शुरू कर दी है। दरअसल, अभी सीजफायर का उल्लंघन पाकिस्तान की तरफ से लगातार किया जा रहा था। भारतीय सीमा में ड्रोन दागे जा रहे थे। वही भारत की तरफ से पाकिस्तान को मुंह तोड़ ही नहीं ताबड़तोड़ तरीके से जवाब भी दिया जा रहा था। इसी बीच में डोनाल्ड की एंट्री हुई। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों को व्यापार रोकने की धमकी दी। जिसके बाद पाकिस्तान ने तुरंत ही सीजफायर लागू कर दिया। हालांकि भारत ने ट्रंप के व्यापार रोकने वाली धमकी के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। वहीं शहबाज शरीफ ने एक ट्वीट करते हुए बस ट्रंप को शुक्रिया कहा।

चीन भयंकर गुस्से में नजर आ रहा है। शी जिनपिंग ने फोन करके शहबाज शरीफ की खाट खड़ी कर दी है। बताया जा रहा है कि चीन की तरफ से जितने भी कर्ज पाकिस्तान को लेकर धमकी दी है। इसके साथ ही सारे प्रोजेक्ट खत्म करने तक की बात कह दी है। दरअसल, चीन का कहना ये है कि पाकिस्तान को हम फुल सपोर्ट कर रहे हैं। पाकिस्तान में हथियार पहुंचा रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान ट्रंप

को शुक्रिया कह रहा है। वो युद्ध विराम के लिए ट्रंप को आगे ला रहा है। चीन के लिए कोई चर्चा नहीं हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि इससे बौखलाए शी जिनपिंग ने इस्लामाबाद में फोन करके शहबाज शरीफ को जमकर लताड़ लगाई है। इससे पाकिस्तान घुटनों पर आता हुआ नजर आ रहा है।

जो लोग पाकिस्तान की मदद करते आ रहे थे वे अब उसे धमका रहे हैं। इससे शहबाज शरीफ से लेकर असिम मुनीर तक की हालत टाइट हो गई है। एक तरफ पाकिस्तान से तरह तरह की खबरे सामने आ रह है। रेडिएशन की वजह से मौतों की अपुष्ट रिपोर्ट आ रही है। सोशल मीडिया पर तमाम तरह के ट्वीट्स में दावे किए जा रहे हैं। एक तरफ हाहाकार मचा हुआ है। न्यूक्लियर बम को लेकर तरह तरह की खबर सामने आ रही है। दूसरी तरफ बीएलए ने भी पाकिस्तान को परेशान कर रखा है। बलूच लिबरेशन आर्मी लगातार पाकिस्तान पर हमले कर आगे बढ़ रही है।

बलूचिस्तान की आजादी को लेकर बीएलए संघर्ष कर रही है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना और पुलिस के 39 ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। बीएलए ने अपने हमलों में स्थानीय पुलिस स्टेशनों, पुलिस काफिलों और अन्य राज्य मार्गों के साथ साथ बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। बीएलए ने पंजगूर और होसाब में पुलिस स्टेशनों सहित सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया है और पुलिस के हथियार जब्त कर लेने का दावा किया है।

पाकिस्तान के बाद अब आका चीन के प्रोपेगैंडा पर भारत का प्रहार, ग्लोबल टाइम्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया था। भारत ने एक चीनी मीडिया आउटलेट की कड़ी आलोचना की थी और उसे गलत सूचना फैलाने से पहले तथ्यों को सत्यापित करने और स्रोतों की जांच करने के लिए कहा था।चीनी सरकारी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स का एक्स अकाउंट भारत में बंद कर दिया गया है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र माना जाता है। भारत में यूजर्स द्वारा इसके एक्स पेज को ओपन करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्हें ग्लोबल टाइम्स का अकाउंट भारत में कानूनी मांग के जवाब में बंद कर दिया गया है जैसा मैसेज स्कीन पर लिखा नजर आ रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर की कवरेज के बाद भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। भारत ने एक चीनी मीडिया आउटलेट की कड़ी आलोचना की थी और उसे गलत सूचना फैलाने से पहले तथ्यों को सत्यापित करने और स्रोतों की जांच करने के लिए कहा था। यह प्रतिक्रिया ग्लोबल टाइम्स द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आई थी जिसमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने पाकिस्तान में कई ठिकानों पर रात भर भारतीय हवाई हमलों के जवाब में एक और भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया गया था। ग्लोबल टाइम्स ने सैन्य सूत्रों का हवाला देते हुए फेक रिपोर्ट पब्लिश की थी कि यह तीसरा भारतीय लड़ाकू विमान है जिसे रातभर के हमलों के जवाब में मार गिराया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के आधिकारिक हैंडल से एक्स पर कई पोस्ट में कहा गया, हम आपको सलाह देंगे कि इस तरह की गलत सूचना को फैलाने से पहले आप अपने तथ्यों को सत्यापित कर लें और अपने स्रोतों की जांच कर लें। दूतावास ने सोशल मीडिया पर दैनिक के पोस्ट पर सवाल उठाया क्योंकि इसमें पाकिस्तान वायु सेना के दावों के बारे में पोस्ट किया गया था। इसमें कहा गया, ÷कई पाकिस्तान समर्थक हैंडल ऋऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में निराधार दावे फैला रहे हैं, जो जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

भयानक भूकंप, फेमस टूरिस्ट शहर क्रेते में 6.3 की तीव्रता से कांपी धरती, लोगों में दहशत का महौल

क्रेते , एजेंसी। दक्षिणी यूरोप और उत्तर अफ्रीका के बीच फैली ज़मीन बुधवार को अचानक हिल उठी। ग्रीस के लोकप्रिय पर्यटन स्थल क्रेते में बुधवार को रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी है। भूकंप की गहराई 83 किलोमीटर बताई गई है, जिससे तीव्र झटका महसूस तो हुआ, लेकिन राहत की बात यह रही कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन टीमें सतर्क हो गई हैं और इलाके की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। नागरिकों से भी संयम और सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

ग्रीस तक ही नहीं, मिस्र के उत्तरी क्षेत्रों में भी इस भूकंप के झटके महसूस किए गए। मिस्र के नेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड जियोफिजिक्स के अनुसार, वहां 431 किलोमीटर दूर समुद्री क्षेत्र में 6.4 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। हालांकि, वहां से भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

गौरतलब है कि 6.0 से 6.9 तीव्रता का भूकंप शक्तिशाली श्रेणी में आता है, जो यदि जमीन के बहुत पास हो, तो भारी तबाही ला सकता है। हालांकि, गहराई 80 किलोमीटर से अधिक होने की वजह से इस बार इसका असर सीमित रहा और बड़ी तबाही नहीं हुई।

अमेरिका-सऊदी अरब में 12.1 लाख करोड़ रुपए की डिफेंस डील

इस्लामाबाद एजेंसी। भारत से टकराने के लिए पाकिस्तान ने तुर्की के बनाए ड्रोन का सहारा लिया, लेकिन यह फैसला उसकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ। तुर्की की ड्रोन निर्माता कंपनी क्क्षु4द्मड्ढ ने पाकिस्तान को ऐसे ड्रोन दिए जो यूक्रेन-रूस युद्ध में पहले ही असफल हो चुके थे। अब जब पाकिस्तान ने इनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया, तो भारत की मजबूत एयर डिफेंस प्रणाली ने इन्हें हवा में ही उड़ा दिया।

हाल ही में पाकिस्तान ने भारत के कई इलाकों में एक साथ ड्रोन भेजे, जो तुर्की से मिले थे। लेकिन भारतीय सेना ने इन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी ड्रोन को मार गिराया। इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान की योजना को पूरी तरह नाकाम कर दिया।इसके उलट उसने पाकिस्तान को ये ड्रोन बेच दिए। लेकिन यही ड्रोन पहले यूक्रेन-रूस युद्ध में भी नाकाम साबित हो चुके हैं। रूस ने जब अपने एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत किया, तो ये ड्रोन टारगेट तक पहुँचने से पहले ही मार गिराए गए। यूक्रेन ने भी बाद में इन तुर्की ड्रोन का इस्तेमाल सिर्फ निगरानी और सेना की मूवमेंट प्लानिंग के लिए करना शुरू कर दिया। भारत ने इस से सबक सीखा, लेकिन पाकिस्तान तुर्की के झांसे में आ गया।

जब पाकिस्तान ने तुर्की के ड्रोन भारत की ओर भेजे, तो भारतीय वायुसेना और थलसेना ने मेड-इन-इंडिया ड्रोन और इजरायली 'हरोप' का इस्तेमाल करके इन्हें खत्म कर दिया। 'हरोप' ऐसे ड्रोन होते हैं जो दुश्मन के ठिकाने की पहचान करने के बाद खुद को विस्फोट कर उड़ाते हैं।

7 से 10 मई के बीच चले संघर्ष में भारत के इन 'कमांडो ड्रोन' ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। वहीं पाकिस्तान और तुर्की को समझ में आ गया कि भारत की तकनीकी तैयारी और जवाबी क्षमता कितनी मजबूत है।

राष्ट्रपति एर्दोगन का सपना है कि वह मुस्लिम देशों का नेता बने, इसलिए वह पाकिस्तान जैसे देशों को समर्थन दिखाते हैं। लेकिन यह सिर्फ राजनीतिक दांव-पेच है। तुर्की ने पाकिस्तान को जो ड्रोन दिए, वो यूक्रेन को दिए गए असली वर्जन से कमजोर थे। यानी पाकिस्तान को एक तरह से सस्ते और पुराने ड्रोन थमा दिए गए। अब जब ये ड्रोन भारत के खिलाफ फेल हो गए, तो तुर्की ने खुद को बचाने के लिए एक जूनियर अफसर के ज़रिए बयान दिलवाया, जिससे उसकी हताशा साफ दिखती है।

भारत के एक्शन से बौखलाया पाकिस्तान, भारतीय अधिकारी को दिया 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत द्वारा आतंकियों पर की गई कार्रवाई और फिर पाकिस्तान द्वारा हमले की कोशिश करने के बाद मिले करारा जवाब के बाद पाकिस्तान की सरकार अब बौखला चुकी है।

इस बीच पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को जासूसी के आरोप में आवंछित घोषित कर दिया। पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक और उनके परिवार को 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान छोड़ने को कहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है।

पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के साथ असंगत गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अदिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं होने वाली गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया था।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में अपने आधिकारिक दर्जे के अनुरूप गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है। अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने को कहा गया है। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया था। यह हमला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक हमले का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराने के अलावा, इन हमलों में पाकिस्तान के अंदर 11 एयर बेस को निशाना बनाया गया और उनकी सैन्य क्षमताओं को काफी नुकसान पहुंचाया गया। हवाई, जमीनी और समुद्री अभियानों को संयमित तरीक़े से अंजाम दिया गया, जिसमें नागरिकों की कम से कम हताहत होने पर ज़ोर दिया गया।

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

हमले से 1 महीने पहले से ही मुनीर खरीद रहे थे पहलगाम की सैटेलाइट इमेज, अमेरिका के खुलासे से फंसा पाकिस्तान

वाशिंगटन, एजेंसी। बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) र कंपनी है। ये पाकिस्तानी कंपनी है। पहलगाम हमले के कुछ दिनों पहले अचानक पाकिस्तान की बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने अमेरिका की कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर पहलगाम की सैटेलाइट इमेज का ऑर्डर दिया।

पहलगाम में जब हमला हुआ उससे पहले वहां की सैटेलाइट तस्वीरें पाकिस्तान ने खरीदी थी। सैटेलाइट इमेज बेचने वाली कंपनी मैक्सर से पाकिस्तानी फर्म बीएसआई ने ये तस्वीरें खरीदी और उसके बाद किस तरह से पहगलाम में हमला करने की साजिश रची गई। भारत के मीडिया संस्थान द प्रिंट ने पहलगाम हमले और उसके बाद के घटित घटनाक्रम को लेकर बहुत बड़े खुलासे किए हैं। दरअसल, अमेरिका की एक कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी भू स्थानिक फर्म है। वो सैटेलाइट इमेज कैप्चर करती है। उसके पास रियल टाइम इमेज होता है। वहीं बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) र कंपनी है। ये पाकिस्तानी कंपनी है। पहलगाम हमले के कुछ दिनों पहले अचानक पाकिस्तान की बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने अमेरिका की कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर पहलगाम की सैटेलाइट इमेज का ऑर्डर दिया।

लगातार जब तक ये घटना घटी नहीं यानी 1 तारीख तक रोजाना बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने मैक्सार टेक्नोलॉजी से वो मेज मंगाते रहे। ये बीएसआई कंपनी का मालिक अब्दुल्ला सैय्यद है। सैय्यद पाकिस्तान के परमाणु हथियार कार्यक्रम में सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। 2020 में अमेरिका ने बीएसआई की जांच की थी। होमलैंड सिक्योरिटी ने तब पाया कि अब्दुल्ला सैय्यद के पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय और एनडीसी व परमाणु ऊर्जा आयोग से सीधे संबंध रहे हैं। वहां के कोर्ट ने बकायदा इस कंपनी को अमेरिका में बैन कर रखा है। 2020 में अमेरिकन कोर्ट इस पर बैन लगाता है। फिर अब्दुल्ला सैय्यद दूसरी कंपनी बनाकर 2023 में मेक्सार टेक्नोलॉजी के साथ फिर से पार्टनरशिप कर लेता है। बड़ा खुलासा ये है कि अब्दुल्ला सैय्यद पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय के सीधे संपर्क में था।

मैक्सार टेक्नोलॉजी से इसने जो सारे सैटेलाइट इमेज खरीदे वो पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय को सुपुर्द किए हैं। रिपोर्ट में इसके एवज में पैसे के ट्रांजक्शन के भी सबूत हैं। मतलब साफ है कि पहलगाम का हमला पाकिस्तानी आर्मी ने बकायदा प्लान किया। सैटेलाइट इमेट पाकिस्तानी आर्मी को मिले। पहलगाम के लगातार 21 दिनों तक रियल टाइम इमेज वहां की आर्मी स्टडी करती रही। जिस दिन हमला हुआ यानी 22 अप्रैल को तो 21 अप्रैल से ही वो ऑर्डर बंद हो जाता है। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मैक्सार ने अपने पार्टनर पेज से बीएसआई को हटा दिया और इस बात से इनकार किया कि बीएसआई ने पहलगाम की तस्वीरें मंगवाई थीं।

ब्रिटेन पीएम स्टार्मर की नई इमिग्रेशन पॉलिसी, 5 की जगह 10 साल तक रहने वालों को ही मिलेगी स्थाई नागरिकता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने नई इमिग्रेशन पॉलिसी की घोषणा की। इससे ब्रिटेन में स्थायी रूप से रहना और कठिन हो गया है। स्थायी निवास के लिए आवेदन करना हो तो प्रवासी को अब 10 साल ब्रिटेन में ही रहना अनिवार्य होगा। पहले यह अवधि सिर्फ 5 साल के लिए थी। ब्रिटिश पीएम की इस घोषणा का असर भारतीय नागरिकों को भी पड़ेगा, जिनकी ब्रिटेन में बड़ी संख्या है। साल 2023 में करीब ढाई लाख भारतीय पढ़ाई और काम के सिलसिले में ब्रिटेन आए थे। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं के अनुसार, सभी वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं को कड़ा किया गया है। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं में केयर सेक्टर में विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाई गई है। स्नातक वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में ही रहने की अवधि जो पहले 2 साल की थी, उसे घटाकर डेढ़ साल कर दिया गया है। अब स्किल्ड वीजा के लिए सिर्फ ए लेवल नहीं, डिग्री लेवल की योग्यता आवश्यक होगी।

दो दशकों की साझेदारी, प्रगति और बदलाव का जश्न मनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स एवं एथलेजर फुटवियर ब्राण्ड्स में से एक कैंपस एक्टिववियर ने अपनी सबसे विशाल डिस्ट्रीब्यूटर मीट—शूकेस 2025 का आयोजन किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में देश भर से 180 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनर्स एक मंच पर इकट्ठा हुए, जिन्होंने 'मुव टुगेदर एण्ड ग्रो टुगेदर' की थीम के साथ साझा विकास, उद्यमिता एवं आपसी सहयोग की दो दशकों की यात्रा का जश्न मनाया। कैंपस की विचारधारा 'मुव यॉर वे' से प्रेरित यह आयोजन ब्रांड की उस दृढ़ सोच का प्रतीक था, जो व्यक्तिगत पहचान, रूपांतरण और प्रगति में विश्वास रखती है— एक ऐसा साझा जो सामूहिक भावना की शक्ति पर आधारित हैं। चाहे यह व्यवसाय में पहला कदम रहा हो या किसी चुनौती के बाद पुन: उभरने की यात्रा—कार्यक्रम के दौरान ऐसी हर कहानी का जश्न मनाया गया जो एक साथ मिलकर आगे बढ़ते हुए प्रत्यास्थता का प्रमाण देती है। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित एक भावनात्मक

फिल्म थी, जो कैंपस के डिस्ट्रीब्यूटर परिवार की असली कहानियों को जीवन्त रूप में प्रस्तुत करती है। सेल्समैन से सफल उद्यमी बनने तक की यात्रा हो या व्यक्तिगत और आर्थिक कठिनाइयों के बाद व्यापार को दोबारा खड़ा करने की कहानी— इस फिल्म ने साहस, विश्वास और साझी सफलता से भरे सफरों को सम्मानित किया। हर कहानी में एक भावना बार-बार उभरकर सामने आई— कैसे कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड के चेयरमैन श्री एच.के. अग्रवाल की मार्गदर्शिका, समर्थन और विश्वास ने न सिर्फ व्यवसायों को, बल्कि ज़िंदगियों को भी बदला हैं। शूकेस 2025 न सिर्फ एक उपलब्धि है- बल्कि हमारे प्रयोजन और हमारी साझेदारियों की पुष्टि है। श्री निखिल अग्रवाल, होल-टाईम डायरेक्टर एवं सीईओ, कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड ने कहा। हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स बिज़नेस पार्टनर्स से कहीं बढ़कर है- वे हमारी यात्रा के सह-निर्माता हैं। हम ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं जो डिज़ाइन, इनोवेशन एवं युवाओं की संस्कृति से प्रेरित है, ऐसे में हम भरोसे और साझा महत्वाकांक्षा के साथ जुड़े हुए हैं। हमें गर्व है कि हम उनके साथ मिलकर विकसित हो रहे हैं और एक साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम के डिजिटल-उन्मुख भाव को ध्यान में रखते हुए शूकेस 2025 से पहले एआई-पावर्ड पर्सनलाइज़्ड निमंत्रण भेजे गए थे, जिसने इस सोच-समझकर डिज़ाइन किए गए और टेक्नोलॉजी-संवर्धित अनुभव की नींव रखी।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में 2,516.2 करोड़ के राजस्व का आंकड़ा पार किया

इंदौर, एजेंसी। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन, श्री दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा- हमें यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा है, जिसमें सभी प्रमुख मानकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हमने अब तक का सर्वाधिक राजस्व 2,516.2 करोड़ दर्ज किया, जो वर्ष दर वर्ष 83.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है, जबकि शुद्ध लाभ में 188.2 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 408.4 करोड़ तक पहुंच गया। यह प्रभावशाली टॉपलाइन ग्रोथ हमारे घरेलू और निर्यात दोनों व्यवसायों में शानदार प्रदर्शन के चलते संभव हुई है। साथ ही, ऑपरेशन में दक्षता पर हमारे निरंतर ध्यान ने लाभ और मार्जिन को भी सशक्त किया है। हमारी वित्तीय सतर्कता का प्रमाण है कि हमने एफवाय25 में उच्च राजस्व के बावजूद रसीवेबल डेज़ को प्रभावी ढंग से घटाया है। एफवाय24 में जहाँ रसीवेबल डेज़ 178 से अधिक थे, वहीं एफवाय25 में यह घटकर 152 दिन रह गए हैं। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह ट्रेंड और बेहतर होगा। हमारा निर्यात व्यवसाय लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है, जिसमें एफवाय25 में 52.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 436.8 करोड़ का राजस्व दर्ज किया गया। अमेरिका, अफ्रीका, एशिया और मिडिल ईस्ट जैसे क्षेत्रों में हमारी मजबूत उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि यह व्यवसाय स्टेबल और सस्टेनबल बना रहेगा। हमारा मजबूत ऑर्डर बुक 1,654.6 करोड़ का है और लगातार ऑर्डर प्राप्त होने से हमें एफवाय26 और उसके बाद भी मजबूत वृद्धि हासिल करने का पूरा विश्वास है।

पस्त पड़ा है बिस्किट बनाने वाली कंपनी का शेयर, एक्सपर्ट बोले- मुनाफे के लिए खरीदो

नईदिल्ली, एजेंसी। वैसे तो बिस्किट, ब्रेड जैसे बेकरी खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को बिकवाली मोड में नजर आए लेकिन इसको लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। तमाम एक्सपर्ट इस शेयर को खरीदने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि अभी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर 5450 रुपये के नीचे कारोबार कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि किस एक्सपर्ट ने क्या टारगेट प्राइस दिया है।

ब्रोकरेज का अनुमान

ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर ने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के शेयर के लिए टारगेट प्राइस 5941 रुपये दिया है। एलारा सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की रेटिंग घटाकर कम कर दी है। इस डाउनग्रेड के बावजूद, एलारा ने ब्रिटानिया के लिए अपने लक्ष्य मूल्य को 5,200 से बढ़ाकर 5,710 कर दिया है।

कैसे रहे मार्च तिमाही के नतीजे

बीते दिनों ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में मुनाफा 4.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 559.13 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 536.61 करोड़ रुपये रहा था। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पाद बिक्री से कंपनी का राजस्व नौ प्रतिशत बढ़कर 4,375.57.30 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही में परिचालन आय 8.9 प्रतिशत बढ़कर 4,432.19 करोड़ रुपये हो गई।

खर्च और कमाई- जनवरी-मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल खर्च 10.34 प्रतिशत बढ़कर 3,738.63 करोड़ रुपये हो गया। कुल आय (जिसमें अन्य आय भी शामिल है) 8.9 प्रतिशत बढ़कर 4,495.21 करोड़ रुपये हो गई। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा दो प्रतिशत बढ़कर 2,177.86 करोड़ रुपये हो गया।

डिविडेंड का ऐलान- ब्रिटानिया ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एक रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक शेयर पर 75 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की।

इसके अलावा ब्रिटानिया के निदेशक मंडल ने मैनेजमेंट में बदलाव भी किया। कंपनी ने वरुण बेरी को कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भी नामित किया है।

पाकिस्तान ने कराया चीन का कराया भारी नुकसान! इस एक वजह से ड्रैगन्स में मचा हड़कंप

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन की डिफेंस कंपनियों के शेयरों में लगातार भारी गिरावट देखी जा रही है। अधिकतर कंपनी के शेयर क्रैश हो रहे हैं। दरअसल, भारत द्वारा पाकिस्तान में चीन की धाकड़ फाइटर जेट गिराए जाने के बाद से ही डिफेंस शेयरों में गिरावट आ रही है। इसके अलावा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद और चीन ने निवेशकों में टेंशन का माहौल है। बता दें कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा ग्राहक है। पाकिस्तान चीन से हथियार खरीदता है। ऐसे में युद्ध पर विराम लगने से चीनी निवेशकों को नुकसान हो रहा है। हैंग सेंग चाइना ए एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडेक्स लगातार दूसरे सत्र में 1.3 प्रतिशत टूट गए।

इन शेयरों में गिरावट- इंडेक्स के प्रमुख कंपोनेंट, जिनमें चाइना एयरोस्पेस टाइम्स इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड (लॉन्ग मार्च लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड), ब्राइट लेजर टेक्नोलॉजीज, नॉर्थ इंडस्ट्रीज ग्रुप रेड एरो कंपनी, शीआन ट्रायंगल डिफेंस, चाइना स्पेससैट, बीजिंग बेई और एवीआईसी एयरक्राफ्ट शामिल हैं।

एनएसडीसी इंटरनेशनल केयरगिवर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर दे रहा विश्वस्तरीय अवसर

मुंबई एजेंसी। एनएसडीसी इंटरनेशनल दुनिया भर में केयरगिविंग सेगमेन्ट में कौशल की खामियों को दूर करने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है, एनएसडीसी इंटरनेशनल ने ग्लोबल हेल्थकेयर की क्षमता बढ़ाने के लिए तकरीबन 1 लाख केयरगिवर्स को प्रशिक्षित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में इन प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। अब तक संगठन हज़ारों कुशल केयरगिवर्स को जर्मनी, जापान, यूके और इज़रायल जैसे देशों में नौकरियों के अवसर उपलब्ध करा चुका है। इस प्रशिक्षण के तहत उम्मीदवारों को विशेष सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण तथा अंग्रेज़ी, जर्मन एवं जापानी भाषाओं में कौशल प्रदान किया गया है। ताकि उनकी रोज़गार क्षमता बढ़े और वे दुनिया के विभिन्न कोनों में अस्पतालों एवं चिकित्सा संस्थानों में नौकरी पाकर अपनी सेवाएं प्रदान कर सकें। हाल ही में कुछ प्रमुख जापानी एवं जर्मन कंपनियों ने एनएसडीसी इंटरनेशनल (एनएसडीसी की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी) के उम्मीदवारों को आकर्षक वेतन के साथ नौकरी दी थी, जो संगठन द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता को दर्शाता है।

मिलिये स्टाइलिश सासु मांओं से, जो अपने आइकॉनिक साड़ी लुक्स से टीवी पर फैशन को दे रही हैं नया मुकाम!

मुंबई, एजेंसी। जब बात दिलों पर राज करने और स्टाइल का ट्रेंड सेट करने की हो, तो टेलीविज़न की आइकॉनिक सासुएं हमेशा आगे रही हैं – परंपरा की मिठास, रंगों की चमक और अपने दिलकश अंदाज़ के साथ! प्रसिद्ध ऐक्टर्स हिमानी शिवपुरी और सोमा राठौड़ क्रमश: 'हप्पू की उलटन पलटन' में कटोरी अम्मा और 'भाबीजी घर पर हैं' में रामकली (अम्मा) की अपनी प्यारी भूमिकाओं के लिये मशहूर हैं। उन्होंने अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि अनापेक्षित रूप से फैशन आइकन्स बनकर भी उभरी हैं। इनकी साड़ियों की स्टाइल, जिनमें रंग-बिरंगे कॉटन से लेकर रिच बनारसी साड़ियां तक शामिल हैं, हर पीढ़ी के फैन्स को आज भी प्रेरित करती है। हर एपिसोड के साथ टीवी की ये सासू मांएं भारतीय कारीगरी और पारंपरिक तरीके से बनाये गये परिधानों को फ़िर से जीवंत करती है, जिससे देसी फैशन ना सिर्फट्रेंडी बल्कि गर्व और प्रेरणा का कारण बन जाता है। हिमानी शिवपुरी, जो कटोरी अम्मा का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, कटोरी अम्मा का वाइब्रेंट कॉटन साड़ियों के साथ विंटेज ज्वैलरी पहनने का अंदाज दर्शकों को पसंद है। मैं हमेशा से ही साड़ियों की शौकीन रही हूं, और इस भूमिका ने मुझे भारतीय कारीगरों द्वारा बनाई गई कुछ बेहद खूबसूरत साड़ियां पहनने का मौका दिया है। मुझे बेहद खुशी होती है और संतोष मिलता है जब फैंस, खासकर महिलाएं, शो में पहनी जाने वाली साड़ियों के बारे में बात करती हैं। मुझे याद है कि हाल ही में लखनऊ यात्रा के दौरान, जब मैं एक व्यस्त बाजार में साड़ी खरीद रही थी, एक दुकानदार ने अचानक मुझे पहचान लिया और कहा, 'अम्मा जी, आपका शो तो रोज़ देखता हूं, और आपकी साड़ी का स्टाइल बहुत पसंद है, लोग कहते हैं कि कटोरी अम्मा वाली साड़ी दिखाइए!' वह पल सच में मुझे छू गया। यह अविश्वसनीय है कि एक काल्पनिक किरदार असल जिंदगी के फैशन निर्णयों पर इस तरह का प्रभाव डाल सकता है और दर्शकों से गहरा जुड़ाव बना सकता है। साड़ियां हमेशा मेरे दिल के करीब रही हैं।

गुरुग्राम में 298 ट्रंप रेजिडेंसिज लॉन्च

पहले दिन ही सभी बिके, कीमत सुनकर रह जाएंगे दंग

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में लॉन्च हुए ट्रंप रेजिडेंसिज के सभी 298 अपार्टमेंट पहले ही दिन बिक गए। कुल 3,250 करोड़ रुपये की सेल हुई। स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स और ट्राइबेका डेवलपर्स ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि दिल्ली-एनसीआर में बेहद लक्जरी ब्रांडेड रेजिडेंसीज की बढ़ती मांग इस प्रोजेक्ट की तेजी से बिक्री से साफ दिखती है।

- **रेजिडेंसिज की कीमत 8 करोड़ से 15 करोड़ रुपये-** सेक्टर 69, गुरुग्राम में बने इन रेजिडेंसिज की कीमत 8 करोड़ से 15 करोड़ रुपये के बीच है। यहां दो टावर हैं, जिनमें से हर एक 51 मंजिल ऊंचा है। यह प्रोजेक्ट द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर बनाया जा रहा है, जो दुनिया भर में अपने ब्रांड वाले लक्जरी प्रोजेक्ट्स के लिए मशहूर है। इस प्रोजेक्ट में स्मार्टवर्ल्ड निर्माण, डेवलपमेंट और ग्राहक अनुभव की जिम्मेदारी संभाल रहा है, जबकि ट्राइबेका डिजाइन, मार्केटिंग, सेल्स और क्वालिटी कंट्रोल की देखरेख कर रहा है।

स्मार्टवर्ल्ड के संस्थापक पंकज बंसल ने कहा, ट्रंप रेजिडेंसिज को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स भारत में विश्वस्तरीय जीवन की आकांक्षा का प्रमाण है। ट्राइबेका के संस्थापक कल्पेश मेहता ने कहा, यह लॉन्च ट्रंप ब्रांड की अद्वितीय पहचान और भारत के समझदार खरीदारों पर इसके प्रभाव को दिखाता है।

- **भारत में ट्रंप-ब्रांडेड रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट-** गुरुग्राम में यह ट्रंप-ब्रांडेड रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट दूसरा और भारत में छठा है। अब तक भारत में पुणे, मुंबई, कोलकाता और गुरुग्राम के चार प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं।

अमेरिका के बाहर भारत ट्रंप ब्रांड का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। इस साल की शुरुआत में स्मार्टवर्ल्ड और ट्राइबेका ने गुरुग्राम प्रोजेक्ट के लिए 2,200 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इसके अलावा, मार्च 2025 में ट्राइबेका ने कुंदन स्पेसेज के साथ मिलकर पुणे में 2,500 करोड़ के ट्रंप वर्ल्ड सेंटर (कमर्शियल प्रोजेक्ट) की शुरुआत की थी।

सीजफायर के बाद लोगों ने बनाया रिस्क लेने का मूड, सोना-चांदी हुए धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर टलने और भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद दुनिया भर के शेयर बाजारों में तेजी आई और लोगों ने रिस्क लेने का मूड बना लिया। नतीजा सोने जैसे सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की डिमांड कम हो गई। सोने-चांदी के भाव में आज यानी बुधवार 14 मई को बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 568 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर आज 93776 रुपये पर खुला। जबकि, चांदी 871 रुपये टूटकर 95949 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर वाला है।

जीएसटी के साथ क्या है भाव- जीएसटी के साथ आज सोना 96589 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 98827 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। 5324 रुपये सस्ता हो चुका है। 22 अप्रैल 2025 को सोना 99100 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर था।

इस साल चांदी से दोगुनी रफ्तार से भागा सोना- इस साल सोना करीब 18036 रुपये और चांदी 9932 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

सोना अपने ऑल टाइम हाई से आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 565 रुपये सस्ता होकर 93401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 420 रुपये टूटकर 85899 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी सस्ता होकर 70332 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 332 रुपये लुढ़क होकर 54859 रुपये पर आ गई है।

1,00,000 के स्तर से फिसलकर इस लेवल पर सोना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर और यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर संघर्षविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जहां अक्षय तृतीया के आसपास सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहा था, वहीं अब यह घटकर जीएसटी समेत लगभग 96000 पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी 1,00,000 के स्तर से फिसलकर 96,500 प्रति किलो के करीब पहुंच गई है। पिछले 10-12 दिनों दोनों कीमती धातुओं में लगभग 4000 रुपए की गिरावट देखी गई। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के निदेशक अनूप सराफ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह समय गहनों की खरीदारी और लम्बे समय के निवेश के लिए सही है। कीमतों में आई यह नरमी ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन मौका लेकर आई है।

क्यों गिर रहा सोने का भाव- अमेरिका और चीन ने 3 महीने के लिए एक-दूसरे पर लगे टैरिफ (आयात शुल्क) कम करने का फैसला किया है। अमेरिका ने चीन के सामान पर टैरिफ 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया और चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ 125 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कर दिया।

डिफेंस शेयर को खरीदने की मची होड़

- **डबल हो गया कंपनी का मुनाफा, 15 प्रतिशत चढ़ा शेयर**

नईदिल्ली, एजेंसी। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के शेयरों में बुधवार, 14 मई को 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी के शेयर 2194.20 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, राज्य के स्वामित्व वाली डिफेंस शिपबिल्डर का मुनाफा मार्च तिमाही में डबल हो गया है। कंपनी ने कहा है कि मजबूत रेवेन्यू बढ़ोतरी और मार्जिन विस्तार के कारण कंपनी का प्रॉफिट साल-दर-साल दोगुना से अधिक हो गया।

लाभ में उछाल, मार्जिन में सुधार- जीआरएसई का प्रॉफिट वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 118.9 प्रतिशत बढ़कर 244.2 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 111.6 करोड़ रुपये था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत राजस्व वृद्धि और बेहतर परिचालन दक्षता के कारण संभव हुआ। कंपनी का रेवेन्यू 1,642 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2024 तिमाही के 1,015.7 करोड़ रुपये से 61.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने 219 करोड़ रुपये का इबीआइटीडीए दर्ज किया, जो पिछले साल के 90.6 करोड़ रुपये से 141.8 प्रतिशत अधिक है, जबकि इबीआइटीडीए मार्जिन 13.3 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 8.9 प्रतिशत था।

डिविडेंड भी दे रही कंपनी

कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4.90 प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। डिविडेंड का भुगतान कंपनी की आगामी 109वीं वार्षिक आम बैठक में इसकी घोषणा के 30 दिनों के भीतर किया जाना है।

स्टॉक के हाल

डिफेंस स्टॉक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 2,834.60 से लगभग 23 प्रतिशत नीचे बना हुआ है, जो जुलाई 2024 में पहुंचा था। पिछले एक साल में, इस शेयर ने 111 प्रतिशत की बढ़त के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। मासिक आधार पर, तत्रस्थ ने मजबूती से ऊपर की ओर बढ़त दर्ज की है, जो अप्रैल में 14 प्रतिशत की बढ़त और मार्च में 34 प्रतिशत की प्रभावशाली बढ़त के बाद मई में 13.5 प्रतिशत बढ़ा है।

500 जूनियर आर्टिस्ट के सामने घबरा गईं सामंथा?

सामंथा रूथ साउथ की मशहूर एक्ट्रेस हैं, अब वह हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आती हैं। साउथ फिल्मों में उनकी इमेज चुलबुले किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की रही लेकिन एक फिल्म में आइटम डांस करके एक्ट्रेस ने अपनी इमेज को बदल दिया। इसी गाने की शूटिंग करना सामंथा के लिए काफी मुश्किल रहा। शूटिंग से जुड़े एक्सपीरियंस को साझा कर रही हैं, सामंथा।

आइटम डांस को चुनौती की तरह लिया

हाल ही में बातचीत में सामंथा कहती हैं, 'अपनी पूरी जिंदगी में मैंने खुद को एक हॉट लड़की नहीं माना। लेकिन फिल्म 'पुष्पा' के ऊ अंटावा आइटम सॉन्ग का जब ऑफर मिला तो मुझे लगा कि हां मैं ऐसी दिख सकती हूं। दरअसल, मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया था। यह गाना मेरे लिए एक चुनौती था।'

डांस से पहले नर्वस थी

सामंथा आगे कहती हैं, 'मुझे असल में हॉट दिखना था? मैं हमेशा क्यूट, चुलबुली लड़की का किरदार निभाती थी। लेकिन यह आइटम डांस अलग था, इस डांस में मैं ऐसी दिखी, जो मैं असल में नहीं हूं। वैसे इसे गाने को करते हुए मैं बहुत नर्वस थीं। मैं शॉट से पहले 500 जूनियर आर्टिस्ट के सामने कांप रही थी।' एक्ट्रेस सामंथा के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह एक वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में दिखीं, इसमें वरुण धवन भी थे। वह एक वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' भी कर रही हैं। बतौर प्रोड्यूसर भी सामंथा की एक फिल्म इस साल रिलीज होगी। सामंथा ने यह भी घोषणा की थी, उनके प्रोडक्शन हाउस तले बनने वाली फिल्मों में सभी को समान वेतन मिलेगा।

प्रियंका चोपड़ा ने सैफ अली खान के लाडले को दी क्या सलाह?

फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले एक्टर इब्राहिम अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के बाद इब्राहिम को मिले-जुले रिएक्शन्स मिले। इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकारों ने इब्राहिम को सलाह दी। ऐसा ही एक संदेश ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा की तरफ से भी सैफ के लाडले को मिला। इब्राहिम ने अब एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया है।

इब्राहिम को प्रियंका चोपड़ा की सलाह

'जी क्यू इंडिया' के साथ इंटरव्यू में अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए इब्राहिम ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म देखने के बाद उन्हें एक मैसेज भेजा। इब्राहिम ने कहा, 'प्रियंका ने मैसेज भेजा कि उन्हें मेरी फिल्म पसंद आई है और मेरा भविष्य काफी ब्राइट है।' आगे बात करते हुए इब्राहिम ने कहा, 'उन्होंने मुझे कहा कि बस ऐसे ही मेहनत करते रहो और हमेशा ऐसे ही आगे बढ़ते रहना। प्रियंका जैसी सुपरस्टार से ये बात सुनना मेरे लिए काफी प्रेरणादायक था। इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला।'

एक्टिंग को करियर क्यों चुना?

इस इंटरव्यू में इब्राहिम ने बताया कि उन्हें बहुत कम उम्र से ही फिल्मों की दुनिया को करीब से देखा है। वो अक्सर अपने पिता के साथ सेट पर जाया करते थे और वहीं से उनके दिल में अभिनय का बीज पड़ा। हालांकि, एक्टिंग को करियर के रूप में लेने का फैसला उन्होंने खुद की इच्छा से लिया और इस पर कोई बाहरी दबाव नहीं था। फिल्म 'नादानियां' के प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी पहली फिल्म वैसी नहीं निकली जैसी वह चाहते थे। उन्होंने कहा, मैं इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा हूं और अपने प्रदर्शन को लेकर ईमानदार हूं। मैं अपनी गलतियों को सुधारने और आगे बेहतर करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं।

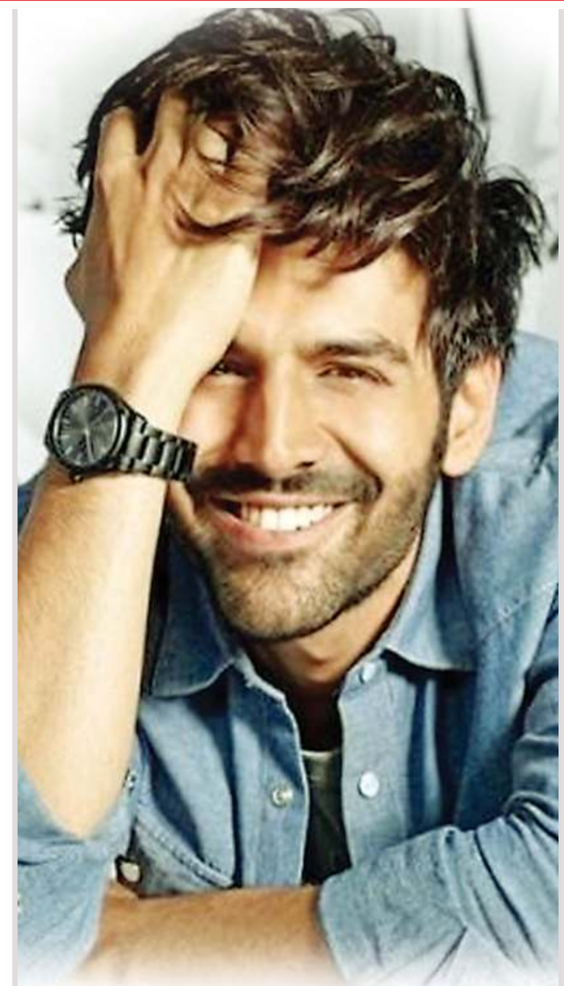

मुझसे शादी करोगी के सीक्वल में पहली बार साथ दिखेंगे कार्तिक-वरुण

2004 की हिट लव ट्रायंगल कॉमेडी फिल्म मुझसे 20 शादी करोगी का सीक्वल बनने जा रहा है। पहले पार्ट में सलमान खान, अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिकाओं में थे। इस बार नई पीढ़ी के चहेते एक्टर कार्तिक आर्यन और वरुण धवन पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने सीक्वल पर काम शुरू कर दिया है। इसकी स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। साजिद को लगता है कि वरुण और कार्तिक की कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब हंसाएगी। डेविड धवन ही इस बार भी निर्देशन करेंगे। फिल्म की रिलीज अगले साल होने की संभावना है। आने वाली फिल्मों की बात करें तो वरुण सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, है जवानी तो इश्क होना है और बॉर्डर 2 में दिखाई देंगे। वहीं कार्तिक, तू मेरी मैं तेरा... मैं तेरा तू मेरी और नागजिला जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

ये जोखिम लेना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे को हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में देखा गया था। उन्होंने कहा है कि वह और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रोल अदा करने के लिए तैयार हैं। अनन्या ने साल 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह गहराइयां और सीटीआरएल जैसी में नजर आईं। हर फिल्म में उनकी अलग काबिलियत दिखाई दी है। अनन्या पांडे चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग करना चाहती हैं। पति पत्नी और वो और ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में काम करने के बाद, अनन्या को लगता है कि अगर वह सिर्फ एक शैली तक ही सीमित रहती हैं, तो यह उनके फैंस के साथ अन्याय होगा।

पाकिस्तानी यूजर ने किया अनफॉलो तो भुवन बाम ने दिया करारा जवाब

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई पाकिस्तानी लोग भारतीय इंफ्लुएंसर को अनफॉलो कर रहे हैं। इस लिस्ट में अब भुवन बाम का नाम भी शामिल हो गया। भुवन को एक पाकिस्तानी यूजर ने अनफॉलो करने की बात कही तो इंफ्लुएंसर ने उसे करारा जवाब दिया। इसके बाद से ही भुवन की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। एक पाकिस्तानी फॉलोअर ने भुवन बाम को इंस्टाग्राम पर मैसेज किया, 'सॉरी भुवन भैया, अनफॉलो।' इस शख्स के प्रोफाइल पर पाकिस्तानी झंडा लगा था। इस पाकिस्तानी फॉलोअर को भुवन बाम ने भी जवाब दिया। वह लिखते हैं, 'भाई, अपने देश के साथ खड़े रहने पर अगर फॉलोअर्स कम होते हैं, तो ऐसा ही सही।' इस बात के जरिए भुवन ने साबित कर दिया कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता है कि पाकिस्तानी लोग उन्हें अनफॉलो कर रहे हैं। भुवन बाम का जब यह मैसेज वायरल हुआ तो इंडियन यूजर्स ने उनकी खूब तारीफ की। कई यूजर्स ने कहा, 'ये डिजिटल देशभक्ति है।' वहीं कई यूजर्स ने लिखा है, ' भुवन, एक ही दिल है कितनी बार जीतोगे।' इस तरह के कई कमेंट्स इंडियन यूजर्स भुवन बाम को लेकर किए। भुवन बाम ने यूट्यूब के जरिए अपना करियर शुरू किया, वह इस प्लेटफॉर्म पर फनी वीडियो बनाते थे। अब बतौर एक्टर वेब सीरीज में काम कर रहे हैं। 'ढिंढोरा' और 'ताजा खबर' जैसी सीरीज की हैं। इन सीरीज में भुवन ने लीड रोल निभाए हैं।

स्ट्रगल के दिनों को याद नहीं करते अमित

इन दिनों फिल्म 'रेड 2' की काफी चर्चा है। अजय देवगन ने इस फिल्म में एक इनकम टैक्स ऑफिसर का रोल किया है। फिल्म 'रेड 2' में अमित सियाल ने भी अजय देवगन के साथी का रोल किया है, इस किरदार की भी काफी चर्चा हो रही है। फिल्म 'रेड 2' और अपने करियर के शुरुआती संघर्ष के बारे में अमित सियाल ने बातचीत की।

अमित सियाल अक्सर कहते हैं कि वह अपने स्ट्रगल के दिनों को याद नहीं करना चाहते हैं। ऐसा क्यों है? इस सवाल के जवाब में अमित सियाल एक उदाहरण देते हैं, वह कहते हैं, 'हां, मैं अपने स्ट्रगल के दिनों को याद नहीं करना चाहता हूं। देखिए, अगर मेरा कभी बाइक से एक्सीडेंट हो जाए और मैं हमेशा उसी बात को याद करते हुए बाइक चलाना ही छोड़ दूं तो ये गलत बात होगी ना। मैं कहता हूं कि हर व्यक्ति स्ट्रगल करता है। मैं भी स्ट्रगल किया। मैंने भी कॉलेज के दिनों बर्तन धोए हैं, टैक्सी भी चलाई, वेटर बना हूं। साथ ही खूब मस्ती भी की।'

मौजूदा फेज को एंज्वॉय करने की ख्वाहिश

अमित सियाल आगे कहते हैं, 'स्ट्रगल को याद करने के बजाय मैं आज के फेज को एंज्वॉय करना चाहता हूं, मैं अच्छा काम कर रहा हूं, मुझे लोगों से प्यार और तारीफ मिल रही है, मेरा घर अच्छे से चल रहा है, परिवार खुश है, पत्नी और बच्चे खुश हैं। गाड़ी भी है, जिंदगी अच्छी चल रही है। इसके अलावा मुझे और क्या चाहिए?'

सोचकर आए थे कि एक्टिंग ही करेंगे

अमित इंटरव्यू में यह भी बताते हैं कि उन्होंने बचपन से ही एक्टर बनने का सपना देखा था। वह कहते हैं, 'मैंने बचपन में एक्टर बनने का सपना देखा, जिसे पूरा कर लिया तो फिर किस बात का स्ट्रगल है। मैं तो मुंबई यही सोचकर आया था कि भूखा रह लूंगा लेकिन एक्टिंग ही करूंगा। फिर इस रास्ते के बीच में जो चीजें भी फेस करनी पड़ी उसे लेकर बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है।'

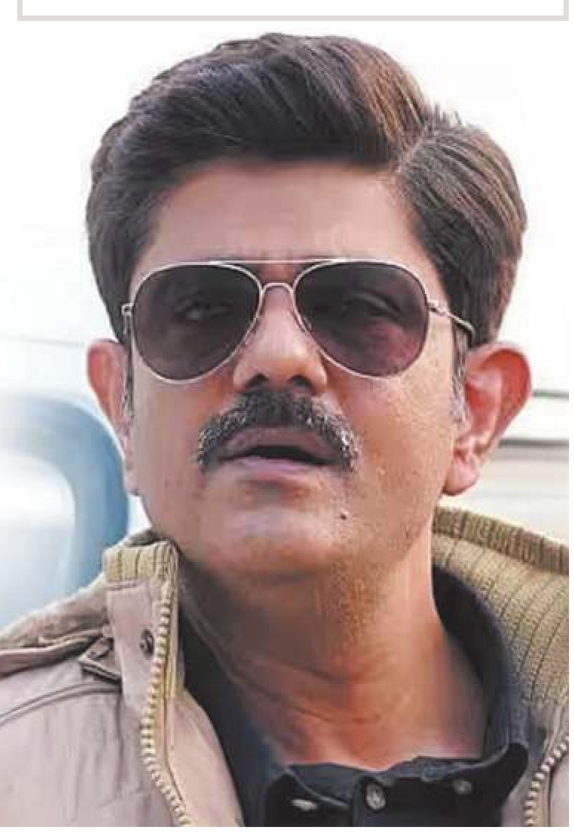

रिश्ते में दोस्ती ढूंढ लें तो वो लंबा चलेंगे

राजकुमार राव अपनी जबरदस्त ऐक्टिंग की बदौलत फैंस के दिलों में राज कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा अपने काम में विविधता रखी है, इसी वजह से उन्हें ढेर सारे कॉमिक किरदार निभाने के बावजूद कभी टाइपकास्ट होने का डर नहीं सताया। एक ओर जहां तमाम बॉलिवुड स्टार्स, साउथवालों के साथ मिलकर कोलैब कर रहे तो वहीं राजकुमार भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना क्यों जरूरी है।

अपने काम में हमेशा विविधता रखी है

राज ने अपने करियर में कई कॉमिक किरदार किए हैं। ऐसे में क्या उनके मन में कभी टाइपकास्ट होने का खयाल आया? इसके जवाब में ऐक्टर कहते हैं कि ऐसा कभी नहीं हुआ। पिछले साल मैंने श्रीकांत बोल्ला की बायॉपिक की थी। इस साल 'मालिक' आएगी, जो कि ऐक्शन पैक्ड फिल्म है। हमेशा मैंने अपने काम में विविधता रखी है। रही बात कॉमिडी की तो उसके लिए अच्छा लिखा होना बेहद जरूरी है। उसके बिना एक ऐक्टर को आप बोलें कि किसी सीन को फनी बना दो तो वो बहुत मुश्किल हो जाएगा। जब तक राइटिंग में कॉमिडी नहीं होगी, तब तक एक ऐक्टर के बस में नहीं है कि वो अकेले इतना कुछ कर सके।

मौका मिला तो साउथ इंडस्ट्री में काम करूंगा

तमाम बॉलिवुड स्टार्स, साउथ ऐक्टर, डायरेक्टर के साथ कोलैब कर रहे हैं। इस बातचीत में अभिनेता ने अपना इरादा भी स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि ईमानदारी से कहूं तो अभी तक मेरे पास ऐसा कोई मौका आया नहीं है। साउथ इंडस्ट्री में बहुत टैलंट है। बहुत सारे अच्छे-अच्छे ऐक्टर-डायरेक्टर हैं, जिसमें लिजो और मणिरत्नम जैसे नाम शामिल हैं। भ?विष्य में अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं जरूर उनके साथ काम करना चाहूंगा।

अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना जरूरी है

मेरा और पत्रलेखा का दिल तो कई साल से जुड़ा हुआ है। हमारे रिश्ते के 15 साल पूरे होने वाले हैं। मैं यही मानता हूं कि समय कम मिले चलेगा लेकिन दिल हमेशा मिले रहना ज्यादा जरूरी है। अब हम एक अलग मुकाम पर पहुंच चुके हैं। काम में व्यस्त होने की वजह से कई बार हम एक महीने तक नहीं मिल पाते लेकिन हमें एक-दूसरे की अहमियत पता है। हर रिश्ते की शुरुआत प्रेम से होती है। कई बार यही शादी में बदल जाती है जैसा कि हमारे साथ हुआ। हालांकि, अपने पार्टनर के साथ दोस्ती बनाए रखना बहुत जरूरी है। जैसे हम कई बार दोस्तों के साथ होते हैं तो समय का पता नहीं चलता, उसी तरह अगर आप अपने रिश्ते में भी दोस्ती ढूंढ लें तो वो लंबा चल जाता है।

टाइटल का रोचक होना मायने रखता है

मुझे फिल्म के टाइटल नहीं, कहानी आकर्षित करती है। हालांकि, मेरी फिल्मों के टाइटल काफी रोचक होते हैं। यह बात एकदम सच है कि टाइटल का रोचक होना बहुत मायने रखता है क्योंकि वही पहली चीज होती है, जो ऑडियंस के पास जाती है। ऐसे में आपकी जिम्मेदारी बनती है कि मजेदार टाइटल सोचा जाए, जिससे वो ज्यादा से ज्यादा लोगों के जेहन में बस सके। बाकी मेरी लिए कहानी का मजबूत होना ज्यादा अहम है। अगर मुझे कहानी पसंद आ जाती है तो फिर मैं फिल्म करने के लिए हां कर देता हूं।

सरकारी नौकरी करता तो आईएएस बनता

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ का एक डायलॉग है कि दो महीने में सरकारी नौकरी ले आओ। ऐसे में जब उनसे यह सवाल किया गया कि वाकई में अगर आपको सरकारी नौकरी मिलती तो आप क्या बनते? इस पर ऐक्टर ने कहा कि मुझे फिल्म शादी में जरूर आना में डीएम सत्येंद्र शुक्ला (आईएएस अफसर) बनकर बड़ा मजा आया था। हकीकत में, मुझे मौका मिलता तो आईएएस अफसर ही बनता। उनकी फिल्म की कहानी टाइम लूप पर आधारित है। ऐसे में जब राजकुमार से पूछा गया कि अगर आपको पीछे जाकर कुछ बदलने का मौका मिले तो क्या बदलना चाहेंगे। इस पर अभिनेता ने कहा कि मैं अपने पैरंट्स का लॉस बदलना चाहूंगा। इसके अलावा, मेरे फिल्म स्कूल (एफटीआईआई) के दिन हमेशा जेहन में रहते हैं। पत्रलेखा के साथ गुजारे ट्रैवलिंग के दिनों को मैं बहुत याद करता हूं। साथ ही हमारी शादी के जो तीन दिन के कार्यक्रम थे, उन्हें भी मैं कभी नहीं भूल सकता हूं। चाहता हूं कि वो दिन बार-बार लौटकर आएं।

अनुभव सिन्हा से इस बारे में बात करूंगा

फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ राज ने फिल्म भीड़ में काम किया था। हाल ही में फिल्ममेकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि फिल्में दो तरह की बन रही हैं। एक बड़े पर्दे तो दूसरी ओटीटी के लिए। इस पर राज ने कहा कि वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं लेकिन इस मामले पर अभी मेरी उनके कोई बात नहीं हुई है। अभी उस पोस्ट में उन्होंने पूरी जानकारी भी नहीं दी है। वह इस बारे में आगे और भी बात करेंगे। उनसे बात करके ही बता पाऊंगा आखिर उन्होंने ऐसा क्या सोच कर लिखा है। हो सकता है कि कुछ ऐसा हुआ हो उनके साथ तो उन्हें लगा हो कि ऐसा लिखना चाहिए या हो सकता है कि उन्होंने किसी को स्पष्ट करने के लिए ऐसा किया हो।

बटलर, बेथेल, जैक्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल

आरसीबी के खिलाफ खेलेंगे केकेआर के रसेल-नरेन; यह मैच हारी तो बाहर होगी कोलकाता

नईदिल्ली (एजेंसी)। 17 मई से आईपीएल फिर शुरू होगा, टूर्नामेंट 3 जून तक चलेगा। ऐसे में कई विदेशी प्लेयर्स के नहीं खेलने की आशंका है। वहीं वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नरेन आरसीबी के खिलाफ केकेआर से खेलते नजर आएंगे। कोलकाता अगर यह मैच नहीं जीत सकी तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर 29 मई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच शुरू होने वाली वनडे सीरीज के कारण दोनों टीमों के प्लेयर्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल है। इससे आरसीबी-जीटी और मुंबई को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

कोलकाता के ज्यादातर विदेशी प्लेयर्स बेंगलुरु पहुंच जाएंगे। जहां टीम 17 मई को होम टीम आरसीबी से भिड़ेगी। केकेआर के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है, अगर टीम हार गई तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर आरसीबी अगर जीत गई तो प्लेऑफ में क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

दुबई में थे वेस्टइंडीज के प्लेयर्स- केकेआर में वेस्टइंडीज के 3 प्लेयर्स और 1 मेंटॉर हैं। चारों भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात के दौरान दुबई में। रसेल, नरेन, रोवमन पॉवेल और मेंटॉर ड्वेन ब्रावो बुधवार तक ही भारत आ जाएंगे। अफगानी विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज काबुल और अफ्रीकी पेसर एनरिक नॉर्त्या मालदीव में हैं। दोनों भी बुधवार तक बेंगलुरु पहुंच जाएंगे।

ऑलराउंडर मोईन अली इंग्लैंड और पेसर स्पेंसर जॉनसन ऑस्ट्रेलिया में हैं। दोनों के आने पर कोई कन्फर्मेशन नहीं मिली। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के भारत आने की जानकारी भी नहीं मिल पाई। कोलकाता के भारतीय प्लेयर्स भी जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। 10 मई को भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। टीम 18 मई को दिल्ली में होम टीम से भिड़ेगी। मुकाबले से पहले 14 मई को इंग्लैंड के जोस बटलर और साउथ अफ्रीका के जेराल्ड कूट्ज़ी टीम से जुड़ गए।

गुजरात के बाकी विदेशी प्लेयर राशिद खान, शेरफेन रदरफोर्ड, कगिसो रबाडा और करीम जनत इस दौरान टीम के साथ भारत में ही थे। रदरफोर्ड और बटलर को 29 मई से 3 जून तक इंग्लैंड में अपनी-अपनी टीमों से वनडे सीरीज खेलनी है। ऐसे में तञ्ज अगर प्लेऑफ में पहुंची तो दोनों का खेल पाना मुश्किल हो सकता है।

बेथेल और जैक्स का प्लेऑफ खेलना भी मुश्किल - इंग्लैंड को 29 मई से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 की सीरीज खेलनी है। इंग्लिश टीम में आरसीबी के जैकब बेथेल और मुंबई के विल जैक्स का नाम है। दोनों ही टीमें प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार भी हैं, ऐसे में दोनों इंग्लिश प्लेयर्स का प्लेऑफ के मैच खेल पाना मुश्किल लग रहा है। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से शुरू होगा।

रबाडा-एनगिडी समेत 8 आईपीएल प्लेयर्स साउथ अफ्रीका लौटेंगे

डब्ल्यूटीसी फाइनल में शामिल होने के लिए बुलाया गया, 26 मई तक जाना होगा

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शामिल साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों को प्ले ऑफ शुरू होने से पहले ही लौटना पड़ सकता है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में शामिल खिलाड़ियों को 26 मई तक लौटने के लिए कहा है। इनमें गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, पंजाब किंग्स के मार्को यानसन, मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन, लखनऊ सुपर जायंट्स से एडेन मार्करम, दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स और सनराइजर्स हैदराबाद से व्यान मुल्डर शामिल हैं।

11 जून को खेला जाना है डब्ल्यूटीसी फाइनल - डब्ल्यूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बोर्ड ने ऐसा फैसला इसलिए किया है, ताकि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वहीं सभी आठों खिलाड़ी टीम के साथ 30 मई डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए इंग्लैंड रवाना हो सकें। आईपीएल 2025 में साउथ अफ्रीका के कुल 20 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

गुजरात, बेंगलुरु, पंजाब और मुंबई को हो सकती है मुश्किल - साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों के 26 मई को आईपीएल से लौटने से गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आईपीएल पॉइंट टेबल में टॉप में शामिल गुजरात टाइटंस के कागिसो रबाडा, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, तीसरे स्थान पर मौजूद टीम पंजाब किंग्स के मार्को यानसन और चौथे स्थान पर काबिज मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन शामिल हैं।

आईपीएल फिर से 17 मई से शुरू हो रहा है - आईपीएल 2025 17 मई से फिर शुरू हो रहा है। 6 वेन्यू पर लीग स्टेज के बचे हुए 13 मैच होंगे। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से खेला जाएगा, 3 जून को फाइनल होगा। पहले 25 मई को खेला जाना था। पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल सस्पेंड करना पड़ा था।

लिविंगस्टन इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम से बाहर

हैरी ब्रूक की परमानेंट कप्तानी में पहली सीरीज, 29 मई को वेस्टइंडीज से भिड़ेंगे

नईदिल्ली(एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाले व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड ने वनडे और टी-20 टीम का ऐलान कर दिया। लियम लिविंगस्टन को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। गुजरात टाइटंस से आईपीएल खेल रहे जोस बटलर भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं, ऐसे में उनका प्लेऑफ मैच खेल पाना मुश्किल है। हैरी ब्रूक को व्हाइट बॉल टीम का परमानेंट कप्तान बनाए जाने के बाद यह इंग्लैंड की पहली सीरीज है। फिल सॉल्ट को वनडे टीम में मौका नहीं मिला, वे 6 जून से टी-20 सीरीज खेलेंगे।

इंग्लैंड स्क्वॉड

वनडे - हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, टॉम हार्टली, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, जो रूट और जैमी स्मिथ।

टी-20- हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट और ल्यूक वुड।

लियम डॉसन और विल जैक्स की वापसी - लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को 2022 के बाद पहली बार टी-20 टीम में जगह मिली। फिल सॉल्ट की भी सबसे छोटे फॉर्मेट की टीम में वापसी हुई। विल जैक्स को दोनों स्क्वॉड में जगह मिली। जोफ्रा आर्चर वनडे सीरीज खेलेंगे, लेकिन इंजरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें टी-20 सीरीज से बाहर रखा गया।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर

● राजावत भी राउंड-1 में हारे, महिला वर्ग में आकर्षि, उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गई हैं। बुधवार को सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने 18-21, 21-9, 17-21 से हराया।

राजावत भी तीन गेम में हारे

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी।

आकर्षि-उन्नति ने तीसरे गेम में जीते मुकाबले

विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके

काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की। स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि वहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह दी गई। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। श्रीलंका में सपाट पिचें थी और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के नूशीन अल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

पहलगाम हमला : पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा । मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया।

महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है। अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा।

एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा। पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

रियो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट रेसलर पर प्रॉस्टिट्युशन के आरोप

कोलंबस पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया, 19 मई को कोर्ट में पेश होंगे

कोलंबस (एजेंसी)। रियो ओलिंपिक 2016 में गोल्ड जीतने वाले अमेरिकी रेसलर काइल स्नायडर को कोलंबस पुलिस ने प्रॉस्टिट्युशन के मामले में गिरफ्तार किया है। वे शुक्रवार रात को एक प्रॉस्टिट्युशन से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन में फंसे थे। हालांकि, पूछताछ के बाद स्नाइडर को मौके से ही छोड़ दिया। अब उन्हें 19 मई 2025 को अदालत में पेश होना होगा। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 29 साल के स्नाइडर के अलावा, 15 अन्य लोगों को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। यह कार्रवाई कोलंबस पुलिस विभाग ने कोलंबस के नॉर्थ साइड इलाके में की।

ऐसे पकड़ में आए स्नायडर - पुलिस ने बताया कि हमने ऑनलाइन एस्कॉर्ट सेवा के फर्जी विज्ञापन पोस्ट किए थे, ताकि वे ऐसे लोगों को पकड़ सकें। जो प्रॉस्टिट्युशन जैसी गैरकानूनी सेवाओं की तलाश कर रहे थे। शुक्रवार रात 8ः15 बजे के करीब स्नायडर ने इन विज्ञापनों पर दिए गए नंबर पर कॉल और टेक्स्ट मैसेज भेजे। रेसलर को लगा कि वे किसी असली एस्कॉर्ट सर्विस से संपर्क कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कॉल के बाद वे पास के एक होटल पहुंचे। जहां उन्होंने एक पुलिस की महिला अधिकारी को नकद पैसे दिए। अधिकारी ने मौखिक रूप से यौन सेवा की मांग की।

अर्शदीप सिंह का टेस्ट डैब्यू तय !

इंग्लैंड में दिखाएंगे जलवा, शमी पर संदेह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आगामी रेड-बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड के लिए उड़ान भर सकते हैं। भारत के इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शामिल है। यह 20 जून से शुरू होने वाली है और हाई-प्रोफाइल सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने वाली है। मुख्य सीरीज की शुरुआत से पहले, भारत ए को इंग्लैंड में दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। 26 वर्षीय अर्शदीप इंग्लैंड में होने वाली सीरीज़ के लिए चयनकर्ताओं के रडार पर हैं, और उन्हें टेस्ट टीम में चुना जाएगा।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का चयन संदिग्ध है और उनके चयन की 50/50 संभावना है, जबकि हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। बीसीसीआई विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ही उप-कप्तान चुनेगी। बता दें कि मोहम्मद शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का विषय रहा है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग के चालू सत्र में वह गेंद के साथ बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

मैक्सवेल से शादी क्यों नहीं की ? सवाल पर गुस्साई प्रीति जिंटा, बोली यह भेदभाव क्यों ?

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक इंटरेक्शन सेशन के दौरान, अभिनेत्री और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने एक यूजर के आपत्तिजनक सवाल पर कड़ा जवाब दिया। यूजर ने मजाक में पूछा कि क्या क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल के आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए खराब प्रदर्शन का कारण यह था कि प्रीति ने उनसे शादी नहीं की। इस सवाल से नाराज प्रीति ने यूजर को लैंगिक भेदभाव बंद करने और सम्मान देने की सलाह दी। प्रीति ने एक्स पर लिखा- क्या आप यह सवाल पुरुष टीम मालिकों से पूछेंगे, या यह भेदभाव सिर्फ महिलाओं के लिए है? क्रिकेट में आने से पहले मुझे नहीं पता था कि कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं के लिए जीवित रहना कितना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, आपने यह सवाल मजाक में पूछा होगा, लेकिन उम्मीद है कि आप इसे गंभीरता से देखेंगे। मैंने 18 साल की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है, कृपया मुझे वह सम्मान दें और लैंगिक पक्षपात बंद करें। धन्यवाद। पंजाब किंग्स -प्रीति जिंटा की सह-स्वामित्व वाली आईपीएल टीम, वर्तमान में आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने छीना मोर आवास मोर अधिकार- करीब 18 लाख घर बनाने का संकल्प पूरा हुआ: शिवराज सिंह चौहान

अंबिकापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि आज राज्य में करीब 18 लाख आवास का संकल्प पूरा हो गया है। मैं यहां आकर प्रसन्न हूं और सभी को बधाई देता हूं। इसके साथ ही मामा शिवराज ने कांग्रेस पर हमला भी बोला। मामा ने कहा कि कांग्रेस ने मोर आवास मोर अधिकार को छीना है। मगर आज ऐतिहासिक दिन है, एक संकल्प था जो आज पूरा हुआ।

छत्तीसगढ़ की जनता का एक सपना पूरा हुआ है। सबको आवास। मोर आवास मोर अधिकार को कांग्रेस ने छीना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आवास बनाने का पैसा भेजा, लेकिन घर नहीं बना। मामा शिवराज ने आरोप लगाते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार की रुचि घर बनाने में थी ही नहीं। अपने हिस्से का पैसा भी नहीं दिया। इसलिए जिनके मकान आज से करीब आठ साल पहले बन जाने थे, वो लोग मकान से वंचित रहे।

भाजपा ने उस समय आंदोलन किया कि अगर हमारी सरकार बनी तो पात्र हितकारियों के मकान बनाएंगे। हम जो कहते हैं वो करते हैं। मोदी जी हैं तो मुमकिन हैं। जो वचन छत्तीसगढ़ की जनता को दिया था, वो आज पूरा हुआ। लगभग 18 लाख आवास थे। इनमें वो मकान भी थे, जो सीएम आवास योजना से जुड़े थे। सरकार ने कह तो दिया था, लेकिन वो अधूरे पड़े थे।

हमने आठ लाख से ज्यादा मकान छत्तीसगढ़ में पात्र हितकारियों के लिए राज्य सरकार को दिए थे। साढ़े तीन लाख के आसपास मकान फिर दिए। और अभी 2018 की सूची के तहत करीब 3 लाख के आसपास मकान बचे थे, आज उस सूची को भी संतृप्त कर दिया है।

6 फेरे ले लिए, एक फोन आया और दूल्हे ने नहीं लिया 7वां फेरा, लड़कीवालों ने बनाया बंधक

करौली, एजेंसी। राजस्थान में एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है। दूल्हा-दुल्हन खुशी-खुशी शादी के फेरे ले रहे थे। छह फेरे पूरे हो चुके थे। इसी बीच दूल्हे के मोबाइल पर किसी का फोन आया। फोन पर बात करने के बाद दूल्हे ने सातवां फेरा लेने से इनकार कर दिया। दूल्हे के इस हरकत से लड़की वाले हक्के-बक्के रह गए। तमाम कोशिशों के बावजूद जब दूल्हा सातवें फेरे के लिए तैयार नहीं हुआ तो लड़कीवालों ने दूल्हा सहित उसके परिवार वालों को बंधक बना लिया। राजस्थान के करौली जिले में एक शादी समारोह में उस समय हड़कंप मच गया जब दूल्हे ने सातवां फेरा लेने से इनकार कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, नादौती तहसील में जोड़े ने सात फेरों में से छह पूरा कर लिया था। सातवें फेरे से ठीक पहले दूल्हे को कथित तौर पर एक फोन आया। उसके बाद दूल्हे ने अंतिम फेरा लेने से इनकार कर दिया, जिससे शादी रुक गई। दूल्हे के इस अप्रत्याशित व्यवहार से स्तब्ध दुल्हन के परिवार ने दूल्हे, उसके पिता और उसके कई रिश्तेदारों को बंधक बना लिया। माहौल को बिगड़ता देख पुलिस को बुलाया गया। नादौती थाने के प्रभारी वीर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए हैं। न तो दुल्हन का परिवार और न ही दूल्हे के परिवार ने कोई शिकायत दर्ज कराया है। मामले को स्थानीय स्तर पर ही निपटाया जा रहा है। इस बीच घटना को लेकर पंचायत बुलाया गया। पंचायत (ग्राम परिषद) का नेतृत्व समुदाय के एक बुजुर्ग पंच कर रहे हैं। पंचायत मामले को सुलझाने की कोशिश में जुटी है। दुल्हन के परिवार का दावा है कि उन्होंने शादी की तैयारियों पर करीब 56 लाख रुपए खर्च किए हैं। पंचायत अब इस बात पर चर्चा कर रही है कि क्या दूल्हे पक्ष को पैसे लौटाने चाहिए, खासकर तब जब शादी आखिरी समय में रद्द कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि दूल्हे को एक लड़की का फोन आया था और उसके बाद उसने अचानक शादी रोक दी। पुलिस स्थिति पर नजर रख रही है।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार यूपीएससी के नए चेयरमैन नियुक्त, प्रीति सूदन की लेंगे जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अधिकारी और पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने मंगलवार देर रात एक आधिकारिक आदेश जारी कर उनकी नियुक्ति की जानकारी दी। आदेश में कहा गया, राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए प्रसन्नता हुई है। यह अनुच्छेद लोक सेवा आयोगों के सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित है।

डॉ. अजय कुमार 1985 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उनकी यूपीएससी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति उसी दिन से प्रभावी होगी, जिस दिन वह कार्यभार ग्रहण करेंगे। डॉ. अजय कुमार ने रक्षा मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया है और अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम रक्षा सुधारों में भूमिका निभाई। अब वह यूपीएससी जैसे प्रतिष्ठित आयोग की कमान संभालेंगे, जो देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रीति सूदन का कार्यकाल समाप्त: अजय कुमार की नियुक्ति प्रीति सूदन के कार्यकाल की समाप्ति के बाद हुई है। पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को जुलाई 2024 में यूपीएससी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जब तत्कालीन अध्यक्ष मनोज सोनी ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 29 अप्रैल को समाप्त हुआ। मनोज सोनी जून 2017 से मई 2023 तक यूपीएससी के सदस्य रहे। उन्होंने अध्यक्ष बनने के कुछ ही समय बाद जून 2024 की शुरुआत में निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था।

विपक्ष के सवाल: हालांकि, सोनी के इस्तीफे को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई नेताओं ने मांग की कि सरकार यह स्पष्ट करे कि सोनी का इस्तीफा आखिर किस कारण हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या यह इस्तीफा यूपीएससी से जुड़ी कथित घोटालों से जुड़ा था?

पूजा खेडकर विवाद की छाया: गौरतलब है कि यूपीएससी पिछले साल जुलाई में उस समय विवादों में आ गया था जब ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर फर्जी पहचान के आधार पर अतिरिक्त सिविल सेवा परीक्षा प्रयास प्राप्त करने का आरोप लगा। आयोग ने बाद में खेडकर की अस्थायी उम्मीदवारी रद्द कर दी और उन्हें भविष्य की सभी परीक्षाओं और चयन प्रक्रियाओं से प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि यह विवाद सोनी के इस्तीफे के बाद सामने आया, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर भी सवाल उठे।

यूपीएससी की भूमिका: संघ लोक सेवा आयोग न केवल सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है, बल्कि विभिन्न सेवाओं में पदोन्नति, प्रतिनियोजन और अनुशासनात्मक मामलों को भी देखता है। अब डॉ. अजय कुमार इस महत्वपूर्ण संस्था का नेतृत्व करेंगे।

विपक्ष उठा रहा सीजफायर पर सवाल, लेकिन कश्मीर से पीडीपी एवं एनसी ने किया समर्थन

कश्मीर, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच घोषित ताजा सीजफायर को लेकर जहां कांग्रेस सहित विपक्ष के कुछ दल सवाल उठा रहे हैं, वहीं मोदी सरकार को समर्थन भी मिला है। समर्थन की ये आवाजें कश्मीर घाटी से आ रही हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले को राजनीतिक समझदारी बताया है और विपक्ष से इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाने की अपील की है।

बीते वर्षों में भाजपा की कटु आलोचक रहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यह समय राजनीतिक आलोचना का नहीं है, एकजुटता दिखाने का है। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद देश एकजुट हुआ, वैसे ही अब शांति प्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय सहमति बनानी चाहिए। उन्होंने टीवी स्टूडियो में बैठे आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जो लोग एयर-कंडीशंड कमरों में बैठकर युद्ध की बातें करते हैं, वे कभी सीमा पर रहने वाले परिवारों के दर्द को नहीं समझ सकते। यह समझ तभी आ सकती है जब आप खुद मौत और तबाही का सामना करें।

वहीं, नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी महबूबा का समर्थन किया। कुपवाड़ा जिले के तंगधार क्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, जो लोग नोएडा और मुंबई में टीवी स्टूडियो में बैठकर युद्ध की बातें करते हैं, उन्हें जमीनी हकीकत नहीं पता। सीमा पर रहने वाले लोग सीजफायर चाहते हैं। यही उनकी सच्ची भावना है। यह एक अच्छा कदम है और इसे जारी रहना चाहिए।

महबूबा बोलीं- पाकिस्तान से हो संवाद

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेताओं ने यह दिखाया कि तनावपूर्ण समय में भी पाकिस्तान के साथ बातचीत की जा सकती है। इस दौरान देश की सुरक्षा या संप्रभुता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के बच्चे बदले का इंतजार नहीं कर रहे, वे शांति चाहते हैं। सच्चे उपचार की शुरुआत संवाद से होती है। हमें ऐसा भविष्य बनाना चाहिए जिसमें हमारे बच्चे डर के बिना जी सकें।

कांग्रेस और आप ने उठाए सवाल

हालांकि कांग्रेस ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार को समर्थन दिया था। अब पार्टी ने सीजफायर की टाइमिंग और अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में कहा, देश को लग रहा था कि हमारी सेना पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है और यह एक सुनहरा मौका था। लेकिन सीजफायर की घोषणा जिस तरह की गई, उससे सरकार की नैतिक ताकत पर सवाल उठता है। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी केंद्र से विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग की है ताकि पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो सके। दिल्ली में संजय सिंह ने कहा, हमारी सेना मजबूती से जवाब दे रही थी, फिर हमने सीजफायर की घोषणा कर दी। ये फैसले सवालों के घेरे में है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर बीजेपी मंत्री की अमर्यादित टिप्पणी पर भड़कीं मायावती, सख्त कार्रवाई की मांग

लखनऊ, एजेंसी। बीजेपी नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने नाराजगी जताई है। मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया साइट ऐक्स पर पोस्ट किया है। मायावती ने महिला सैन्य अधिकारी के संबंध में की गई अभद्र टिप्पणी पर केंद् सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग है। मायावती ने इसे अति-दुखद व शर्मनाक बताया है। मायावती ने बुधवार सुबह ऐक्स पर पोस्ट किया है। मायावती ने बीजेपी मंत्री पर निशाना साधा है। उन्होंने मंत्री पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की महिला अफसर के प्रति घृणित, असभ्य व अमर्यादित टिप्पणी, वास्तव में जोश व उमंग के उस पूरे अच्छे माहौल को नष्ट करने वाली है जो पूरा देश भारतीय सेना की पाकिस्तान के विरुद्ध 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता से उत्साहित है, जो यह अति-दुखद व शर्मनाक है।

इस क्रम में मध्यप्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा मुस्लिम महिला सेना प्रवक्ता के सम्बंध में की गई अभद्र टिप्पणी को भाजपा व केन्द्र सरकार गंभीरता से लेकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूर करे, ताकि दुश्मनों के नापाक मंसूबे नाकाम हों और देश में आपसी भाईचारा व समरसता न बिगड़ने पाए। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें वे भारतीय सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए नजर आए। इसके बाद से विपक्ष हमलावर है। इससे पहले कांग्रेस भी हमला बोला है। कांग्रेस के कई नेताओं ने उन्हें मंत्री पद से हटाने की मांग करते हुए कहा है कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

उद्धव-राज ठाकरे के बीच फिर बढ़ रहीं नजदीकियां, शिंदे सेना ने भी तेज की कोशिशें, बीएमसी चुनाव पर नजर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं के पुनर्मिलन की चर्चा जोर पकड़ रही है। उद्धव की शिवसेना ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ गठबंधन की संभावनाओं को फिर से हवा दी है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भी मनसे के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। शिंदे सेना के वरिष्ठ नेता और मंत्री उदय सामंत ने राज ठाकरे से उनके मुंबई स्थित निवास पर मुलाकात की। इससे बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और अन्य नागरिक निकाय चुनावों से पहले सियासी समीकरण और रोचक हो गए हैं।

उदय सामंत और राज ठाकरे के बीच चौथी मुलाकात: इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के बाद उदय सामंत और राज ठाकरे के बीच चौथी मुलाकात थी। हालांकि सामंत ने इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया और किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैं दादर इलाके में कुछ काम से गया था, तो सोचा राज साहेब से मिल लूं। हमने कुछ घटनाक्रमों पर चर्चा की, लेकिन इसमें कोई राजनीतिक बात नहीं हुई। अगर बीएमसी चुनावों को लेकर कोई बात होती, तो हम प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसकी जानकारी देते। लेकिन यह मुलाकात ऐसे वक्त पर हुई है जब राज्य की राजनीति में कई संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना, राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस को महायुति गठबंधन में शामिल करने की कवायद कर रहे हैं। बीते महीने खुद मुख्यमंत्री शिंदे भी राज ठाकरे से उनके निवास पर मिले थे। वहीं, हाल ही में राज ठाकरे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की थी।

इन मुलाकातों ने शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के संभावित गठबंधन की चर्चाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, उद्धव गुट के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने राज ठाकरे के सुलह प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाया है। राऊत ने कहा, राज ठाकरे ने शुरुआत की थी, हमने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। आज भी हमारा रुख वैसा ही है। अब फैसला राज ठाकरे को लेना है। हम उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

उद्धव की अपील और शिंदे की मुलाकातें: राउत ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के साथ मतभेदों को दरकिनार करने की इच्छा जताई है। राउत ने कहा, उद्धव जी ने संकेत दिया है कि वह मराठी मानूस और महाराष्ट्र के हित में एकजुट होने को तैयार हैं। अब गेंद राज ठाकरे के पाले में है। उद्धव ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि वह मराठी भाषा और लोगों के लिए मतभेद भुलाने को तैयार हैं।

300 से सीधे 2800 रुपए! हिमाचल में बिजली दरों पर जयराम ठाकुर का कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने सिंचाई के लिए बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी को लेकर हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। जयराम ठाकुर ने इस कदम को मनमाना और अनुचित बताया है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से बार-बार चेतावनी दिए जाने और किसानों के विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार कोई कार्रवाई करने में विफल रही। इसे उन्होंने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। जयराम ठाकुर ने कहा, किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिंचाई कनेक्शनों के लिए बिजली के बिल चौंकाने वाले हैं। इस मुद्दे को सरकार के संज्ञान में लाने के बावजूद, कोई सक्रिय प्रतिक्रिया नहीं हुई है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

इससे पहले उन्होंने बताया कि किसान 500 यूनिट बिजली की खपत के लिए 300 रुपए देते थे, लेकिन अब नई नीति के तहत उसी इस्तेमाल के लिए बिल बढ़कर करीब 2800 रुपए हो गया है। ठाकुर ने टैरिफ वृद्धि को देश के अन्नदाताओं पर हमला बताया और कहा कि यह अस्वीकार्य है। जयराम ने हमलावर होते हुए कहा कि देश के अन्नदाताओं के साथ इस तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिजली दरों में भारी बढ़ोतरी अनुचित है। सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और किसानों से इस तरह की वसूली बंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे मनमाने बिल से किसान कैसे निपटेंगे? यह देश के अन्नदाताओं पर थोपी गई अराजकता है। भारतीय जनता पार्टी इसका कड़ा विरोध करती है और सरकार इस विरोध पर आंखें मूंद नहीं सकती। कांग्रेस सरकार के प्रचार-प्रसार के तरीकों पर कटाक्ष करते हुए ठाकुर ने

कहा कि सरकार छोटी-छोटी उपलब्धियों का भी गर्व से प्रचार करती है, लेकिन सीधे जनता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चुप रहना पसंद करती है। उन्होंने कहा, जब भी सरकार दूध के दाम 2 रुपये बढ़ाती है, तो वह राज्य के हर कोने...सड़कों, चौराहों, बसों...को पोस्टरों और होर्डिंग्स से भर देती है। लेकिन जब वह बिजली के बिलों में पांच से सात गुना वृद्धि करती है, तो वह चुप हो जाती है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव से पहले की उनकी प्रमुख गारंटियों में से एक 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना था। उन्होंने सरकार पर न केवल उस वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया, बल्कि बिजली दरों में भी तेजी से वृद्धि की।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को किया खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष विराम और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित मध्यस्थता को लेकर शुरू हुई राजनीतिक बहस ने नया मोड़ ले लिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अब इस बहस के केंद्र में आ गए हैं। पूर्व विदेश राज्य मंत्री और वर्तमान में तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने पत्रकार करण थापर को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए कहा कि यह दावा अविश्वसनीय है कि भारत ने अमेरिका से पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम में मध्यस्थता करने को कहा। थरूर ने अपने अनुभव के आधार पर यह बात कही है।

उन्होंने कहा कि अगर भारत अमेरिका से संपर्क करता तो वह एक औपचारिक और स्पष्ट आग्रह होता। उन्होंने कहा, अगर एस जयशंकर अमेरिका से कहते कि कृपया पाकिस्तान को यह ए बी सी संदेश दें, तो उसे मध्यस्थता कहा जाता। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता है कि अगर भारत ने ऐसा किया होगा।

करण थापर के यह पूछने पर कि वह एक विपक्षी दल के नेता होने के बावजूद कैसे इतने निश्चित हैं कि ऐसा नहीं हुआ है। उनके इस सवाल पर थरूर ने कहा, यह मेरा अनुमान है। यह मेरे दशकों के अनुभव और भारतीय विदेश नीति को समझने की क्षमता पर आधारित है।

इंटरव्यू के दौरान शशि थरूर ने कहा कि ट्रंप के ट्वीट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की चुप्पी का मतलब यह हो सकता है कि सरकार डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को निजी तौर पर आपत्ति जता रही है। आपको बता दें कि थरूर विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष भी हैं।

जब शशि थरूर से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत को क्या मिला तो उन्होंने कहा इस ऑपरेशन को पूरी तरह से संयमित और जिम्मेदार तरीके से अंजाम दिया गया था। उन्होंने कहा, हमने पहले ही दिन स्पष्ट कर दिया था कि यह कोई युद्ध की शुरुआत नहीं है। अगर पाकिस्तान जवाब देगा तो हम भी जवाब देंगे। अगर वह चुप रहा, तो हम भी कोई अतिरिक्त कार्रवाई नहीं करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर से हमें जो हासिल हुआ, वह यह है कि हमने 7 मई को एक बहुत ही स्पष्ट संकेत भेजा है। उन्होंने कहा, पूरे चार दिन नहीं। पहले दिन से ही हमारी कार्रवाई सोची-समझी और सटीक थी। हमने संकेत दिया कि हम अपनी धरती पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमने यह संदेश दिया है कि एक परिपक्व शक्ति के रूप में होते हुए हम अपनी प्रतिक्रिया सावधानी से करेंगे। हम टारगेट को निशाना बनाने में सक्षम थे। हमने लश्कर के परिसर में एक इमारत को तबाह किया। आम नागरिकों की क्षति को कम से कम किया गया।

उन्होंने कहा, हमने पंजाब के हृदय स्थल में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। हमने लोगों को बताया कि दस्ताने उतार दिए गए हैं। यह एक शक्तिशाली संदेश है और इसे भेजने की आवश्यकता थी और भेजा गया। शशि थरूर ने 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर को भारत की स्पष्ट और बदलती पाकिस्तान नीति के उदाहरण के रूप में गिनाया।

बच्चों को कला से क्यो रखा है दूर? राजस्थान हाईकोर्ट की राज्य सरकार को फटकार!

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों की भर्ती को लेकर राज्य सरकार को अंतिम चेतावनी दी है। कोर्ट ने दो टूक कहा है कि बच्चे देश का भविष्य हैं, और उन्हें चित्रकला-संगीत जैसी रचनात्मक शिक्षा से वंचित नहीं रखा जा सकता। मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने इस मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए सरकार से कहा कि अब बहुत हो गया, अब और इंतजार नहीं किया जाएगा।

यह टिप्पणी एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसे विमल शर्मा ने दायर किया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के करीब 70 हजार सरकारी स्कूलों में कला शिक्षा के लिए विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। स्थिति यह है कि गणित और विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षक ही बच्चों को संगीत और चित्रकला सिखा रहे हैं।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का अधिकार कानून के तहत हर स्कूल में कला शिक्षा अनिवार्य है। इसके बावजूद सरकार अब तक न तो कोई ठोस योजना ला सकी है और न ही कला शिक्षकों की भर्ती के लिए कदम उठाए हैं। सरकार की ओर से एक बार फिर समय मांगा गया, जिस पर हाईकोर्ट भड़क गया और कहा, पांच महीने से ज्यादा हो गए, अब तक तो योजना आ जानी चाहिए थी! याचिकाकर्ता की दलीलों में यह भी बताया गया कि कला शिक्षा बच्चों के रचनात्मक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। इसके अभाव में बच्चों में तनाव, हताशा और हिंसात्मक प्रवृत्तियों का विकास हो रहा है। चिंताजनक बात यह है कि सरकार ने अब तक कला शिक्षा की किताबें तक प्रकाशित नहीं करवाई हैं। हाईकोर्ट इससे पहले भी साफ कर चुका है कि अगर कला शिक्षा अनिवार्य है तो स्कूलों में इसके लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। अब कोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम मौका देते हुए जल्द से जल्द कार्ययोजना पेश करने को कहा है। राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था को रचनात्मक दिशा देने की उम्मीद अब इस आदेश से जगी है।